GARGI COLLEGE

गार्गी कॉलेज

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

(नैक [NAAC] के द्वारा मान्य 'ए' ग्रेड)

विवरणिका
2020-21

ध्यान रखने योग्य बिंदु.....

आपका मार्गदर्शक

यह विवरणिका महाविद्यालय में विद्यार्थियों के आत्मविकास के साथ–साथ सभी अवसरों, नियमों तथा विभिन्न प्रस्तुतीकरण के लिए अंतिम तिथि की जानकारी हेतू महत्वपूर्ण मार्गदर्शक है। गार्गी कॉलेज में अध्ययन की सम्पूर्ण अवधि के दौरान मार्गदर्शन के लिए इसका निरतंर अवलोकन करें ।

गार्गी कॉलेज की वेबसाइट

गार्गी कॉलेज की वेबसाइट परिसर जीवन, अकादमिक गतिविधियों, आंतरिक मूल्यांकन, विद्यार्थियों की गतिविधियों, पुरस्कारों एवं छात्रवृत्तियों से सम्बन्धित सभी जानकारियों का भंडार है। कृपया निरंतर इसका अवलोकन करें।

वेबसाइट : **www.gargicollege.in**

रैगिंग का समुचित बहिष्कार

दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिनियम XV-B एवम् XV-C के तहत रेगिंग पूर्णरूपेण प्रतिबंधित है। यह एक अपराध है और इसमें संलिप्त विद्यार्थी के विरूद्ध पुलिस कार्यवाही और महाविद्यालय से उनका निष्कासन हो सकता है।

धूम्रपान वर्जित क्षेत्र

यह महाविद्यालय तम्बाकू रहित वातावरण को प्रोत्साहित करने में दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पुलिस और विश्व फेफड़ा प्रतिष्ठान – दक्षिण एशिया के संकल्प से कटिबद्ध है। इस दिशा में एक ठोस कदम के साथ गार्गी कॉलेज में धूम्रपान प्रतिबंधित है।

प्राचार्या
की कलम से

गार्गी कॉलेज, जहां उत्कृष्टता एक परंपरा है, 1967 में एक महान कारण के साथ, युवा महिलाओं को उच्च शिक्षा में बढ़ावा देने के लिए अस्तित्व में आया। हमने लगभग 200 छात्राओं, कुछ शिक्षकों और दो पाठ्यक्रमों के साथ एक स्कूल भवन में एक बहुत ही छोटे से स्तर से अपनी यात्रा शुरू की। तब से यह 4500 से अधिक छात्राओं, 200 से अधिक शिक्षकों, 21 अंडरग्रेजुएट और 3 पोस्टग्रेजुएट पाठ्यक्रमों में विकसित हुई है, जिसका उद्देश्य विज्ञान, वाणिज्य, मानविकी और शिक्षा सभी चार धाराओं में लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। यह एक ही स्थान पर हर सुविधा उपलब्ध है।

यह वर्ष, जैसा कि हम सभी जानते हैं, पूरी दुनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि COVID-19 महामारी के कारण मानवता को एक दुष्कर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हममें से प्रत्येक को शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दोनों स्तरों पर इस आघात को सहना पड़ रहा है। इस संकट से जीवन का हर एक पहलू प्रभावित हो रहा है जिसमें संस्थान की शैक्षणिक प्रक्रिया भी शामिल है। यह महत्वपूर्ण समय यह साबित करने के लिए आया कि हम वह शिक्षा प्रदान करते हैं जो केवल मस्तिष्क में संग्रहित होने वाली न केवल सूचना है बल्कि सारा जीवन साथ रहती हैं। इस महामारी ने निश्चित रूप से मानव जीवन की क्षण भंगुरता को उजागर किया है, लेकिन साथ ही इसने मानवीय जीवन के विस्तार को प्रदर्शित करने का अवसर भी प्रदान किया है।

यदि हम अपनी यात्रा को देखें, तो निस्संदेह इन तिरपन वर्षों में अपार गौरव के अनगिनत अवसर देखने को मिले, जिसने हमें देश के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में से एक बना दिया।

कॉलेज को NAAC द्वारा मूल्यांकन के अपने पहले चक्र में 'A' ग्रेड से सम्मानित किया गया और NIRF (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेम वर्क) ने वर्ष 2019 में इसे अखिल भारतीय स्तर पर 12 वें स्थान पर रखा। गार्गी कॉलेज को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा लगातार नौ साल तक, स्टार कॉलेज के दरजे से सम्मानित किया गया, जो किसी भी संस्थान को दिया गया अधिकतम समय है।

हम एनसीसी और एनएसएस के साथ–साथ 23 सांस्कृतिक और गैर–सांस्कृतिक समितियों के माध्यम से पाठ्येतर गतिविधियों को प्रोत्साहित करते हैं। इन प्रयासों के माध्यम से हम उन्हें एक ऐसा मंच प्रदान करते हैं जो उनके समग्र विकास के लिए सहायक है।

यह सब संभव इसलिए है क्योंकि संकाय प्रतिष्ठित है, स्टाफ समर्पित है और छात्र प्रगतिशील हैं। हमारा उद्देश्य है कि हम लगातार ऊंचाइयों को अर्जित करने का प्रयास करें।

मुझे पूरी उम्मीद है कि गार्गी समूह में दाखिला लेने वाली वाली सभी छात्राएं इसे और भी अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

शुभकामनाओं सहित

डॉ. प्रोमिला कुमार
प्राचार्या (कार्यकारी)

विषय सूची

विवरण	पृष्ठ सं.
विद्यार्थी परिषद 2020–21	3
प्रवेश अनुसूची 2020–21	4
प्रवेश प्रक्रिया एवं पात्रता मापदंड	6
विभिन्न प्रकार के कोटा के तहत प्रवेश	23
2020–21 हेतु शुल्क	27
उपस्थिति और आंतरिक मूल्यांकन	28
महत्वपूर्ण समितियाँ	29
संकाय की सूची	30
विभाग	33
प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम	61
सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ	65
विविधता और स्वांगीकरण केन्द्र	88
प्लेसमेंट सेल	89
अवसंरचना और सुविधाएं	90
विद्यार्थियों के लिए शोध परियोजनाएं	93
पुरस्कारों की सूची	94
अनुशासन पर अध्यादेश और आरटीआई अधिनियम	96
चौतरफा प्रगति के लिए ऑनलाइन पहल	98
सांस्कृतिक कैलेंडर 2020–21	99

अस्वीकरण

यह विवरणिका विभिन्न विभागों, संघों, सोसायटियों, संबंधित स्रोतों आदि से एकत्रित और संगृहीत जानकारी का विस्तृत विवरण है।

यह कॉलेज इस सूचना के आधार पर की गई किसी भी कार्रवाई की वजह से होने वाली किसी भी हानि या क्षति, जो असावधानीवश हुई चूकों, लिपिकीय त्रुटियों या किसी भी अन्य कारणवश हो सकती हैं, के लिए किसी भी व्यक्ति के प्रति किसी भी उत्तरदायित्व का परित्याग करता है।

विद्यार्थी परिषद 2020–21

सांस्कृतिक सचिव
मुस्कान अरोरा

महासचिव
गुंजन मीना

कोषाध्यक्ष
कनिका बत्रा

लोक संपर्क अधिकारी
लक्षणा सुंदा

खेलकूद अध्यक्ष
शिवानी मेहता

खेलकूद कैप्टन (कला)
एकता छोकर

खेलकूद कैप्टन (वाणिज्य)
साक्षी सिंघ

खेलकूद कैप्टन (विज्ञान)
देवांशी शर्मा

प्रोक्टर (कला)
समीक्षा तेवारी

प्रोक्टर (वाणिज्य)
हित्यशी सुनेजा

प्रोक्टर (विज्ञान)
नैना मिग्लानी

आज, जब आप इस संस्थान में प्रवेश के लिए तैयार इसकी दहलीज पर खड़ें होकर अगले कुछ वर्षों में स्नातक पाठ्यक्रम के दौरान रास्ते में आने वाली कठिनाइयों के बारे में सोच रहे होंगे, तब मैं चाहूँगी कि आप यह जान लें कि गार्गी वह जगह है जहाँ आपके जोश में कमी नही आएगी। क्योंकि इसकी लाल चार दीवारों के भीतर बहनों का अपनापन जल्दी ही व्याहारिकतौर पर एक परिवार का रूप ले लेता है। यहाँ, हम हर एक छात्र को इस प्रकार विकसित करने में विश्वास करते हैं कि वे निडर होकर अपने कौशल के दम पर आने वाली दुनिया को नेतृत्व प्रदान कर सकें और मिलजुलकर ऐसे सुरक्षित संसार में कदम रखें जहां हमें खुद से प्यार हो जाए। गार्गी में हम विचार, दृष्टिकोण और मान्यताओं के बहुत बड़े विस्तार को स्वीकार करते हैं। यहां हम पूरी लगन से ऐसी गतिविधियों में जुटे रहते हैं जिनसे शैक्षणिक और सांस्कृतिक संवर्द्धन का सिलसिला खुशनुमा तालमेल के साथ जारी रहे। यहां बीतने वाले हर पल का हम भरपूर आनंद लेते हुए एक–दूसरे का इस तरह ध्यान रखते हैं कि जैसे यह हमारा अपना घर–परिवार हो।

अपने कॉलेज की विश्वविद्यालय और देश के महान संस्थानों के बीच एक गौरवशाली साख है। अपनी विभिन्न सुस्थापित सांस्कृतिक समीतियों के माध्यम से कॉलेज छात्राओं को मेल–जोल बढ़ाने के लिए साझा मंच प्रदान करता है। एनैक्टस, एनएसएस और एनसीसी के माध्यम से छात्राओं को निस्वार्थ और समर्पित सेवा कार्य करने का अवसर मिलता है। कॉलेज की विभिन्न खेल–कूद मंडलियों की भी विजेताओं के रूप में पहचान है। प्रत्येक विभाग की ओर से सक्रिय रूप से विभिन्न समारोह, संगोष्ठी और कार्यशाला आयोजित की जाती है। जिनके माध्यम से छात्रों को विभिन्न विषयों के बारे में जानने और उनके बीच आपसी सम्बंधों को समझने का माहौल मिलता है। कॉलेज प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं के प्रति आत्मजागरुक और संवेदनशील रूप से उन्नत व्यक्तियों के रूप में आकार देते हुए नए विचारों को प्रोत्साहित करता है और विश्व विजेता बनने के लिए तैयार करता है।

छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, कॉलेज द्वारा मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया जाता है। मनोविज्ञान विभाग की एक पहल इज़हार, छात्रों को सशक्त बनाने के लिए काम करती है, जिससे वह कठिन समय का सामना करने में सक्षम हों और साहसिक जांच और बौद्धिक उत्कृष्टता को बढ़ावा दे सकें। कोविड 19 के इस दौर में भी कालेज द्वारा पूरे जोश के साथ माहौल में आशावाद भरने के लिए छात्राओं का मनोबल बढ़ाने वाले वेबिनार करने की कोशिश की जा रही है। इस तरह कॉलेज का माहौल स्वयं में ही अपनेपन के अहसास से भरा है।

मैं पूरे छात्र समुदाय की ओर से आपमें से प्रत्येक को गार्गी परिवार का हिस्सा बनने के लिए बधाई देती हूँ, जहाँ हर कदम पर आपके वजूद की अहमियत है और उसे बढ़ावा दिया जाता है। इस संस्थान में आपका समय अविस्मरणीय हो, यह सुनिश्चित करने को तत्पर।

सुंदरम ठाकुर
अध्यक्ष, छात्र संघ 2019–2020

2020–21 के लिए प्रवेश अनुसूची

सामान्य सूचना

- कॉलेज में प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों को दिल्ली विश्वविद्यालय का ऑनलाइन पंजीकरण फार्म भरना आवश्यक है।
- अभ्यर्थियों का केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली की वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाण–पत्र परीक्षा (कक्षा 12) या दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त कोई समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जहाँ विद्यालय में ग्रेड दिए जाते हैं, ऐसे मामलों में ग्रेड का अंको में अंतरण भारतीय विश्वविद्यालय संघ के मानकों के अनुसार किया जायेगा।
- कॉलेज द्वारा ऑफर किए जाने वाले पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों का दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट न्यूनतम अंक प्राप्त करते हुए पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
- स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु अंतराल वर्ष (गैप ईयर) कोई बाधा नहीं होगा किन्तु अंतराल का कारण प्रस्तुत करना होगा।

गार्गी कॉलेज में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को कॉलेज द्वारा घोषित कट–ऑफ प्रतिशत के अनुसार होना चाहिए। हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए प्रवेश मानदण्डों में कोई पक्षपात नहीं किया जायेगा। गार्गी कॉलेज में राजनीति विज्ञान की विद्या को छोड़ कर सभी पाठ्यक्रमों में शिक्षण का माध्यम अंग्रेजी होगा। कक्षा में अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद विद्यार्थी हिन्दी माध्यम में परीक्षा दे सकते हैं, उन विषयों में, जिनमें विश्वविद्यालय दोनों माध्यमों में प्रश्न–पत्र तैयार करता है।

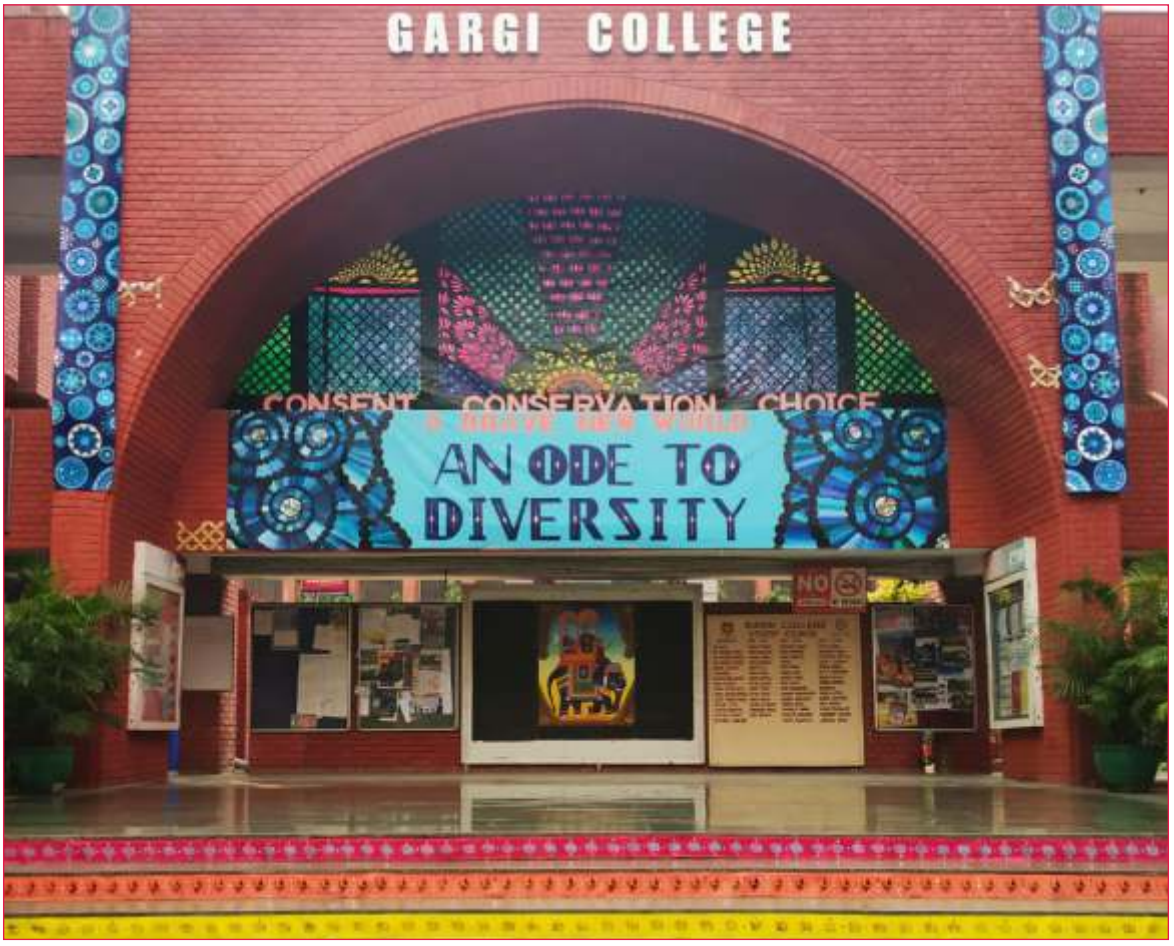

प्रवेश अनुसूची

शैक्षणिक सत्र 2019–20 के लिए स्नातक मेरिट आधारित पाठ्यक्रमों के लिए अनुसूची

प्रक्रिया	तारीख
प्रथम कट–ऑफ के अन्तर्गत प्रवेश	12 अक्टूबर, 2020 (सोम) सुबह 10:00 बजे से 14 अक्टूबर, 2020 (बुध) शाम 5:00 बजे तक
प्रथम कट–ऑफ के अन्तर्गत भुगतान का अंतिम दिन	16 अक्टूबर, 2020 (शुक्र) रात 11:59 बजे तक
द्वितीय कट–ऑफ के अन्तर्गत प्रवेश	19 अक्टूबर, 2020 (सोम) सुबह 10:00 बजे से 21 अक्टूबर, 2020 (बुध) शाम 5:00 बजे तक
द्वितीय कट–ऑफ के अन्तर्गत भुगतान का अंतिम दिन	23 अक्टूबर, 2020 (शुक्र) रात 11:59 बजे तक
तृतीय कट–ऑफ के अन्तर्गत प्रवेश	26 अक्टूबर, 2020 (सोम) सुबह 10:00 बजे से 28 अक्टूबर, 2020 (बुध) शाम 5:00 बजे तक
तृतीय कट–ऑफ के अन्तर्गत भुगतान का अंतिम दिन	30 अक्टूबर, 2020 (शुक्र) रात 11:59 बजे तक
चौथी कट–ऑफ के अन्तर्गत प्रवेश	2 नवंबर, 2020 (सोम) सुबह 10:00 बजे से 4 नवंबर, 2020 (बुध) शाम 5:00 बजे तक
चौथी कट–ऑफ के अन्तर्गत भुगतान का अंतिम दिन	6 नवंबर, 2020 (शुक्र) रात 11:59 बजे तक
पांचवीं कट–ऑफ के अन्तर्गत प्रवेश	9 नवंबर, 2020 (सोम) सुबह 10:00 बजे से 11 नवंबर, 2020 (बुध) शाम 5:00 बजे तक
पांचवीं कट–ऑफ के अन्तर्गत भुगतान का अंतिम दिन	13 नवंबर, 2020 (शुक्र) रात11:59 बजे तक
सत्र शुरू होगा	18 नवंबर, 2020 (बुध)
विशेष कट–ऑफ के अन्तर्गत प्रवेश	18 नवंबर, (सोम) सुबह 10:00 बजे से 20 नवंबर, 2020 (बुध) शाम 5:00 बजे तक
विशेष कट–ऑफ के अन्तर्गत भुगतान का अंतिम दिन	22 नवंबर, 2020 (रवि) रात 11:59 बजे तक

नोट :

1. यदि रिक्त सीटों को छोड़ दिया जाता है, तो रिक्त सीटों को भरने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा और कट–ऑफ की घोषणा की जा सकती है।
2. कॉलेज के प्राचार्य द्वारा प्रवेश की मंजूरी पर, प्रवेश पोर्टल में आवेदक के डैशबोर्ड पर शुल्क भुगतान को सक्रिय किया जाएगा। यह शुल्क केवल पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान किया जा सकता है। आवेदक को सलाह दी जाती है कि वह कॉलेज के प्रिंसिपल द्वारा प्रवेश की मंजूरी के 24 घंटे के भीतर देरी के बिना फीस का भुगतान करें।
3. प्रवेश के समय अपलोड किए गए मूल दस्तावेज का सत्यापन ऑनलाइन किया जाएगा। सरकारी दिशा निर्देशों के अनुसार प्रवेशार्थियों को पहली बार कॉलेज जाने पर मूल दस्तावेज जमा कराने होंगे। दस्तावेजों का सत्यापन न होने पर प्रवेशार्थियों को सूचित किया जाएगा।
4. वर्तमान में चल रही कोविड–19 महामारी के कारण इस वर्ष प्रवेश की संपूर्ण प्रक्रिया बिना किसी व्यक्तिगत संपर्क के ऑनलाइन पूरी की जाएगी। विद्यार्थियों और उनके माता–पिता/अभिभावकों को सलाह दी जाती है कि प्रवेश प्रक्रिया के किसी भी चरण में व्यक्तिगत रूप से कॉलेज न आएं। किसी भी तरह की जानकारी या शंका के समाधान के लिए कृपया दिल्ली विश्वविद्यालय और गार्गी कॉलेज की वेबसाइट पर जाएं।

सीट खाली होने की स्थिति में आगे की कट–ऑफ सूचियों की अनुसूची घोषित की जा सकती है।

बी.बी.ई. और बी.एल.एड. की प्रवेश अनुसूचियाँ जिनमें प्रवेश परीक्षा है, दिल्ली विश्वविद्यालय की अधिसूचना के अनुसार होगी।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/पी डब्लयू डी/कश्मीरी प्रवासी/विदेशी छात्र/सशस्त्र सैन्य बलों के क्रमिकों के बच्चे और विधवाओं का प्रवेश दिल्ली विश्वविद्यालय के मानदण्डों के अनुसार होगा।

प्रवेश प्रक्रिया और पात्रता मापदंड

प्रवेश दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं और पाठ्यक्रम–योग्य योग्यता मानदंडों के आधार पर होगा। विश्वविद्यालय बुलेटिन से सबसे अनुरूप वर्गों का विवरण पुनः प्रस्तुत किया गया है :

सूची A : भाषा विषय

सूची A1					सूची A2
असमिया कोर / असमिया इलेक्टिव	गुजराती कोर / गुजराती इलेक्टिव	मैथिली कोर / मैथिली इलेक्टिव	ओडिया कोर / ओडिया इलेक्टिव	तमिल कोर / तमिल इलेक्टिव	अरबी कोर / अरबी इलेक्टिव
बंगाली कोर / बंगाली इलेक्टिव	हिंदी कोर / हिंदी इलेक्टिव	मलयालम कोर / मलयालम इलेक्टिव	पंजाबी कोर / पंजाबी इलेक्टिव	तेलुगु कोर / तेलुगु इलेक्टिव	फ्रेंच कोर / फ्रेंच इलेक्टिव
बोडो कोर / बोडो इलेक्टिव	कन्नड़ कोर / कन्नड़ इलेक्टिव	मणिपुरी कोर / मणिपुरी इलेक्टिव	संस्कृत कोर / संस्कृत इलेक्टिव	उर्दू कोर / उर्दू इलेक्टिव	जर्मन कोर / जर्मन इलेक्टिव
डोगरी कोर / डोगरी इलेक्टिव	कश्मीरी कोर / कश्मीरी इलेक्टिव	मराठी कोर / मराठी इलेक्टिव	संथाली कोर / संथाली इलेक्टिव		फ़ारसी कोर / फ़ारसी इलेक्टिव
अंग्रेज़ी कोर / अंग्रेज़ी इलेक्टिव	कोंकणी कोर / कोंकणी इलेक्टिव	नेपाली कोर / नेपाली इलेक्टिव	सिंधी कोर / सिंधी इलेक्टिव		स्पेनिश कोर / स्पेनिश इलेक्टिव

सूची B : इलेक्टिव विषय

लेखाशास्त्र	कंप्यूटर विज्ञान / कंप्यूटर अनुप्रयोग / सूचना विज्ञान	गणित
एंथ्रोपोलॉजी	अर्थशास्त्र	दर्शनशास्त्र / तर्क और दर्शनशास्त्र
जीव विज्ञान / जैवरसायन विज्ञान / जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान	भूगोल	भौतिक विज्ञान
व्यावसायिक गणित	भूगर्भ शास्त्र	राजनीति विज्ञान
रसायन विज्ञान	इतिहास	मनोविज्ञान
नागरिक शास्त्र	गृह विज्ञान	नागरिक शास्त्र
वाणिज्य / व्यावसायिक अध्ययन	कानूनी अध्ययन	सांख्यिकी

यूजी प्रवेश 2020–21 के लिए पात्रता मानदंड

निम्नलिखित पात्रता मानदंड 2020–21 के स्नातक प्रवेश के लिए लागू होगा।

कला/सामाजिक विज्ञान में पाठ्यक्रमों के लिए मेरिट–आधारित प्रवेश

कोर्स	न्यूनतम आवश्यक प्रतिशत और विशिष्ट आवश्यकताएँ
मानविकी	
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी	• क्वालीफाइंग परीक्षा में 45% अंकों का कुल योग • आवेदक ने क्वालीफाइंग परीक्षा में अंग्रेज़ी का अध्ययन और उत्तीर्ण किया हो और 'बेस्ट फोर' प्रतिशत की गणना के लिए अंग्रेज़ी को शामिल किया जाना चाहिए। • योग्यता का निर्धारण एक भाषा और सूची ए और सूची बी में दिए गए विषयों में किन्ही तीन सर्वश्रेष्ठ अकादमिक/ऐच्छिक विषयों के आधार पर किया जाएगा। • सर्वश्रेष्ठ तीन के संयोजन में सूची ए और सूची बी के अलावा अन्य किसी भी विषय को शामिल किए जाने पर एग्रीग्रेट बेस्ट फोर प्रतिशत में से प्रतिविषय 2.5% की कटौती होगी। • बेस्ट फोर प्रतिशत में 2% का लाभ उन आवेदकाकें को दिया जाएगा जिन्होंने एक वैकल्पिक विषय के रूप में अंग्रेजी का अध्ययन किया है (सूची ए देखें)
बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी	• क्वालीफाइंग परीक्षा में 45% अंकों का कुल योग • कुल योग में 40% अंक तथा पात्रता परिक्षा में हिंदी में 50% अंक संबंधित विषय में 50% अंक हासिल करने वाले आवेदक भी उचित ऑनर्स कोर्स में प्रवेश के पात्र हैं। • आवेदक जिन्होंने कम से कम 40% अंकों के कुल योग के साथ एक भारतीय विश्वविद्यालय/बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा और "हिंदी में प्रभाकर" परीक्षा उत्तीर्ण की हो, प्रवेश के पात्र होंगे। • आवेदक ने क्वालीफाइंग परीक्षा में हिंदी का अध्ययन और उत्तीर्ण किया हो और 'बेस्टफोर' प्रतिशत की गणना के लिए हिंदी को शामिल किया जाना चाहिए। • योग्यता का निर्धारण एक भाषा और सूची ए और सूची बी में दिए गए विषयों में से किन्ही तीन सर्वश्रेष्ठ अकादमिक/ऐच्छिक विषयों के आधार पर किया जाएगा। • सर्वश्रेष्ठ तीन के संयोजन में सूची ए और सूची बी के अलावा अन्य किसी भी विषय को शामिल किए जाने पर एग्रीगेट बेस्ट फोर प्रतिशत में से प्रति विषय 2.5% की कटौती होगी। • बेस्ट फोर प्रतिशत में 2% का लाभ उन आवेदकों को दिया जाएगा जिन्होंने एक वैकल्पिक विषय के रूप में हिंदी का अध्ययन किया है (सूची ए देखें)
बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत	• क्वालीफाइंग परीक्षा में 45% अंकों का कुल योग • कुल योग में 40% अंक तथा संबंधित विषय में 50% अंक हासिल करने वाले आवेदक भी उचित ऑनर्स कोर्स में प्रवेश के पात्र हैं।

	• आवेदक जिन्होंने कम से कम 40% अंकों के कुल योग के साथ एक भारतीय विश्वविद्यालय/बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा और "संस्कृत में शास्त्री" परीक्षा उत्तीर्ण की हो, प्रवेश के पात्र होंगे। • योग्यता का निर्धारण एक भाषा और सूची ए और सूची बी में दिए गए विषयों में से किन्ही तीन सर्वश्रेष्ठ अकादमिक/ऐच्छिक विषयों के आधार पर किया जाएगा। • सर्वश्रेष्ठ तीन के संयोजन में सूची ए और सूची बी के अलावा अन्य किसी भी विषय को शामिल किए जाने पर एग्रीगेट बेस्ट फोर प्रतिशत में से प्रति विषय 2.5% की कटौती होगी। • किसी भी भाषा पाठ्यक्रम में ऑनर्स में प्रवेश के लिए 2% का लाभ उन आवेदकों के लिए बेस्ट फोर प्रतिशत में दिया जाएगा जिन्होंने उस विशेष वैकल्पिक भाषा का अध्ययन किया है। • यदि आवेदक ने क्वालीफाइंग परीक्षा में किसी भाषा का अध्ययन नहीं किया है और उस भाषा में ऑनर्स में प्रवेश चाहता है, तो 'बेस्ट फोर' प्रतिशत पर 5% की कटौती की जाएगी।
बी. ए. (ऑनर्स) एप्लाइड मनोविज्ञान/इतिहास/ राजनीतिक विज्ञान/ दर्शनशास्त्र	• क्वालीफाइंग परीक्षा में 45% अंकों का कुल योग • योग्यता का निर्धारण एक भाषा और सूची ए और बी में दिए गए विषयों में से किन्हीं तीन सर्वश्रेष्ठ अकादमिक/ऐच्छिक विषयों के आधार पर किया जाएगा। • सर्वश्रेष्ठ तीन के संयोजन में सूची ए और सूची बी के अलावा अन्य किसी भी विषय को शामिल किए जाने पर एग्रीगेट बेस्ट फोर प्रतिशत में से प्रति विषय 2.5% की कटौती होगी। • ऊपर चुने गए तीन अकादमिक वैकल्पिक विषयों में से, एक संबंधित विषय होना चाहिए जिसमें प्रवेश मांगा गया है, जिसमें विफल रहने पर 2.5% की कटौती कुल सर्वश्रेष्ठ चार प्रतिशत पर लागू होगी। कटौती बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र पर लागू नहीं होगी। • बी.ए. (ऑनर्स) एप्लाइड मनोविज्ञान में प्रवेश बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान की तरह 'बेस्ट फोर' प्रतिशत पर आधारित होगा । • बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र में प्रवेश 'बेस्ट फोर' प्रतिशत पर आधारित होगा जिसमें एक भाषा और तीन अकादमिक/ऐच्छिक विषय शामिल हैं।
बी. ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	• क्वालीफाइंग परीक्षा में 45% अंकों का कुल योग • आवेदकों को बी. ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र में प्रवेश के लिए गणित का अध्ययन और क्वालीफाइंग परीक्षा में उत्तीर्ण होना चाहिए। • योग्यता का निर्धारण एक भाषा और सूची ए और सूची बी में दिए गए विषयों में से किन्ही तीन सर्वश्रेष्ठ अकादमिक/ऐच्छिक विषयों के आधार पर किया जाएगा। • ऊपर चुने गए तीन अकादमिक वैकल्पिक विषयों में से, एक संबंधित विषय होना चाहिए जिसमें प्रवेश मांगा गया है, जिसमें विफल रहने पर 2.5% की कटौती कुल सर्वश्रेष्ठ चार प्रतिशत पर लागू होगी।

	• सर्वश्रेष्ठ तीन के संयोजन में सूची ए और सूची बी के अलावा अन्य किसी भी विषय को शामिल किए जाने पर एग्रीगेट बेस्ट फोर प्रतिशत में से प्रति विषय 2.5% की कटौती होगी।
बी. ए. प्रोग्राम (डिसप्लिन विषय–आधारित प्रवेश मानदंड)	• आवेदक कॉलेज द्वारा पेश किए गए संयोजनों में से दो अनुशासन विषयों का संयोजन चुनते हैं। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए मानदंड वांछित संयोजन पर आधारित है। • क्वालीफाइंग परीक्षा में 40% अंकों का कुल योग • योग्यता का निर्धारण एक भाषा और सूची ए और सूची बी में दिए गए विषयों में से किन्ही तीन सर्वश्रेष्ठ अकादमिक/ऐच्छिक/कार्यात्मक विषयों के आधार पर किया जाएगा। • एक गैर–सूचीबद्ध विषय (सूची A और B में ऐच्छिक विषयों के अलावा) बिना किसी कटौती के बेस्ट फोर' की गणना में शामिल किया जा सकता है। • यदि 'बेस्ट फोर' की गणना के लिए एक से अधिक गैर–सूचीबद्ध विषय शामिल किये जाते हैं, तो 'बेस्ट फोर' में प्रति विषय 2.5% की कटौती हो सकती है (धारा के परिवर्तन के कारण होने वाली कटौती के अलावा, यदि हो)।
वाणिज्य	
बी. कॉम. (ऑनर्स)	• क्वालीफाइंग परीक्षा में 45% अंकों का कुल योग • बी. कॉम. (ऑनर्स) में प्रवेश के लिए आवेदक ने क्वालीफाइंग परीक्षा में गणित/व्यावसायिक गणित/समकक्ष विषय (जैसा कि परिशिष्ट VIII में निर्दिष्ट है) का अध्ययन और उत्तीर्ण किया हो। • चयन क्वालीफाइंग परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा, जिसमें एक भाषा और तीन सर्वश्रेष्ठ विषय शामिल होंगे (निम्नलिखित के अनुसार) : • अंग्रेज़ी/हिंदी में 45% या उससे अधिक अंकों का कुल योग और निम्नलिखित विषयों में से 'बेस्ट तीन' का संयोजनः गणित, लेखाशास्त्र, अर्थशास्त्र और व्यावसायिक अध्ययन/वाणिज्य व 'बेस्ट तीन' के संयोजन में उपर्युक्त के अलावा सूची B से किसी भी विषय को शामिल किये जाने पर कुल योग पर प्रति विषय 1% कटौती होगी। • 'बेस्ट तीन' के संयोजन में सूचियों A और B के अलावा किसी भी अन्य विषय को शामिल किये जाने पर 'बेस्ट फोर' के कुल योग पर प्रति विषय 2.5% की कटौती होगी।
बी. कॉम. (प्रोग्राम)	• क्वालीफाइंग परीक्षा में 40% अंकों का कुल योग • चयन क्वालीफाइंग परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा, जिसमें एक भाषा और तीन सर्वश्रेष्ठ विषय शामिल होंगे (निम्नलिखित के अनुसार) :

	• अंग्रेज़ी/हिंदी में 40% या उससे अधिक अंकों का कुल योग और निम्नलिखित विषयों में 'बेस्ट तीन' का संयोजनः गणित, लेखाशास्त्र, अर्थशास्त्र और व्यावसायिक अध्ययन/वाणिज्य। • 'बेस्ट तीन' के संयोजन में उपर्युक्त के अलावा सूची B से किसी भी विषय को शामिल किये जाने पर कुल योग पर प्रति विषय 1% कटौती होगी। • 'बेस्ट तीन' के संयोजन में सूचियों A और B के अलावा किसी भी अन्य विषय को शामिल किये जाने पर 'बेस्ट फोर' के कुल योग पर प्रति विषय 2.5% की कटौती होगी।
विज्ञान	
बी.एस.सी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान/ सूक्ष्मजीव विज्ञान/ प्राणि विज्ञान	• वनस्पति विज्ञान/सूक्ष्मजीव विज्ञान/प्राणि विज्ञान के लिए : भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान में 55% या इससे अधिक अंकों का कुल योग (प्रैक्टिकल और थ्योरी एक साथ) और 50% अंकों के साथ एक अनिवार्य भाषा यानी अंग्रेज़ी में पास होना। • मेरिट की गणना फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी/बायोटेक्नोलॉजी/बायोकैमिस्ट्री में कुल प्रतिशत के आधार पर की जाएगी।
बी.एस.सी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान/ भौतिक विज्ञान	• भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित में कुल प्रतिशत 55% होनी चाहिए और एक अनिवार्य भाषा 50% होनी चाहिए। • मेरिट की गणना भौतिक विज्ञान, रसायन और गणित में कुल प्रतिशत के आधार पर की जाएगी।
बी.एस.सी. (ऑनर्स) गणित	• गणित में 50% अंक और क्वालीफाइंग परीक्षा में 45% अंकों का कुल योग। • मेरिट का निर्धारण एक भाषा, गणित और दो सर्वश्रेष्ठ ऐच्छिक/अकादमिक विषयों के आधार पर किया जाएगा। जैसा कि ऊपर ए और बी सूचियों में निर्दिष्ट है।
बी.एस.सी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान	• भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान/कंप्यूटर विज्ञान, गणित में 45% या अधिक अंकों का कुल योग (प्रैक्टिकल और थ्योरी एक साथ) और एक अनिवार्य भाषा यानी अंग्रेज़ी में पास होना। या • 3 विषयों भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान/कंप्यूटर विज्ञान, गणित (प्रैक्टिकल और थ्योरी एक साथ) में 45% या अधिक अंकों का कुल योग और एक अनिवार्य भाषा में 40% अंक। • चयन भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान/कंप्यूटर विज्ञान, गणित के कुल अंकों के आधार पर किया जाएगा।
बी.एस.सी. (प्रोग्राम) जीवन विज्ञान	• भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान/जैवप्रौद्योगिकी विज्ञान में 45% या अधिक अंकों का कुल योग (प्रैक्टिकल और थ्योरी एक साथ) और एक अनिवार्य भाषा यानी अंग्रेज़ी में पास होना।

	या • 3 विषयों भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान / जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान (प्रैक्टिकल और थ्योरी एक साथ) में 45% या अधिक अंकों का कुल योग और एक अनिवार्य भाषा में 40% अंक। • चयन भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान / जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान के कुल अंकों के आधार पर किया जाएगा।

नोट :

- विश्वविद्यालय किसी भी विशेष पाठ्यक्रम के लिए किसी भी अन्य उचित विषय को अकादमिक / ऐच्छिक के रूप में परिभाषित कर सकता है ।
- यदि आवेदक ने ऐच्छिक और मूल भाषाओं का अध्ययन किया है, मूल / ऐच्छिक भाषा विषय को भाषा के रूप में माना जाएगा, जबकि ऐच्छिक भाषा को अकादमिक / ऐच्छिक विषय माना जा सकता है ।
- कला / मानविकी ऑनर्स पाठ्यक्रमों के लिए बेस्ट फोर विषयों के प्रतिशत की गणना के लिए, यदि आवेदक सूची A और B में दिए गए विषयों के अलावा अन्य विषयों को शामिल करता है, तब 'बेस्ट फोर' की गणना के उद्देश्य से प्रत्येक ऐसे विषय के लिए अधिकतम अंकों से 2.5% की कटौती की जाएगी ।
- उपरोक्त चुने गए तीन अकादमिक / ऐच्छिक विषयों में से, एक संबंधित वह विषय होना चाहिए जिसमें प्रवेश मांगा गया हो, ऐसा न होने पर 'बेस्ट फोर' प्रतिशत पर 2.5% की कटौती की जाएगी।
- ऐसे सभी विषय जिनमे थ्योरी और प्रैक्टिकल घटक शामिल हैं और जो 'बेस्ट चार ' या PCM / PCB / PCMB की गणना में लिए गए हैं, उनमे कम से कम 70% थ्योरी और 30% प्रैक्टिकल घटक होना अनिवार्य है। ऐसे मामले में, जहाँ लिए गए विषयों में 70% थ्योरी और 30% प्रैक्टिकल घटक नहीं हैं, वहाँ थ्योरी और प्रैक्टिकल के अंकों को प्रो. राटा के आधार पर क्रमशः 70% और 30% में बदल दिया जाएगा। फिर इन नए अंकों को 'बेस्ट चार' या PCM / PCB / PCMB की गणना के लिए लिया जाएगा।

प्रो–राटा अंकों की गणना का उदाहरण

यदि किसी आवेदक का स्कोर है: विषय X 90 (थ्योरी 50, प्रैक्टिकल 40; अधिकतम अंक थ्योरी 60, प्रैक्टिकल 40), तथा विषय Y 91 (थ्योरी 52, प्रैक्टिकल 39; अधिकतम अंक थ्योरी 60, प्रैक्टिकल 40) जो 70:30 के अनुपात में नहीं है, तो अंकों को प्रो–राटा के आधार पर इस प्रकार परिवर्तित किया जा सकता है :

विषय X में प्रो–राटा अंक = 88.33; [(50 / 60) x 70 + (40 / 40) x 30] = 58.33 + 30 = 88.33

विषय Y में प्रो–राटा अंक = 89.92; [(52 / 60) x 70 + (39 / 40) x 30] = 60.67 + 29.25 = 89.92

पीसीएम/पीसीबी/सर्वश्रेष्ठ चार की गणना के लिए उदाहरण

उदाहरण 1: थ्योरी अंक 70% से कम और प्रैक्टिकल मार्क्स 30% से अधिक

	थ्योरी		प्रैक्टिकल		कुल		थ्योरी		प्रैक्टिकल		कुल	
	अधिकतम अंक	प्राप्तांक	अधिकतम अंक	प्राप्तांक	अधिकतम अंक	प्राप्तांक	परिवर्तित अधिकतम अंक	परिवर्तित प्राप्तांक	परिवर्तित अधिकतम अंक	परिवर्तित प्राप्तांक	परिवर्तित अधिकतम अंक	परिवर्तित प्राप्तांक
अंग्रेजी	100	90	NA	NA	100	90	100	90	NA	NA	100	90
भौतिक विज्ञान	60	50	40	40	100	90	70	58.33	30	30	100	88.33
रसायन विज्ञान	60	52	40	39	100	91	70	60.67	30	29.25	100	89.92
गणित	100	92	NA	NA	100	92	100	92	NA	NA	100	92
शारीरिक शिक्षा	100	95	NA	NA	100	95	100	95	NA	NA	100	95

a. निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ तीन प्रभावी प्रतिशत है (88.33+89.92+92) / 3=90.08%

- बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान / भौतिक विज्ञान
- बीएससी (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान के साथ रसायन विज्ञान

b. निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ चार प्रभावी प्रतिशत है (90+88.33+89.92+92) / 4 = 90.06%

- बीएससी (ऑनर्स) गणित
- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी

c. **केस I:** (90+88.33+89.92+92) / 4 = 90.06% − 2% = 88.06% (भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान प्रत्येक में से नकारात्मक 1%)

केस II: (90+89.92+92+95) / 4 = 91.73% − 1% − 2.5% = 88.23% (रसायन विज्ञान को शामिल करने के लिए नकारात्मक 1% और गैर–सूची ए / बी विषय को शामिल करने के लिए नकारात्मक 2.5%)

निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ चार प्रभावी प्रतिशत है 88.23%

- बी.कॉम (ऑनर्स) / बी.कॉम प्रोग्राम

d. **केस I:** (90+88.33+89.92+92) / 4 = 90.06% − 2.5% = 87.56% (प्रासंगिक विषय का अध्ययन नहीं करने के लिए नकारात्मक 2.5%)

केस II: (90+89.92+92+95) / 4 = 91.73% − 2.5% − 2.5% = 86.73% (प्रासंगिक विषय का अध्ययन नहीं करने और गैर–सूची ए / बी विषय को शामिल करने के लिए नकारात्मक 2.5%)

निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ चार प्रभावी प्रतिशत है 87.56%

- बी.ए. (ऑनर्स) एप्लाइड मनोविज्ञान / इतिहास / राजनीति विज्ञान / अर्थशास्त्र / दर्शनशास्त्र

e. **केस I :** (90+88.33+89.92+92) / 4 = 90.06% − 5% = 85.06% (प्रासंगिक भाषा का अध्ययन नहीं करने के लिए नकारात्मक 5%)

केस II : (90+89.92+92+95) / 4 = 91.73% − 5% − 2.5% = 84.23% (संबंधित भाषा का अध्ययन न करने के लिए नकारात्मक 5% और गैर–सूची ए / बी विषय को शामिल करने के लिए नकारात्मक 2.5%)

निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ चार प्रभावी प्रतिशत है 85.06%

- बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत

f. **निम्नलिखित में प्रवेश के योग्य नहीं है**

- बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी – बारहवीं कक्षा में हिंदी का अध्ययन नहीं करने के लिए
- बीएससी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान / माइक्रोबायोलॉजी / जूलॉजी / बी.एससी (प्रोग्राम) लाइफ साइंस– बारहवीं कक्षा में जीव विज्ञान / जैव रसायन / जैव प्रौद्योगिकी का अध्ययन नहीं करने के लिए।

उदाहरण 2: थ्योरी अंक में आंतरिक मूल्यांकन घटक होना और थ्योरी का घटक 70% से कम होना

	थ्योरी				प्रैक्टिकल		कुल		थ्योरी		प्रैक्टिकल		कुल	
	IA अधिकतम अंक	IA प्राप्तांक	अधिकतम अंक	प्राप्तांक	अधिकतम अंक	प्राप्तांक	अधिकतम अंक	प्राप्तांक	परिवर्तित अधिकतम अंक	परिवर्तित प्राप्तांक	परिवर्तित अधिकतम अंक	परिवर्तित प्राप्तांक	परिवर्तित अधिकतम अंक	परिवर्तित प्राप्तांक
अंग्रेजी	-	-	100	90	NA	NA	100	90	100	90	NA	NA	100	90
भौतिक विज्ञान	14	14	56	45	30	29	100	88	70	56.25	30	29	100	85.25
रसायन विज्ञान	14	14	56	48	30	30	100	92	70	60	30	30	100	90
गणित	-	-	100	92	NA	NA	100	92	100	92	NA	NA	100	92
जीवविज्ञान	14	14	56	51	30	30	100	95	70	63.75	30	30	100	93.75

a. निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ तीन प्रभावी प्रतिशत है (85.25+90+93.75) / 3 = 89.67%

- बीएससी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान / सूक्ष्म जीव विज्ञान / प्राणि विज्ञान
- बीएससी (प्रोग्राम) जीव विज्ञान

b. निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ तीन प्रभावी प्रतिशत (85.25+90+92) / 3 = 89.08%

- बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान / भौतिक विज्ञान
- बीएससी (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान के साथ रसायन विज्ञान

c. निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ चार प्रभावी प्रतिशत है (90+90+93.75+92) / 4 = 91.44%

- बीएससी (ऑनर्स) गणित
- बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी

d. निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ चार प्रभावी प्रतिशत है (90+90+93.75+92) / 4 = 91.43% – 2% = 89. 44% (जीव विज्ञान और रसायन विज्ञान के लिए नकारात्मक 1%)

- बी.कॉम (ऑनर्स) / बी.कॉम प्रोग्राम

e. निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ चार प्रभावी प्रतिशत है (90+90+93.75+92) / 4 = 91.43% – 2.5% = 88. 93% (प्रासंगिक विषय का अध्ययन नहीं करने के लिए नकारात्मक 2.5%)

- बीए (ऑनर्स) एप्लाइड मनोविज्ञान / इतिहास / राजनीति विज्ञान / अर्थशास्त्र / दर्शनशास्त्र

f. निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ चार प्रभावी प्रतिशत है (90+90+93.75+92) / 4 = 91.43% – 5% = 86. 43% (प्रासंगिक विषय का अध्ययन नहीं करने के लिए नकारात्मक 5%)

- बीए (ऑनर्स) संस्कृत

g. निम्नलिखित में प्रवेश के योग्य नहीं है

- बीए (ऑनर्स) हिंदी– कक्षा 12 वीं में हिंदी का अध्ययन नहीं करने के लिए

उदाहरण 3

	थ्योरी	
	अधिकतम अंक	प्राप्तांक
अंग्रेजी कोर	100	88
अर्थशास्त्र	100	94
एकाउन्टेंसी	100	94
लीगल स्टडीज	100	92
हिंदी ऐच्छिक	100	86

a. निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ चार प्रभावी प्रतिशत है (88+94+94+92) / 4 = 92%

- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी

b. निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ चार प्रभावी प्रतिशत है (86+94+94+92) / 4 = 91.5% + 2% (हिंदी ऐच्छिक का अध्ययन करने के लिए अतिरिक्त 2%)

- बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी

c. निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ चार प्रभावी प्रतिशत है (88+94+94+92)/4 = 92% – 5%= 87% (प्रासंगिक विषय का अध्ययन नहीं करने के लिए नकारात्मक 5%)

- बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत

d. निम्नलिखित में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ चार प्रभावी प्रतिशत है (88+94+94+92)/4 = 92% – 2.5% = 89.5% (प्रासंगिक विषय का अध्ययन नहीं करने के लिए नकारात्मक 2.5%)

- बी.ए. (ऑनर्स) एप्लाइड मनोविज्ञान/इतिहास/राजनीति विज्ञान/मनोविज्ञान/दर्शनशास्त्र

e. निम्नलिखित में प्रवेश के योग्य नहीं है

- बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र/बी.कॉम (ऑनर्स) – बारहवीं कक्षा में गणित का अध्ययन नहीं किया
- बीएससी (ऑनर्स) गणित – बारहवीं कक्षा में गणित का अध्ययन नहीं किया
- बीएससी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान/सूक्ष्म जीव विज्ञान/प्राणि विज्ञान/रसायन विज्ञान/भौतिक विज्ञान – प्रासंगिक विज्ञान विषयों का अध्ययन नहीं किया गया।
- बीएससी (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान के साथ रसायन विज्ञान/जीव विज्ञान – प्रासंगिक विज्ञान विषयों का अध्ययन नहीं किया गया।

प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेजों की सूची

इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते प्रवेश प्रक्रिया व्यक्तिगत संपर्क रहित होगी इसलिए कृपया निम्नलिखित दस्तावेज निर्धारित पोर्टल पर अपलोड करें :

1. दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र (मार्क–शीट या प्रमाणपत्र) जिसमें जन्मतिथि और माता–पिता के नाम वर्णित हो।
2. कक्षा बारहवीं की अंकतालिका।
3. सक्षम अधिकारी द्वारा जारी एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी./ई.डब्ल्यू.एस./सी.डब्ल्यू./के.एम. प्रमाण पत्र (आवेदक के नाम पर)।
4. सक्षम अधिकारी द्वारा जारी ओ.बी.सी. (नॉन–क्रीमी लेयर) प्रमाणपत्र (आवेदक के नाम पर), और जिसमें जाति ओ.बी.सी. केंद्र द्वारा जारी की गई सूची में उपस्थित हो http://ncbc.nic.in।
5. सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित ई.डब्ल्यू.एस. प्रमाणपत्र, यह प्रमाणित करते हुए कि, आवेदक इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकता है।
6. चरित्र प्रमाण पत्र (हाल ही का)।
7. जिन छात्रों ने दिल्ली के बाहर से उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की है उन्हें स्कूल/कॉलेज से स्थानांतरण प्रमाण पत्र और बोर्ड/विश्वविद्यालय से प्रवासन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।
8. कम से कम दो पासपोर्ट आकार की स्व–सत्यापित तस्वीरें।

व्यक्तिगत रूप से पहली बार कॉलेज आने पर विद्यार्थियों द्वारा प्रमाण पत्रों व अन्य दस्तावेजों की स्वतः सत्यापित प्रतिलिपियां जमा कराना महाविद्यालय प्रशासन को स्वीकार्य होगा। यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि किसी असत्य प्रमाण/गलत रिकॉर्ड का पता लगता है, तो छात्र विश्वविद्यालय/या इसके कॉलेजों में किसी भी पाठ्यक्रम में अगले पांच वर्षों के लिए भाग लेने से वंचित कर दिया जाएगा। इसके अलावा, उसके खिलाफ आई.पी.सी. की संबंधित धाराओं (जैसे कि 470, 471, 474 आदि) के तहत आपराधिक मामला भी दर्ज किया जाएगा।

प्रवेश की पुष्टि के लिए शुल्क (फीस) का भुगतान

एक बार महाविद्यालय के प्राचार्य ने उनके प्रवेश को मंजूरी दे दी, तो आवेदक को यू.जी. प्रवेश पोर्टल पर अपने डैशबोर्ड पर एक लिंक प्राप्त होगा, जिसके माध्यम से उन्हें महाविद्यालय/पाठ्यक्रम की फीस जमा करनी होगी। इस शुल्क का केवल पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान किया जा सकता है।

i. आवेदक को सलाह दी जाती है कि वह महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा प्रवेश की मंजूरी के 24 घंटे के भीतर विलंब के बिना शुल्क (फीस) का भुगतान करें और लेनदेन आई.डी, क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/नेटबैंकिंग विवरण तथा लेनदेन तिथि सहित पावती पर्ची को भविष्य के संदर्भ हेतु प्रमाण के रूप में सहेजें। फीस के सफल भुगतान पर आवेदक को उक्त महाविद्यालय में अंतिम (प्रोविजनल) प्रवेश दिया जाता है।

ii. यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि आवेदक आबंटित समय–सीमा के भीतर शुल्क का भुगतान करे, इसमें विफल रहने पर यह निष्कर्ष निकाला जाएगा कि आवेदक को उस महाविद्यालय में पाठ्यक्रम के अध्ययन में कोई दिलचस्पी नहीं है और प्रवेश स्वतः ही निरस्त हो जाएगा।

iii. एक बार जब आवदेक ने प्रवेश प्राप्त कर लिया तो उसे एक ऑनलाइन *''मेरे द्वारा प्रदान की गई सभी जानकारी सही है। यदि मेरे द्वारा प्रदान की गई कोई भी जानकारी गलत पायी जाती है और/अथवा मेरे द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज द्वारा समर्थित नहीं है, तो मैं समझता हूं कि प्रवेश तुरंत निरस्त कर दिया जाएगा और कोई भी शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। मैं विश्वविद्यालय और महाविद्यालय द्वारा निधार्रित सभी नियमों और विनियमों का पालन करूंगा''* की घोषणा करते हुए हस्ताक्षर करना होगा।

मूल दस्तावेजों का प्रत्यक्ष सत्यापन

अपलोड किए गए दस्तावेजों को संबंधित महाविद्यालयों द्वारा निधार्रित समय अवधि के भीतर सत्यापित किया जाएगा। यदि इस स्तर पर यह पाया जाता है कि आवेदक द्वारा दी जानकारी गलत है और/अथवा प्रस्तुत दस्तावेजों द्वारा समर्थित नहीं है, प्रवेश तुरंत निरस्त कर दिया जाएगा। ऐसे मामलों में कोई शुल्क (फीस) वापस नहीं किया जाएगा।

एम.ए./एम.एस.सी. दाखिले

गार्गी कॉलेज एम.ए. (राजनीति विज्ञान), एम.ए. (अंग्रेज़ी) और एम.एस.सी. (रसायन विज्ञान) स्नातकोत्तर स्तर पर प्रदान करता है। हालांकि, प्रवेश दिल्ली विश्वविद्यालय के संबंधित विभागों में केंद्रीकृत है। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंड के बारे में अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय बुलेटिन 2020–21 देखें।

http://www.du.ac.in/du/uploads/COVID-19/pdf/UG%20Bulletin%20Hindi-Corrected%20as%20on%2007.08.2020%20(1).pdf

विश्वविद्यालय के दिशा निर्देश के अनुसार प्रवेश की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए प्रवेशार्थियों को निम्नलिखित को अपलोड करना होगा :

1. डी.यू. के संबंधित विभाग से आवंटन पर्ची।
2. स्नातक की डिग्री उत्तीर्ण करने का अनंतिम प्रमाण पत्र।
3. जाति प्रमाण पत्र, यदि लागू हो।

प्रवेश मानदंड से संबंधित नियम विश्वविद्यालय की अधिसूचना के आधार पर परिवर्तन के अधीन हैं।

पाठ्यक्रमों का विवरणः बीएससी (ऑनर्स), बीए / बी.कॉम (ऑनर्स)

	पाठ्यक्रम	*क्रेडिट	
		थ्योरी + प्रैक्टिकल	थ्योरी + ट्यूटोरियल
I.	**कोर पाठ्यक्रम (6 क्रेडिट)** **(14 विषय)**	14 × 4 = 56	14 × 5 = 70
	कोर पाठ्यक्रम प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल* (14 विषय)	14 × 2 = 28	14 × 1 = 14
II.	**वैकल्पिक पाठ्यक्रम (6 क्रेडिट)** **(8 विषय)**		
	A.1. अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक (4 विषय)	4 × 4 = 16	4 × 5 = 20
	A.2. अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल* (4 विषय)	4 × 2 = 8	4 × 1 = 4
	B.1. जेनेरिक वैकल्पिक / अंतःविषय (4 विषय)	4 × 4 = 16	4 × 5 = 20
	B.2. जेनेरिक वैकल्पिक प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल* (4 विषय)	4 × 2 = 8	4 × 1 = 4
	6 वें सेमेस्टर में, एक अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक पेपर के स्थान पर, वैकल्पिक शोध प्रबंध या परियोजना का काम (6 क्रेडिट)		
III.	**योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम**		
	1. योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (AECC) (4–4 क्रेडिट के 2 विषय) पर्यावरण विज्ञान / अंग्रेजी	2 × 4 = 8	2 × 4 = 8
	2. 2. कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC) (न्यूनतम 2) (4–4 क्रेडिट के 2 विषय)	2 × 4 = 8	2 × 4 = 8
	संपूर्ण क्रेडिट	**148**	**148**

**जहाँ भी प्रैक्टिकल है वहाँ कोई ट्यूटोरियल नहीं होगा और उपाध्यक्ष प्रतिकूल।*

बीएससी (ऑनर्स), बीए / बी.कॉम (ऑनर्स) में चोईस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम की योजना

	मूल पाठ्यक्रम	योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECC)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)	वैकल्पिक: अनुशासन विशिष्ट DSE	वैकल्पिक: जेनेरिक (GE)
	(14)	(2)	(2)	(4)	(4)
I.	C1	अंग्रेजी / पर्यावरण विज्ञान			GE-1
	C2				
II.	C3	अंग्रेजी / पर्यावरण विज्ञान			GE-2
	C4				
III.	C5		SEC -1		GE-3
	C6				
	C7				
IV.	C8		SEC -2		GE-4
	C9				
	C10				
V.	C11			DSE-1	
	C12			DSE-2	
VI.	C13			DSE-3	
	C14			DSE-4	

बीएससी (प्रोग्राम) स्नातक के तहत पाठ्यक्रमों का विवरण

	पाठ्यक्रम	*क्रेडिट	
		थ्योरी + प्रैक्टिकल	थ्योरी + ट्यूटोरियल
I.	**कोर पाठ्यक्रम (6 क्रेडिट)** **(12 विषय)** चॉइस के 03 पाठ्यक्रम में से प्रत्येक से 04 विषय	12× 4 = 48	12 × 5 = 60
	कोर पाठ्यक्रम प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल* **(12 प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल*)** चॉइस के 03 पाठ्यक्रम में से प्रत्येक से 04 विषय	12 × 2 = 24	12 × 1 = 12
II.	**वैकल्पिक पाठ्यक्रम (6 क्रेडिट)** **(6 विषय)** अंतःविषय प्रकृति के विषय सहित, चुने गए प्रत्येक पाठ्यक्रम से दो विषय	6 × 4 = 24	6 × 5 = 30
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल **(6 प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल*)** अंतःविषय प्रकृति के विषय सहित, चुने गए प्रत्येक पाठ्यक्रम से दो विषय वैकल्पिक पाठ्यक्रम	6 × 2 = 12	6 × 1 = 6
**6 वें सेमेस्टर में, एक अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक पेपर के स्थान पर, वैकल्पिक शोध प्रबंध या परियोजना का काम (6 क्रेडिट)*			
III.	**योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम**		
	1. **योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (AECC)** **(4–4 क्रेडिट के 2 विषय)** अंग्रेजी / पर्यावरण विज्ञान	2 × 4 = 8	2 × 4 = 8
	2. **कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)** **(4–4 क्रेडिट के 4 विषय)**	4 × 4 = 16	4 × 4 = 16
	संपूर्ण क्रेडिट	**132**	**132**
**जहाँ भी प्रैक्टिकल है वहाँ कोई ट्यूटोरियल नहीं होगा और उपाध्यक्ष प्रतिकूल*			

बीएससी (प्रोग्राम) में चोईस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम की योजना

	मूल पाठ्यक्रम	योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECC)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)	वैकल्पिकः अनुशासन विशिष्ट DSE
	(12)	(2)	(2)	(6)
I.	DSC-1 A	अंग्रेजी / पर्यावरण विज्ञान		
	DSC-2 A			
	DSC-3 A			
II.	DSC-1 B	अंग्रेजी / पर्यावरण विज्ञान		
	DSC-2 B			
	DSC-3 B			
III.	DSC-1 C		SEC -1	
	DSC-2 C			
	DSC-3 C			
IV.	DSC-1 D		SEC -2	
	DSC-2 D			
	DSC-3 D			
V.			SEC -3	DSE-1 A
				DSE-2 A
				DSE-3 A
VI.			SEC -4	DSE-1 B
				DSE-2 B
				DSE-3 B

बी.ए./बी.कॉम (प्रोग्राम) स्नातक के तहत पाठ्यक्रमों का विवरण

	पाठ्यक्रम	*क्रेडिट	
		थ्योरी + प्रैक्टिकल	थ्योरी + ट्यूटोरियल
I.	**कोर पाठ्यक्रम (6 क्रेडिट)** **(12 विषय)** दो विषय – अंग्रेजी दो विषय – हिंदी / MIL चार विषय – अनुशासन 1 चार विषय – अनुशासन 2	12× 4 = 48	12 × 5 = 60
	कोर पाठ्यक्रम प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल* **(12 प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल*)**	12 × 2 = 24	12 × 1 = 12
II.	**वैकल्पिक पाठ्यक्रम (6 क्रेडिट)** **(6 विषय)** दो विषय – अनुशासन 1 विशिष्ट दो विषय – अनुशासन 2 विशिष्ट दो विषय – अंतःविषय चुने गए प्रत्येक अनुशासन में से दो विषय और अंतःविषय प्रकृति के दो विषय	6 × 4 = 24	6 × 5 = 30
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल **(6 प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल*)** दो विषय – अनुशासन 1 विशिष्ट दो विषय – अनुशासन 2 विशिष्ट दो विषय – जेनरिक (अंतःविषय) चुने गए प्रत्येक अनुशासन में से दो विषय और अंतःविषय प्रकृति के दो विषय	6 × 2 = 12	6 × 1 = 6
*6 वें सेमेस्टर में, एक अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक पेपर के स्थान पर, वैकल्पिक शोध प्रबंध या परियोजना का काम (6 क्रेडिट)			
III.	**योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम**		
	1. योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (AECC) (4–4 क्रेडिट के 2 विषय) पर्यावरण विज्ञान / अंग्रेजी	2 × 4 = 8	2 × 4 = 8
	2. कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC) (4–4 क्रेडिट के 4 विषय)	4 × 4 = 16	4 × 4 = 16
	संपूर्ण क्रेडिट	**132**	**132**
*जहाँ भी प्रैक्टिकल है वहाँ कोई ट्यूटोरियल नहीं होगा।			

बी.ए./बी.कॉम (प्रोग्राम) में चोईस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम की योजना

	मूल पाठ्यक्रम	योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECC)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)	वैकल्पिकः अनुशासन विशिष्ट DSE	जेनेरिक वैकल्पिक (GE)
	(12)	(2)	(2)	(6)	(2)
I.	अंग्रेजी / हिंदी	अंग्रेजी / हिंदी			
	DSC-1 A	पर्यावरण विज्ञान			
	DSC-2 A				
II.	हिंदी / अंग्रेजी–1	पर्यावरण विज्ञान			
	DSC-1 B	(अंग्रेजी / हिंदी)			
	DSC-B B				
III.	अंग्रेजी / हिंदी		SEC -1		
	DSC-1 C				
	DSC-2 C				
IV.	हिंदी / अंग्रेजी–2		SEC -1		
	DSC-1 D				
	DSC-2 D				
V.			SEC - 2	DSE-1 A	GE 1
				DSE-2 A	
VI.			SEC - 2	DSE-1 B	GE 2
				DSE-2 B	

प्रस्तावित पाठ्यक्रम और प्रत्येक पाठ्यक्रम में स्वीकृत सीटों की संख्या 2020–21

पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या	सामान्य	एस.सी. 15%	एस.टी. 7.5%	ओ.बी.सी. 27%	ई.डब्ल्यू.
मानविकी						
बी.ए. (प्रोग्राम)	230	93	35	17	62	23
बी.ए. (ऑनर्स) व्यावहारिक मनोविज्ञान	47	19	7	3	13	5
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	59	24	9	4	16	6
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी	59	24	9	4	16	6
बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी	59	24	9	4	16	6
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	59	24	9	4	16	6
बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र	40	16	6	3	11	4
बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	114	46	17	9	31	11
बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत	47	19	7	3	13	5
वाणिज्य						
बी.कॉम. (प्रोग्राम)	230	93	35	17	62	23
बी.कॉम. (ऑनर्स)	156	63	23	12	42	16
विज्ञान						
बी.एससी. (प्रोग्राम) जीवन विज्ञान	114	46	17	9	31	11
बी.एससी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान	77	31	11	6	21	8
बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान	77	31	11	6	21	8
बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	40	16	6	3	11	4
बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्मजीव विज्ञान	40	16	6	3	11	4
बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान	40	16	6	3	11	4
बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान	77	31	11	6	21	8
गणित विज्ञान						
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	59	24	9	4	16	6
व्यावसायिक विषय						
बी.एल.एड.	63	25	9	5	17	7
बी.ए. (ऑनर्स) व्यापार अर्थशास्त्र	59	24	9	4	16	6
कुल योग	1746	705	261	129	474	177
एम.ए. अंग्रेज़ी	30	12	4	3	8	3
एम.ए. राजनीति विज्ञान	30	12	4	3	8	3
एम.एससी. रसायन विज्ञान	30	12	4	3	8	3
	1836	741	273	138	498	186

**उपरोक्त तालिका में दिया गया सीट आवंटन विश्वविद्यालय से अनुमोदन के अधीन है।*

खेलकूद और पाठ्येतर गतिविधियों के आधार पर प्रवेश

खेलकूद और ई.सी.ए. के आधार पर प्रवेश के लिए, पृथक तौर पर और पाठ्यक्रम–अनुसार अधिकतम 5% सीटें।

नीचे दी गई तालिका विभिन्न पाठ्यक्रमों में खेल/ई.सी.ए. के लिए आवंटित सीटों की संख्या का प्रदर्शन करती हैं।

विषय	कुल सीटें	कुल का 5%	खेल	ई.सी.ए.
बी.कॉम. (ऑनर्स)	156	8	4	4
बी.कॉम. (प्रोग्राम)	230	11	6	5
बी.ए. (प्रोग्राम)	230	11	6	5
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी	59	3	2	1
बी.ए. (ऑनर्स) एप्लाइड मनोविज्ञान	47	2	1	1
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	59	3	2	1
बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	114	6	3	3
बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी	59	3	1	2
बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र	40	2	1	1
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	59	3	1	2
बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत	47	2	1	1
बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान	40	2	1	1
बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	40	2	1	1
बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान	77	4	2	2
बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान	77	4	2	2
बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्मजीव विज्ञान	40	2	1	1
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	59	3	1	2
बी.एससी. (प्रोग्राम) जीवन विज्ञान	114	6	3	3
बी.एससी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान	77	4	2	2

** सीटें खाली होने पर विनिमेय हो जाती हैं।*

गार्गी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशा निर्देशों के अनुसार नीचे सूचीबद्ध खेलों में उम्मीदवारों को स्वीकार करता है

अनुक्रमांक	खेल	पद / वजन श्रेणी	सीटें
1.	व्यायाम	100 मीटर	1
		400 मीटर	1
		1500 मीटर	1
		100 मीटर बाधा	1
		400 मीटर बाधा	1
		लम्बी कूद	1
		ऊंची कूद	1
		डिस्कस फेंक	1
		भाला फेंक	1
2.	बास्केटबॉल	गार्ड	1
		केंद्र	1
		फॉरवर्ड	2
3.	शतरंज	अच्छा शतरंज खिलाड़ी	2
4.	क्रिकेट	मध्यम तेज	2
		स्पिनर	2
		बैट्स वूमन	3
		विकेट कीपर	1
		ऑल राउंडर	2
5.	जूडो	48 किलोग्राम	1
		52 किलोग्राम	1
		57 किलोग्राम	2
		63 किलोग्राम	1
		70 किलोग्राम	2
		78 किलोग्राम	1
6.	टेनिस	अच्छा टेनिस खिलाड़ी	2
7.	वालीबॉल	स्पाइकर	3
		सेंटर अवरोधक	1
		सेट्टेर	2
कुल सीटें			41

**सीटें खाली होने पर विनिमेय हो जाती हैं।*

विशेष पाठ्यक्रमों और सीटों का आवंटन निम्नलिखित मानदंडों पर निर्भर होगा :

- प्रति खेल चुने जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या उम्मीदवार के कौशल और योग्यता पर निर्भर करेगी।
- टीम की पद संबंधी आवश्यकता।
- उम्मीदवार की आवश्यकता के अनुसार कॉलेज में अकादमिक पाठ्यक्रम की उपलब्धता।
- पहली काउंसलिंग के बाद, यदि किसी भी विशेष खेल में या विशेष पद पर (मंजूरी विश्वविद्यालय से प्रतीक्षित), काउंसलिंग के लिए पर्याप्त संख्या में छात्रों ने रिपोर्ट नहीं किया है तो उस स्थिति में, किसी विशेष खेल से सीटों की संख्या किसी अन्य खेल में हस्तांतरित हो सकती है तथा किसी विशेष खेल में कोई विशेष पद उस ही खेल में अन्य पदों पर हस्तांतरित हो सकता है।
- चुने जाने पर, कॉलेज में मेडिकल चेक–अप के अलावा एक प्रतिष्ठित अस्पताल से मेडिकल सर्टिफिकेट अनिवार्य होगा। मेडिकल चेक–अप में विफल होने वाले किसी उम्मीदवार को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- चयनित खेलों द्वारा प्रवेश के समय व्यक्ति को 100 रूपये के एक न्यायिक स्टाम्प पेपर पर एक उपक्रम जमा करना अनिवार्य है, यह कहते हुए कि वे स्नातक पाठ्यक्रम के अध्ययन के दौरान, कॉलेज और विश्वविद्यालय के लिए खेलेंगे।
- उपस्थिति में अनियमितता, डिफ़ॉल्ट के परिमाण के अधीन, प्रवेश रद्द करने से या विश्वविद्यालय परीक्षा देने से निरोध के द्वारा, दंडित की जाएगी।

डीयू सूचना बुलेटिन 2020–21 के अनुसार प्रवेश किया जाएगा।

वर्ष 2020–21 के लिए शुल्क

निम्नलिखित संबंधित पाठ्यक्रमों के लिए कुल फीस का प्रवेश के समय पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। जब तक फीस का भुगतान नहीं किया जाएगा तब तक प्रवेश पूर्ण नहीं समझा जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा संशोधन की दशा में फीस परिवर्तन के अधीन हैं।

*आवेदक को सलाह दी जाती है कि वह प्रवेश की स्वीकृति के 24 घंटे के भीतर देरी के बिना फीस का भुगतान करें :

विषय	शुल्क (रु.)
बी.कॉम. (ऑनर्स)	12495/-
बी.कॉम. (प्रोग्राम)	12495/-
बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत / दर्शनशास्त्र / इतिहास / राजनीति विज्ञान / हिंदी / अंग्रेज़ी	12295/-
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	13095/-
बी.ए. (प्रोग्राम)	12295/-
बी.ए. (प्रोग्राम) जर्मन	12695/-
बी.ए. (प्रोग्राम) कंप्यूटर	12695/-
बी.ए. (प्रोग्राम) मनोविज्ञान	13195/-
बी.ए. (ऑनर्स) एप्लाइड मनोविज्ञान	13795/-
बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान / प्राणी विज्ञान	14045/-
बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्मजीव विज्ञान	15045/-
बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान	13645/-
बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	14145/-
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	13095/-
बी.एससी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान	13645/-
बी.एस.सी. (प्रोग्राम) जीवन विज्ञान	14045/-
बी.एल.एड.	16485/-
बी.बी.ई.	41220/-
एम.ए. अंग्रेज़ी	12081/-
एम.ए. राजनीति शास्त्र	12681/-
एम.एससी. रसायन विज्ञान	13331/-

नोट : राजनीति शास्त्र / अंग्रेज़ी / रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर के कोर्सों के लिए पुस्तकालय विकास एवं सुरक्षा शुल्क हेतु 1200 / – रुपये अलग से लिए जाएंगे।

महत्वपूर्ण

पीडब्ल्यूडी श्रेणी से 20 / – रुपये शुल्क लिया जाएगा।

ध्यान दें

- सभी विदेशी छात्रों के ऊपर निर्धारित की गई फीस के अलावा सभी विदेशी छात्रों से 100 डॉलर के बराबर रूपये शुल्क लिया जाएगा।
- प्रवेश के लिए सभी छात्रों को पूरी फीस देनी होगी। जरूरतमंद छात्र विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार वित्तीय सहायता के लिए आवेदन कर सकते हैं।

उपस्थिति और आंतरिक मूल्यांकन

उपस्थिति संबंधी अपेक्षाएं

गार्गी कॉलेज सेमेस्टर/वार्षिक परीक्षा के लिए पूर्वापेक्षा के रूप में उपस्थिति संबंधी अपेक्षा पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अध्यादेश का कठोरतापूर्वक अनुपालन करता है। इसलिए प्रवेश की इच्छुक विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से आग्रह है कि इसे नोट करें। कृपया निम्नलिखित का ध्यान रखें :

- उपस्थिति कॉलेज के उद्घाटन से चिह्नित की जाएगी।
- आपको कॉलेज समय के दौरान किसी भी अतिरिक्त पाठ्यक्रम/नौकरी में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है।
- दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार सभी पाठ्यक्रम के कुल सिद्धांत/प्रायोगिक/ट्यूटोरियल कक्षाओं में कुल 66.6% अनिवार्य उपस्थिति अपेक्षित है। जो छात्राएँ अनिवार्य उपस्थिति अर्जित करने में विफल रहेंगी उन्हें सेमेस्टर/अंतिम परीक्षा में बैठने से रोक दिया जाएगा। उपस्थिति में कमी से संबंधित समस्त ब्यौरा पाठ्यक्रम/विभाग के साथ–साथ कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। व्यक्तिगत पत्र नहीं भेजे जाएंगे। अंक उन विद्यार्थियों को दिए जाएंगे जिनकी उपस्थिति 66.6% से अधिक होगी।
- अस्वस्थता के बाद कॉलेज में दोबारा उपस्थित होने के एक सप्ताह के भीतर, विषय के अध्यापक द्वारा विधिवत रूप से हस्ताक्षरित, निर्धारित चिकित्सा अवकाश आवेदन प्रपत्र (कॉलेज के कार्यालय में उपलब्ध) सहित चिकित्सक प्रमाण–पत्र/रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए। देरी से प्रस्तुत प्रमाण–पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
- प्रवेश की इच्छुक जिन अभ्यर्थियों को ऐसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं, जिनके लिए समय रहते चिकित्सकीय उपचार अपेक्षित हो सकता है, उनसे आग्रह है कि वे किसी आपात स्थिति में की जाने वाली कार्रवाई के बारे में कॉलेज को अग्रिम रूप से अवगत कराएं।

कॉलेज के दरम्यान शुल्क, उपस्थिति और परीक्षा से संबंधित पूछताछ के लिए

आप कार्यालय के इन व्यक्तियों से संपर्क कर सकते हैं:

- श्री खान वी.एस., (प्रशासनिक अधिकारी)
- श्री दीपक चंद्रा, (प्रशासनिक अधिकारी)
- श्री मनोज कुमार, सहायक (एकाउंट्स)
- श्री शैलेंद्र सिंह रावत और श्री फ्रांसिस जॉन (प्रशासन)

महत्त्वपूर्ण समितियाँ

दाखिला ग्रीवन्स समिति

डॉ. रेखा गुप्ता	9899183220
डॉ. रीता भटला	9818462897
डॉ. स्वाति श्वेता	9818434369

एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी श्रेणी के लिए नामांकन ग्रीवन्स समिति

श्री देवराज सिंह	9958988626
डॉ. श्रीनिवास त्यागी	8527978508

दाखिला समिति कन्वीनर

डॉ. अलका गर्ग (विज्ञान)	9811481110
डॉ. अंजनी आनंद (कॉमर्स)	9167700877
डॉ. शतरूपा सिन्हा (मानविकी)	9868870417

आंतरिक दाखिला समिति

डॉ. भावना कपूर	9810569659
सुश्री चित्रा राजोरा	9817155455
डॉ. गीता सैनी	9891350220
डॉ. जोया भट्टाचार्य	9136156711
डॉ. नीना कुमार	8826226460
डॉ. पार्वती शर्मा चाँदला	9810989603
डॉ. रेनू अग्रवाल	9811591110

संकाय प्रोक्टर्स

डॉ. जोया भट्टाचार्य	9136156711
डॉ. रीटा भाटला	9818462897

संयोजक सलाहकार

डॉ. नियति सिंह	9717505256
डॉ. सीमा शर्मा	7838123849
डॉ. शीला दुबे	9810505167

नोट : सभी नाम वर्ण क्रमानुसार हैं।

कॉलेज संकाय

डॉ. प्रोमिला कुमार, प्राचार्या (कार्यकारी), पीएच.डी (डीयू)

वनस्पति शास्त्र

डॉ. गीता मेहता, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. अपराजिता मोहंती, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. प्रियंका पाण्डेय, पीएच.डी. (डीयू)

डॉ. लिसन जूडिथ, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. जसमीत कौर अबत, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. रेनू मून्धरा, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. रीमा खुराना, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. अंजना रस्तोगी, पीएच.डी (जे.एन.यू.)

डॉ. वेरा युन्गामला कापी, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. गीता प्रकाश, पीएच.डी (डीयू), (शिक्षक प्रभारी)

श्रीमती रुचित्रा गुप्ता, एम.एससी (डीयू)

डॉ. गर्विता सिंह, पीएच.डी. (बी.एच.यू)

रसायन शास्त्र

डॉ. सुष्मिता चौधरी, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. अनिता चुग, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. केया बनर्जी, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. उत्तरा दत्ता, पीएच.डी (डीयू), (शिक्षक प्रभारी)

डॉ. सुषमा भान, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. चान्दना मुखर्जी, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. बी वैजयान्थी, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. रीटा भाटला, पीएच.डी (पंजाब यूनिवर्सिटी)

डॉ. रेनू अग्रवाल, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. बीना नेगी, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. तृप्ति कुमारी, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. नेहा शर्मा, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. गीता सैनी, पीएच.डी (डीयू)

सुश्री सलमा खान, एम.एससी (डीयू)

डॉ. मंजू कुमारी सरोज, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. सरथ बाबू, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. निशा सैनी, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. नियति सिंह, पीएच.डी (सागर यूनिवर्सिटी, एम.पी.)

डॉ. चिंगरीशॉन कैथिंग, एम.एससी (शिलॉग यूनिवर्सिटी)

वाणिज्य

डॉ. गीता किचलू, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. मंजू सहाय, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. संगीता जेरथ, पीएच.डी (डीयू)

श्रीमती रमणबीर बिंद्रा, एम.फिल. (डीयू)

डॉ. मंदाकनी दास, एम.फिल., पीएच.डी (डीयू)

डॉ. गीता सिद्धार्थ, पीएच.डी (डीयू)

श्रीमती अलका गुप्ता, एम.फिल. (डीयू)

डॉ. निधि गुप्ता, पीएच.डी (बरेली) (शिक्षक प्रभारी)

श्रीमती उषा वैश, एम.फिल. (डीयू)

डॉ. शीला दुबे, पीएच.डी (मगध विश्वविद्यालय)

डॉ. सोनाली आहूजा दुआ, पीएच.डी (डीयू)

श्रीमती अंजनी आनंद, एम.फिल (नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, मुंबई)

डॉ. रोमिता पोपली, पीएच.डी. (डीयू)

श्रीमती चित्रा राजोरा, एम.कॉम. (डीयू)

श्रीमती सुमंत मीणा, एमबीए, एम.कॉम (डीयू)

श्री अमित रोहिला, एमबीए, एम.फिल. (कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी)

डॉ. मंजू खोसला, पीएच.डी (वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी, जौनपुर)

प्रारंभिक शिक्षा (बी.एल.एड.)

डॉ. छाया साहनी, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. मोनिका गुप्ता, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. ज्योति रैना आनंद, पीएच.डी (डीयू)

सुश्री प्राची कालरा, एम.फिल. (डीयू), (शिक्षक प्रभारी)

सुश्री सैलजा मोदुगु, एम.ए. (हैदराबाद यूनिवर्सिटी)

सुश्री सुमन लता, एम.फिल. (पंजाब यूनिवर्सिटी)

सुश्री अपर्णा जोशी, एम.फिल. (डीयू)

अंग्रेज़ी

डॉ. अंजना नीरा देव, पीएच.डी. (आई.ई.टी. दिल्ली)

सुश्री मुदिता मोहिले, एम.फिल. (डीयू), (शिक्षक प्रभारी)

डॉ. शतरूपा सिन्हा, पीएच.डी (जेएमआई)

श्रीमती प्रज्ञा गुप्ता, एम.फिल. (डीयू)

डॉ. सूतपा दत्ता, पीएच.डी (जेएनयू)

श्रीमती जांगमोंगी पट्टन, एम.फिल. (डीयू)

श्रीमती राजकुमारी समेजिता देवी, एम.फिल. (डीयू)

डॉ. अनीता राजेंद्रन, पीएच.डी (जेएनयू)

श्रीमती अरुणिमा दास, एम.फिल. (गुवाहाटी)

जर्मन

श्रीमती रीमा चौहान, एम.फिल. (डीयू), (शिक्षक प्रभारी)

हिन्दी

डॉ. मीना, एम.फिल.,पीएच.डी (डीयू) (शिक्षक प्रभारी)

डॉ. श्रीनिवास त्यागी, पीएच.डी (जेएनयू)

डॉ. वीणा शर्मा, पीएच.डी (जीएनडीयू, अमृतसर)

डॉ. अनीता यादव, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. स्वाति श्वेता, पीएच.डी (जीएनडीयू, अमृतसर)

डॉ. पार्वती शर्मा चाँदला, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. कृष्णा मीणा, पीएच.डी (डीयू)

इतिहास

सुश्री दीक्षा भारद्वाज, एम.फिल. (डीयू), (शिक्षक प्रभारी)

डॉ. अलका सैकिया, पीएच.डी (जेएनयू)

गणित

डॉ. प्रोमिला कुमार, प्राचार्या (कार्यकारी), पीएच.डी (डीयू)

श्रीमती अर्शमीत कौर, एम.फिल. (डीयू)

श्रीमती भावना कपूर, एम.फिल. (डीयू)

श्रीमती भारती र. तलवार, एम.फिल. (डीयू)

श्रीमती पूजा गुप्ता, एम.फिल. (डीयू)

श्री रमाकांत प्रसाद, एम.एससी., एम.टेक (आई.आई.टी., खड़गपुर)

श्रीमती सपना मल्होत्रा, एम.फिल. (डीयू)

श्री नरेंदर कुमार, एम.एससी. (आई.आई.टी., दिल्ली), (शिक्षक प्रभारी)

सूक्ष्मजीव विज्ञान

डॉ. सुरभि श्रीवास्तव, पीएच.डी (आर.डी. यूनिवर्सिटी)

डॉ. अनिता कपिला, पीएच.डी (बी.एच.यू)

डॉ. रेखा गुप्ता, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. कविता वासुदेव, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. शशि चावला, पीएच.डी (डीयू), (शिक्षक प्रभारी)

दर्शनशास्त्र

डॉ. रेखा नवनीत, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. दीपिका चटर्जी, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. पल्लवी वैद, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. रश्मि भारद्वाज, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. पूर्णिमा अग्रवाल, एम.फिल., पीएच.डी (डीयू), (शिक्षक प्रभारी)

शारीरिक शिक्षा

डॉ. शीला के.एस., पीएच.डी (जिवाज़ी यूनिवर्सिटी), (शिक्षक प्रभारी)

भौतिक विज्ञान

डॉ. इंदु दत्त, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. दीप्ति लहरी, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. अलका गर्ग, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. वंदना लूथरा, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. सुप्रीति दास, पीएच.डी (आई.आई.टी., कानपुर)

डॉ. एन. चन्द्रिका देवी, पीएच.डी (डीयू), (शिक्षक प्रभारी)

श्रीमती अनिता, एम.एससी. (डीयू)

डॉ. हीरा जोशी, पीएच.डी (डीयू)

श्री मुनीश, एम.एससी. (आई.आई.टी., खड़गपुर)

राजनीति विज्ञान

डॉ. जोया भट्टाचार्य, पीएच.डी (एचयू)

डॉ. पूजा रानी, पीएच.डी (जे.एन.यू.)

डॉ. स्वेता मिश्रा, पीएच.डी (डीयू)

श्री मुकेश गौतम, एम.ए. (डीयू)

श्रीमती पेमेला भूटिया, एम.ए. (नार्थ बंगाल यूनिवर्सिटी)

डॉ. मनीषा रॉय, पीएच.डी (डीयू), (शिक्षक प्रभारी)

डॉ. अनिता भट्ट, पीएच.डी (जे.एन.यू)

डॉ. सीमा शर्मा, पीएच.डी (बिहार यूनिवर्सिटी)

डॉ. रागिनी सिंह, पीएच.डी (बी.एच.यू)

श्री देवराज सिंह, एम.फिल. (जे.एन.यू)

डॉ. नितीश कुमार, पीएच.डी (जे.एन.यू)

मनोविज्ञान

डॉ. संगीता भाटिया, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. नीरा पन्त, पीएच.डी (डीयू), (शिक्षक प्रभारी)

डॉ. प्रीति पन्त, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. पूनम फोगत, पीएच.डी (डीयू)

श्रीमती संगीता आर्या तंवर, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. सबीन एच. रिजवी, पीएच.डी (लखनऊ)

संस्कृत

डॉ. अनामिका, पीएच.डी (बिहार यूनिवर्सिटी)

डॉ. ममता त्रिपाठी, पीएच.डी (जे.एन.यू)

डॉ. सुचित्रा भारती, पीएच.डी (डीयू), (शिक्षक प्रभारी)

प्राणी विज्ञान

श्रीमती स्मिता चौधरी (रे) एम.एससी. (डीयू)

डॉ. पूनम शर्मा, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. स्मृति शर्मा, पीएच.डी (डीयू), (शिक्षक प्रभारी)

डॉ. शिवानी त्यागी, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. जसविंदर कौर, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. चैताली घोष, पीएच.डी (जे.एन.यू.)

डॉ. मधु यशपाल, पीएच.डी (बी.एच.यू.)

डॉ. एम. दिव्या ग्नानेश्वरी, पीएच.डी (मदुरई कामराज यूनिवर्सिटी)

डॉ. नीना कुमार, पीएच.डी (पंजाब यूनिवर्सिटी)

डॉ. ममतेश सिंह, पीएच.डी (सी.एस.आई.आर. – आई.जी. आई.बी., दिल्ली)

डॉ. सुप्रिया सिंह, पीएच.डी (एन.सी.डी.सी., दिल्ली)

डॉ. तेनजिन न्यीबुम भूटिया, पीएच.डी (डीयू)

डॉ. कुन्तल, पीएच.डी (बी.आर. अंबेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा)

डॉ. थोदम रेजिना देवी, पीएच.डी (बी.आई.टी.एस. पिलानी)

डॉ. रश्मि सैनी, पीएच.डी (सी.डी.आर.आई., लखनऊ)

पाठ्यक्रम संयोजक

व्यापार अर्थशास्त्र

- डॉ. मंजू खोसला

अर्थशास्त्र

- डॉ. श्वेता मिश्रा

बी.ए. (प्रोग्राम)

- श्रीमती रीमा चौहान

बी.एससी. (प्रोग्राम) जीवन विज्ञान

- डॉ. शिवानी त्यागी

बी.एससी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान

- डॉ. मंजू कुमारी सरो

बर्सर	:	डॉ. रेनू अग्रवाल

*विभागों के सदस्यों के नाम कार्यालय द्वारा प्रदान किए गए हैं।

वनस्पति विज्ञान

गार्गी कॉलेज में वनस्पति विज्ञान विभाग 1967 में स्थापित किया गया था, जो वनस्पति जीवविज्ञान के सभी क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है। इस पाठ्यक्रम में पौधे की विविधता और पारिस्थिति की, कायिकी विज्ञान, आर्थिक महत्व तथा कोशिका और आणविक जीवविज्ञान, आनुवंशिकी, जैवरसायन, जैवप्रौद्योगिकी, औषधीय वनस्पति विज्ञान और जैवसूचना विज्ञान शामिल हैं। गार्गी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग में सुविज्ञ संकाय सदस्य/प्राध्यापक, प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारी और ज्ञान पिपासु छात्र गण शामिल हैं। विभाग व्यावहारिक कक्षाओं और अनुसंधान कार्यों को सम्पन्न करने के लिए आणविक जीवविज्ञान, जैव सूचनाविज्ञान और ऊतक संवर्धन आधारित प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है। विभाग में एक सुसंपन्न वानस्पतिक उद्यान तथा एक संग्रहालय है, जो पौधे के नमूनों को समुचित रूप से प्रदर्शित करता है।

छात्रों को पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी, जैव उर्वरक, बौद्धिक संपदा अधिकार, जैवसांख्यिकी, औद्योगिक सूक्ष्म जीवविज्ञान, औषधीय वनस्पति विज्ञान आदि जैसे विशेष क्षेत्रों की एक विस्तृत सरणी से अध्ययन पाठ्यचर्या चुनने का विकल्प देता है। विभाग स्नातकोत्तर अध्ययन हेतु छात्रों को वनस्पति विज्ञान में बायोसाइंसेज, बायोमेडिकल साइंसेज, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, जेनेटिक्स, बायोटेक्नोलॉजी, पर्यावरण विज्ञान, बायो इनफॉरमैटिक्स आदि विषयों में अधिगम केंद्रित पाठ्यक्रम की सुविधा प्रदान करता है।

छात्रों को वनस्पति जगत से प्रत्यक्ष परिचय कराने तथा प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित करने के लिए अध्ययन यात्रा व अभियान आयोजित किए जाते हैं। छात्रों के लिए उनकी पाठ्यक्रम गतिविधियों के एक भाग के रूप में औद्योगिक यात्रा भी आयोजित की जाती है। विगत वर्षों में, विभाग ने उच्च शैक्षणिक मानक हासिल किया है और कई ज्ञान पिपासु शिक्षकों, वैज्ञानिकों और अन्य विभूतियों को देश को दिया है, जो विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय से स्टार कॉलेज योजना और बायो इनफॉरमैटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधा (बीआईएफ) के तहत यह विभाग धन प्राप्त कर रहा है तथा छात्रों को उनके स्नातक पाठ्यक्रम के साथ–साथ लघुशोध परियोजनाओं पर काम करने की सुविधा भी प्रदान करता है। विभाग में "तरु/TARU" नामक एक सक्रिय वानस्पतिक सोसायटी है, जो कई सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करती है। सोसायटी एक ई–पत्रिका "एंथेसिस" भी प्रकाशित करती है, जिसमें छात्र अपने वैज्ञानिक लेखन कौशल का प्रदर्शन कर सकते हैं।

व्यावसायिक अर्थशास्त्र

बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स कोर्स एक अंतर–अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम है, जिसमें छात्रों को अर्थशास्त्र, वाणिज्य, गणित और शोध सहित विभिन्न क्षेत्रों के ज्ञान से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया पाठ्यक्रम है। पाठ्यक्रम की संरचना का उद्देश्य छात्रों में विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करना है जो उन्हें व्यावसायिक दुनिया और अर्थशास्त्र के परिदृश्य को समझने में सक्षम बनाता है। तीन साल का कार्यक्रम छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्नशिप करके व्यावहारिक प्रदर्शन हासिल करने के लिए अनिवार्य बनाता है। हमारे बहुत से पूर्व छात्र विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों जैसे PWC, KPMG, Deloitte, EY, Dell, NITI Aayog, NDTV, OLX, NTPC में कार्य कर रहे हैं। बिजनेस इकोनॉमिक्स के छात्र कॉमर्स, इकोनॉमिक्स, बिजनेस इकोनॉमिक्स, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, फाइनेंस, इंटरनेशनल बिजनेस आदि में मास्टर्स कर सकते हैं। वे सीए, सीएफए, सीएस, सीएमए, एफआरएम, एक्चुरियल साइंस आदि जैसे प्रोफेशनल कोर्स भी कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम में प्रवेश तीन पाठ्यक्रमों बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स, बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज और बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (वित्त और निवेश विश्लेषण) के लिए एक संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JET) के माध्यम से किया जाता है। तथा यह दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया जाता है। पाठ्यक्रम में अंतिम प्रवेश समय–समय पर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पात्रता शर्तों के अधीन है।

नए शैक्षिक सत्र का प्रारंभ छात्राओं को विभागीय शैक्षणिक पाठ्यक्रम और अन्य गतिविधियों से परिचित कराने के लिए एक विभागीय अभिविन्यास के साथ होता है। छात्रों को अपने कौशल को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। छात्रों के बीच विभिन्न आर्थिक/व्यावसायिक रुझानों की समझ पैदा करने के उद्देश्य से हमारी प्रमुख कॉमिकोनो प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। पूर्व छात्रों के साथ वर्तमान कक्षाओं की बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए पूर्व छात्रों के पारस्परिक क्रियात्मक सत्र नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। विभाग नियमित रूप से विभिन्न वर्तमान विषयों पर वार्ताएं और सेमिनार आयोजित करता है। लंबे समय से, हमारा विभाग वार्षिक खेल मेल उत्सव के दौरान आयोजित – रनभूमि और रोएस्टर्स में सर्वश्रेष्ठ कॉलेज ट्रॉफी भी जीतता रहा है। अद्वितीय – हमारा वार्षिक विभागीय उत्सव नवीनतम विषयों पर प्रख्यात वक्ताओं के साथ पैनल चर्चा का आयोजन करता हैं। इस पाठ्यक्रम की एक अनूठी विशेषता यह है कि छात्रों को औद्योगिक यात्राओं के लिए ले जाया जाता है ताकि विनिर्माण प्रक्रियाओं की समझ और उनके कामकाज को बढ़ाया जा सके।

रसायन विज्ञान

रसायन विज्ञान एक केंद्रीय विज्ञान है क्योंकि यह कई विषयों को आपस में जोड़ता है जैसे फार्माकोलॉजी, पर्यावरण विज्ञान, खगोल विज्ञान, आणविक और सेलुलर जीव विज्ञान, भूविज्ञान, फोरेंसिक विज्ञान, बहुलक विज्ञान इत्यादि। रसायन विज्ञान का ज्ञान एक विज्ञान के छात्र को ज़्यादा सामर्थ्यवान बनाता है और विभिन्न क्षेत्रों में जैसे कि औषधीय रसायन विज्ञान और ड्रग डिजाइनिंग, विभिन्न निजी, सरकारी फर्मों और सार्वजनिक उपक्रमों, विश्लेषणात्मक प्रयोगशालाओं, शिक्षण क्षेत्रों (स्कूलों और कॉलेजों) के अनुसंधान और विकास विंग में कैरियर/व्यवसाय के मार्ग खोलता है।

1967 में स्थापित रसायन विज्ञान विभाग, कॉलेज के सबसे पुराने विभागों में से एक है जहाँ बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) के अंतर्गत 6–सेमेस्टर कोर्स में विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता है। इसके अलावा, विभाग बी.एससी. (प्रोग्राम) फिजिकल साइंस और लाइफ साइंस जैसे पाठ्यक्रमों के शिक्षण के साथ भी जुड़ा हुआ है। रसायन विज्ञान अन्य विज्ञान पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए एक वैकल्पिक विषय के रूप में भी प्रस्तुत किया जाता है। विभाग में बीस से अधिक, उच्चतम शैक्षणिक योग्यता वाले शिक्षकगण हैं और विभाग की उल्लेखनीय भूतपूर्व छात्राओं की एक लंबी सूची है, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुसार पाठ्यक्रम में अकार्बनिक, कार्बनिक और भौतिक रसायन विज्ञान मुख्य विषय के रूप में शामिल हैं। इसके अलावा ऐच्छिक विशिष्ट विषय (डी.एस.ई) पाठ्यक्रम; कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एस.ई.सी); जेनेरिक ऐच्छिक (जी. ई) पेपर्स; और योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (ए.ई.सी.सी) भी 3 साल (या 6 सेमेस्टर) की अवधि में पढ़ाया जाता है। हर विषय में प्रयोगशाला–पाठ्यक्रम को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को विषय गहराई से समझ आए और उनकी तर्क और कौशल प्रतिभा में भी अभिवृद्धि हो। जी.ई पाठ्यक्रमों में विभिन्न विषयों का स्वतः चुनाव कर पाने की स्वतंत्रता ने छात्रों को उनकी रुचि के विषयों को पढ़ने का अवसर प्रदान किया है जो उनके करियर के फैसलों में उपयोगी हो सकते हैं।

रसायन विज्ञान विभाग के सभी छात्र रसगंधायन नामक रसायन सोसायटी का एक हिस्सा हैं। शिक्षकों के मार्गदर्शन के अंतर्गत, यह सोसायटी (छात्रों द्वारा, और छात्रों के लिए) पूरे वर्ष कार्यरत रहकर नियमित–शिक्षण के अलावा कुछ दिलचस्प कार्यक्रमों का भी आयोजन करती है। विभिन्न पदों के लिए छात्र प्रतिनिधि चुने जाते हैं। सोसायटी एक वार्षिक पत्रिका अमलगम जारी करती है जिसमें छात्र साहित्यिक/रचनात्मक और वैज्ञानिक लेखों द्वारा योगदान देते हैं।

कक्षा–शिक्षण को पूरक बनाने के प्रयास में सोसायटी हमेशा दिल्ली और बाहर के संस्थानों से प्रख्यात वक्ताओं को महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान करने के लिए आमंत्रित करती है। अंतर–महाविद्यालय प्रतियोगिता जैसे कि पेपर और

पोस्टर प्रस्तुतियां, भाषण, आशुभाषण प्रतिभा–प्रदर्शन, प्रश्नोत्तरी, रचनात्मक लेखन आदि और मजेदार खेल गतिविधियों का भी समय–समय पर आयोजन किया जाता है। गत वर्ष 2019–2020 में सोसायटी द्वारा छात्रों को केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, चंडीगढ़ और आई.आई.टी दिल्ली के ग्लास ब्लोइंग फैसिलिटी में ले जाया गया। इस वर्ष एन.सी.एल पुणे से पद्मश्री प्रो. एस. शिवराम द्वारा एक दिलचस्प व्याख्यान सुनने का सौभाग्य हम सबको प्राप्त हुआ। डॉ. सी.के. खुराना मेमोरियल लेक्चर, आई.आई.टी दिल्ली के प्रोफेसर ए.रमणं द्वारा सम्बोधित किया गयाप इंटर कॉलेज पोस्टर और पेपर प्रस्तुतिकरण प्रतियोगिता केमारोमा, टीचर्स बनाम स्टूडेंट्स का थ्रो–बॉल मैच, टैलेंट हंट कॉम्पिटिशन इस अकादमिक वर्ष की कुछ प्रमुख गतिविधियां रहीं। अंततः विदाई–समारोह में डिग्री–वितरण के साथ सोसाइटी अपने सालाना कार्यक्रमों को विराम देती है।

छात्रों के समग्र विकास हेतु कई सेमिनारों, ऐड–ऑन पाठ्यक्रमों, सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है। शिक्षक मेंटर भी छात्रों को विभिन्न अनुसंधान कार्यों के लिए अक्सर मार्गदर्शन देते हैं जिससे उनका रिसर्च की दुनिया से साक्षात्कार हो जाए।

विभाग विभिन्न शैक्षणिक पुरस्कारों के रूप में तीनों वर्षों के मेधावी और उत्कृष्ट छात्रों को पुरस्कृत करता है जिससे उनके उत्साह में वृद्धि आए और वो भविष्य में भी परिश्रम करने के लिए प्रेरित हों। विभाग प्रत्येक छात्र को राष्ट्र का ईमानदार, जिम्मेदार और परिश्रमी नागरिक बनने के लिए प्रशिक्षित करता है, जो शिक्षकों और छात्रों के मिले–जुले सतत प्रयासों के सामंजस्य से ही संभव हो पाता है।

रसायन विज्ञान विभाग में आपका स्वागत है।

वाणिज्य

वाणिज्य एक बहु–विषयी पाठ्यक्रम है जिसमें अर्थशास्त्र, कानून, प्रबंधन, लेखांकन और मानव व्यवहार का अध्ययन सम्मिलित है। वाणिज्य–शिक्षा छात्राओं को विश्लेषण, संचार और समस्या सुलझाने के कौशल में निपुण बनाती है ताकि वे समस्याओं को प्रभावी रूप से पहचान सकें और व्यावसायिक समस्याओं का कुशल और व्यावहारिक समाधान प्रदान कर सकें।

वाणिज्य विभाग दो स्नातक डिग्री प्रदान करता है – बी. कॉम (ऑनर्स) और बी. कॉम (प्रोग्राम)। इसके अलावा बी. ए. (प्रोग्राम) कोर्स में 'उद्यमिता और लघु व्यापार' का एक पेपर भी पढ़ाता है। इसके अतिरिक्त दो सर्टिफिकेट कोर्स के अंतर्गत 'विज्ञापन और विपणन संचार' और 'बैंकिंग और वित्तीय सेवा' जैसे महत्वपूर्ण विषय भी प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम M. Com., CA, ICWA, CS, MBA और बीमांकिक विज्ञान जैसे शैक्षणिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उच्चतर शिक्षा का मार्ग प्रशस्त करते हैं। छात्र प्रशासनिक सेवाओं जैसे आईएएस, आईआरएस आदि के लिए भी आवेदन करते हैं और व्यावसायिक क्षेत्र में भी इन छात्रों के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से कई छात्रों को केपीएमजी, अर्नस्ट एंड यंग, इ–वैल्यू

सर्व, डेलोइट, विप्रो जैसे प्रतिष्ठित कम्पनियों में नियुक्ति मिली है। वाणिज्य शिक्षा छात्रों को अपना स्टार्ट–अप स्थापित करने के लिए भी तैयार करती है।

विभाग का एक सक्रिय वाणिज्य संघ है जो छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और प्रबंधन कौशल प्रदान करने के लिए पूरे वर्ष काम करता है और इसकी मुख्य वार्षिक गतिविधियाँ हैं – 'कैस्केड', प्रख्यात वक्ताओं द्वारा विशेष व्याख्यान, करियर परामर्श और व्यक्तित्व विकास कार्यशालाएं और वार्षिक उद्यमिता कार्यशाला। इसके अलावा, विभाग द्वि–वार्षिक वाणिज्य पत्रिका 'कॉमासेंट' और वार्षिक पुस्तक 'रिफ्लेक्शंस' (छात्रों के अनुभव और संदेशों से भरा हुआ) भी प्रकाशित करता है।

प्राथमिक शिक्षा (एलीमेंटरी एजुकेशन) विभाग

बी.एल.एड.! नाम सुना लगता है, आखिर यह है क्या ?

बी.एल.एड. का पूरा नाम बेचलर ऑफ एलीमेंटरी एजुकेशन है। शिक्षकों को प्रशिक्षण देने वाला यह चार वर्षीय पेशेवर डिग्री पाठ्यक्रम काफी रोमांचकारी है, जो स्कूल स्तर के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है।

क्या इसका अर्थ यह है कि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् हमें नौकरी मिल जायेगी? क्या यह एक मान्यता प्राप्त कार्यक्रम है ?

निःसंदेह यह कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एन.सी.टी.ई.) द्वारा मान्यता प्राप्त है। इसे वर्ष 1994–95 में मौलाना आजाद प्राथमिक एवं सामाजिक शिक्षा केन्द्र (एम ए सी ई एस ई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आरम्भ किया गया था। गार्गी में हम इस कार्यक्रम के 20 वर्ष पूरे कर चुके हैं।

क्या यह कार्यक्रम सिर्फ अंग्रेज़ी माध्यम में उपलब्ध है ?

बिल्कुल नहीं। यह द्विभाषी कार्यक्रम है। इसका शिक्षण दोनों अंग्रेज़ी एवं हिंदी दोनों माध्यमों में प्रदान किया जाता है।

इस कार्यक्रम में वस्तुतः क्या–क्या शामिल है ?

यह एक महत्वपूर्ण सवाल है? इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विषय परक ज्ञान, मानवीय विकास, शैक्षणिक कौशल और संचार कौशल को एकीकृत एवं विकसित करना है। अतः बी.एल.एड. अनिवार्य एवं वैकल्पिक सिद्धान्त परक पाठ्यक्रमों को प्रदान करता है। अतः प्रायोगिक पाठ्यक्रमों पर विशेष रूप से केन्द्रित है। चतुर्थ वर्ष में व्यापक विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम इसमें शामिल है। विद्यार्थियों के लिए एक विशेष विभागीय पुस्तकालय एवं सामग्री संसाधन प्रयोगशाला उपलब्ध है।

कुछ चीजें हमारी समझ के परे हैं, क्या सिलसिलेवार ढंग से आप स्पष्ट कर सकते हैं?

सिद्धान्त एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम इस कार्यक्रम के दो अभिन्न अंग हैं। अपने चार–वर्षीय कार्यक्रम में 19 सिद्धान्त परक पाठ्यक्रम हैं जिन्हें विद्यार्थियों से इस दौरान पूरा करने की अपेक्षा की जाती है। इसमें शामिल हैं :–

बुनियादी पाठ्यक्रम : यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को शिक्षा में बाल विकास की संकल्पनाओं और दृष्टिकोणों, उन संदर्भो जिनसें बच्चा व्यवहत है, सामाजिक संगठनों की प्रक्रियाओं और तकनीकी एवं प्रारम्भिक शिक्षा से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों का गहराई से अध्ययन करने में सक्षम बनाने और इससे सम्बन्धित कौशलों को विकसित करने के लिए तैयार किया गया है।

मूल पाठ्यक्रम : मूल पाठ्यक्रम सम्भावित अध्यापकों को स्कूल में सीखी गई संकल्पनाओं की पुनः संरचना और ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित तकनीकों को बहु–उद्देशीय दृष्टिकोण से विकसित करने का अवसर प्रदान करता है।

अध्यापन कला पाठ्यक्रम : अध्यापन पाठ्यक्रम वयस्क बच्चों से सम्बन्धित अध्यापन के मूल अध्यापन कौशल को विकसित करने के लिए तैयार किया गया है। इस अध्यापन कला में दृष्टिकोणों और ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित तकनीकों का विकास किया जाना शामिल है।

- गणितीय संकल्पनाओं का एकीकरण करने और विरासत का मूल्यांकन करने के लिए भी स्मारकों (जैसे जंतर मंतर) के दौरे।
- विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं में भावनात्मक साक्षरता को प्रोत्साहित करने के लिए 'सर्किल टाईम' की तकनीक का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

उदार पाठ्यक्रम : उदार वैकल्पिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को शैक्षिक मजबूती के साथ विशिष्ट विधा के अध्ययन करने के लिए अवसर प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम उस विधा और उन अध्यापन कलाओं में और आगे अध्ययन करने के लिए ज्ञान के आधार को समृद्ध करने के लिए तैयार किया गया है। गार्गी महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त उदार पाठ्यक्रम है– अंग्रेज़ी, हिंदी, राजनीति शास्त्र, भौतिकी, रसायन शास्त्र, गणित और जीव विज्ञान (पाठ्यक्रम का विकल्प चुनने वाले सात विद्यार्थियों की न्यूनतम संख्या के अधीन)।

व्यावहारिक पाठ्यक्रम (प्रेक्टिकल कोर्स) : व्यावहारिक पाठ्यक्रम इस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण अवयव है। ये पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में प्राथमिक विद्यालयों के भीतर एवं बाहर के बच्चों के साथ कार्यानुभव की विविधता और आत्मचिन्तन और विकास का अवसर प्रदान करने के लिए तैयार किये गये हैं।

प्रेक्टिम इनपुट में प्रदर्शन और ललित कलाएँ, शिल्प और सहभागिता, विद्यालय सम्पर्क कार्यक्रम, बच्चों का अवलोकन, आत्मविकास कार्यशालाएँ, नैतिक शिक्षा, विद्यालय इंटर्नशीप, प्रोजेक्ट, टयूटोरियल और औपचारिक वार्तालाप शामिल हैं।

इस पाठयक्रम में पात्रता मानदंड क्या है ?

शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी.ई.ई – बी.एल.एड.) का आयोजन किया जाता है, जिसमें बी.एल.एड. कार्यक्रम के लिए लिखित परीक्षा शामिल होती हैं (सी.आई.ई. का बुलेटिन देखें) विवरण के लिए सी.आई.ई की वेबसाइट : http://cie.du.gc.in का अवलोकन करें।

टिप्पणी : प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा कार्यक्रम के प्रत्येक भाग के दौरान दिए गए लेक्चरों एवं आयोजित किए गए प्रेक्टिकल के कम से कम 3/4 में उपस्थित रहना अपेक्षित होगा। सम्पूर्ण बी.एल.एड. आर्डिनेंस के लिए गार्गी महाविद्यालय की वेबसाइट देखें।

बी.एल.एड. के बाद क्या अवसर है ?

- निजी/सरकारी विद्यालयों में अध्यापन
- अध्यापन शिक्षा
- शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करना, उच्च शिक्षा कार्यक्रम में अध्ययन करना।
- उदाहरण : शिक्षा में एम.ए., एम.एड., एम.एल.
- अन्य कार्यक्रम जैसे समाज शास्त्र में एम.ए., सामाजिक कार्य में एम.ए., भाषा विज्ञान में एम.ए. और बाल विकास अध्ययन विकासकर्ताओं में एम.ए.सी.।

अर्थशास्त्र

वर्ष 1967 में स्थापित, अर्थशास्त्र विभाग ने सुश्री वीबालासुब्रमण्यम, सुश्री मनजीत कौर, सुश्री किरण चोपड़ा, सुश्री इंदु जयरथ, सुश्री स्वराभल्ला, सुश्री आशासचदेव और सुश्री शोभामाथुर जैसे संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में अर्थशास्त्र में एक पाठ्यक्रम की प्रस्तावना रखी। पूर्ववर्ती FYUP योजना के तहत, विभाग में 250 छात्राओं का दाखिला हुआ और शतप्रतिशत

शानदार सफलता प्राप्त की गई। वर्ष 2017–18 में, विभाग ने 60 से अधिक छात्राओं के साथ अर्थशास्त्र ऑनर्स का एक पूर्ण पाठ्यक्रम शुरू किया। वर्तमान समय में विभाग में कुल आठ संकाय सदस्य हैं।

वर्ष 2011 में इकोनॉमिक्स एसोसिएशन की स्थापना की गई। इसके तहत 'ईकोमंत्र' ने हमेशा ही वार्षिक अर्थशास्त्र महोत्सव, सेमिनार और इंट्रा के साथ–साथ इंटर कॉलेज क्विज़ प्रतियोगिताओं सहित शैक्षणिक गतिविधियों के विशाल श्रृंखलाओं में आयोजन किए हैं। इसके अलावा, एसोसिएशन अपने वार्षिक ई–न्यूज़लेटर, 'द शॉर्ट रन' के माध्यम से वेब उपस्थिति बनाए रखने का प्रयास करता है, जो अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नवीनतम मुद्दों पर चर्चा करता है। शैक्षणिक वर्ष 2019–20 में, 'ईकोमंत्र' ने 'एनुअल इकोनॉमिक्सक्विज़' का आयोजन किया तथा मार्च 2020 में 'एनुअल इकोनॉमिक्स फेस्टिवल', इकोलिब्रियम की परिकल्पना और निर्धारण किया। हालांकि, कोविड–19 से संबंधित असाधारण स्थिति को देखते हुए, इस आयोजन को बंद कर दिया गया। इसके पश्चात्, अप्रैल 2020 में देशव्यापी बंद के बीच, एसोसिएशन ने एक ऑनलाइन क्विज़, 'इनक्विजिटिव' का आयोजन किया, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया।

विभाग एक वार्षिक पत्रिका 'इकोबज़' भी प्रकाशित करता है जो छात्राओं को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर असंख्य विषयों पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है।

विभाग अपनी पूर्व छात्राओं की शानदार उपलब्धियों पर गर्व करता है, जो आईआईएम अहमदाबाद, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों, सीआईआई, द बिग फोर कंसल्टेंसी, आदि में सम्मानित रुप से जुड़े हैं।

विभाग प्रथम वर्ष के सेमेस्टर I में चार कोर पेपर, अर्थात्, परिचयात्मक सूक्ष्म अर्थशास्त्र और अर्थशास्त्र के गणितीय तरीके I प्रस्तुत करता है, जिसके बाद सेमेस्टर II में परिचयात्मक समष्टिगत अर्थशास्त्र और अर्थशास्त्र के गणितीय तरीके II प्रदान किए जाते हैं। छात्राओं को दो क्षमतासंवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECCs) लिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त एक अन्य विभाग द्वारा प्रस्तावित किन्ही अन्य विषयों से एक सामान्य ऐच्छिक पेपर का चयन करने की आवश्यकता होती है। कौशलवृद्धि पाठ्यक्रम के तहत पेश किए जाने वाले पेपर सेमेस्टर III में रिसर्च मेथोडोलॉजी और सेमेस्टर IV में समकालीन आर्थिक मुद्दे हैं।

कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में अनुशासन पेपर, अर्थात्, सूक्ष्मअर्थशास्त्र के I और II सिद्धांत, समष्टिगत अर्थशास्त्र के सिद्धांत I और II और भारत में आर्थिक विकास और नीति I और II शामिल हैं जो छह सेमेस्टर तक पढ़े जाने हैं।

विभाग अन्य विषयों के छात्रों को सामान्य ऐच्छिक पेपर जैसे परिचयात्मक सूक्ष्म अर्थशास्त्र, परिचयात्मक समष्टिगत अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थव्यवस्था I और II, मुद्रा और बैंकिंग आदि प्रदान करता है। कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में कौशलवृद्धि पाठ्यक्रम (SEC) के तहत सेमेस्टर III में आर्थिक सर्वेक्षण और केंद्रीय बजट और सेमेस्टर IV में शोध पद्धति प्रदान किये जाते हैं।

वर्ष I के लिए बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम संरचना इस प्रकार है:

सेमेस्टर I

- मूल अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम 1: परिचयात्मक सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- मूल अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम 2: अर्थशास्त्र के गणितीय तरीके I
- क्षमतासंवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम – I
- सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम – I

सेमेस्टर II

- मूल अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम 3: परिचयात्मक समष्टिगत अर्थशास्त्र
- मूल अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम 4: अर्थशास्त्र के गणितीय तरीके II
- क्षमता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम – II
- सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम – II

अंग्रेजी

अंग्रेज़ी आनर्स एक ऐसी प्रभावपूर्ण पूर्व स्नातक कार्यप्रणाली है जो छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ व उच्चतम साहित्य से अवगत कराती है। कोर्स का पाठ्यक्रम सूक्ष्म रूप से सभी महत्वपूर्ण साहित्यों से व्याप्त है तथा छात्रों के भविष्य के लिए कारकिर्दगी में सहायक है। पाठ्यक्रम में भारतीय व पश्चिमी प्राचीनकाल से लेकर समसामयिक प्रतिष्ठित लेखकों का बोध कराया जाता है। छात्रों को भिन्न प्रकार की साहित्यिक शैलियों को पढ़ने की सुविधा प्रदान की जाती है जैसे कविता, नाटक, उपन्यास आदि जिनके अध्ययन से उन्हें विवेचन–विश्लेषण और मूल्यांकन करने का अवसर भी प्राप्त होता है।

उपाधि प्राप्ति के पश्चात छात्र साहित्य में एम. ए., एम. फिल, पी. एच. डी., आदि की स्नातकोत्तर पढ़ाई में प्रगति करते हैं। जीविका के लिए अध्यापन कार्य (विद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर पर), मीडिया एवं जनसंपर्क (पत्रकारिता, फिल्म एवं विज्ञापन उद्योग), प्रकाशनकार्य (लेखन, संपादन, अनुवाद), सार्वजनिक सम्बन्ध प्रबंधन कार्य अथवा गौणरूप से समाजसेवा, क़ानून तथा नीतिशासन में एम.ए. की पढ़ाई करके आगे बढ़ सकते हैं। इस कोर्स में छात्रलेखन कौशल व दृष्टिकोण विकसित करने की क्षमता ग्रहण करते हैं अन्य प्रतिस्पर्धात्मक सरकारी नौकरियों की परीक्षाओं में भी सहायक सिद्ध होती हैं। गार्गी कॉलेज का अंग्रेज़ी विभाग साधन सम्पन्न व सुसम्बद्ध विभाग है, जहाँ उत्कृष्ट व व्यापक स्तर पर प्रकाशित शोधकर्ता व लेखक पढ़ाते हैं।

यह विभाग सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में अंग्रेज़ी का अध्यापन करता है जिनमें विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं शिक्षा विभाग सम्मिलित हैं। विभाग के संसाधनों में 3000 से अधिक पुस्तकों से परिपूर्ण 'Oswal-Sena' पुस्तकालय उपलब्ध हैं जहां छात्रों को पाठ्यपुस्तकों के अतिरिक्त अन्य पुस्तकों और पत्रिकाओं का अध्ययन करने का अवसर मिलता है।

विभाग द्वारा छात्रों के लिए विभिन्न रोचक गतिविधियों से परिपूर्ण सह पाठ्यक्रम की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, जैसे वार्षिक साहित्यिक समारोह व उत्सव, कार्यशालाओं का आयोजन, नित्य व्यवस्थित व्याख्यान तथा छात्रों के लिए उत्कृष्ठ

विद्वानों के साथ पारस्परिक विचार–विमर्श। विभिन्न प्रसंगों पर कौशल विकास अधिवेशन जैसे रचनात्मक व सृजनात्मक लेखन कार्य, सम्पादन, अनुवाद, नाटक कला तथा सिनेमा, सभा–संघों के माध्यम से संचालित होती हैं जिनमें 'बुक–क्लब', 'क्रिएटिव राइटिंग क्लब', 'क्विज़क्लब', 'परफॉर्मेंस क्लब' तथा 'फिल्म क्लब' स्थापित हैं। इनका प्रबंधन अध्यापकों के परामर्श के साथ छात्र ही करते हैं। छात्रों को रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा सम्पादन कौशल प्रशिक्षण के लिए हमारी विभाग पत्रिका, 'बिटाकोरा' एक स्वतंत्र मंच प्रदान करती है तथा ऐसी गतिविधियों का आयोजन करवाया जाता है जो छात्रों की रचनात्मकता एवं उनके प्रशिक्षण में सहायक रहती हैं।

Core Courses (All Compulsory)	Optional Discipline Courses (4)
1. Indian Classical Literature 2. European Classical Literature 3. Indian Writing in English 4. British Poetry and Drama: 14th to 17th Centuries 5. American Literature 6. Popular Literature 7. British Poetry and Drama: 17th and 18th Centuries 8. British Literature: 18th Century 9. British Romantic Literature 10. British Literature: 19th Century 11. Women's Writing 12. British Literature: The Early 20th Century 13. Modern European Drama 14. Postcolonial Literatures	1. Modern Indian Writing in English Translation 2. Literature of the Indian Diaspora 3. British Literature: Post World War II 4. Nineteenth Century European Realism 5. Literary Theory 6. Literary Criticism 7. Science Fiction and Detective Literature 8. Literature and Cinema 9. World Literatures 10. Partition Literature 11. Research Methodology 12. Travel Writing 13. Autobiography
Generic Elective Courses (Four papers total to be done from other Departments) **Ability Enhancement Courses** (one each in English Language and Environmental Studies)	**Optional Skill Enhancement Courses (2):** 1. Film Studies 2. English Language Teaching 3. Soft Skills 4. Translation Studies 5. Creative Writing 6. Business Communication 7. Technical Writing

पूर्व वर्ष की मुख्य गतिविधियां

इस वर्ष की गतिविधियों का उद्घाटन सितंबर में पुस्तक चर्चा के साथ हुआ था। भूतपूर्व पत्रकार और प्रतिष्ठित एलजीबीटी यानी लैसबियन, गे, बाय सेक्सुअल, और ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता शर्राफ डी.रंगनेकर, ने अपनी पुस्तक 'स्ट्रेट टू नॉर्मल' के माध्यम से चर्चा की जो स्ट्रेट टू नार्मल 2018 में प्रकाशित हुई थी। इसके पश्चात प्राचीन यूनानी दुखांत नाटक 'मेडिया' का एक रोमांचकारी थिएटर प्रदर्शन हुआ। इस नाटक का मंचन Pandies थिएटर द्वारा किया गया था तथा इसका निर्देशन डॉ. अनुराधा मारवाह ने किया था।

अक्टूबर में हमने 'परिप्रेक्ष्य : एक मीडिया समीक्षा' प्रतियोगिता का आयोजन किया इसके तहत छात्रों को लोकप्रिय मीडिया सामग्री की समीक्षा लिखने का अवसर मिला जिस पर छात्रों ने अपना दृष्टिकोण भी साझा किया कुछ महीने पश्चात डॉ मीनाक्षी मल्होत्रा को वक्ता के रूप में 'महिलाओं के लेखन' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। जनवरी में डॉक्टर सबा बशीर की उपस्थिति ने महाविद्यालय की शोभा को अत्यधिक बढ़ा दिया। डॉ बशीर ने मंटो की कृति 'शिकारी औरतें' का अंग्रेजी में अनुवाद (women prey) किया तथा उन्होंने छात्रों से अनुवाद करने की प्रक्रिया एवं अनुवादक की चुनौतियों को भी साझा किया।

इस वर्ष का अत्यधिक और सब से प्रतीक्षित प्रबोधन व विशिष्ट उत्सव साहित्य महोत्सव 2020 था। इस उत्सव का विषय 'Interrogating Masculinities' था । जो आज के परिदृश्य में बहुत प्रासंगिक मुद्दा है। इस उत्सव के मुख्य वक्ता डॉक्टर पी. के विजयन थे। जिन्होंने पुरुषत्व शब्द की बारीकियों पर एक विचारोत्तेजक और ज्ञान वर्धक बात की। इसके पश्चात पैनल में डी कंस्ट्रक्टिंग मैन हूड : हिस्ट्री के प्रदर्शन और उसकी संभावनाओं पर चर्चा हुई। इस पर चर्चा करने वाले वक्ताओं में डॉक्टर चारू गुप्ता और विक्रमादित्य सहाय थे। इसके अतिरिक्त मिताली त्रिवेदी और गगनदीप सिंह की फिल्म 'माइंड द गैप' स्क्रीनिंग (समीक्षा) का आयोजन किया गया था। अत्यधिक उत्साह और ऊर्जा के साथ छात्रों ने 'The Mad Hatter's Tea Party' प्रतियोगिता के साथ उद्घाटन किया। जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न काल्पनिक पात्रों के रूप में वस्त्र धारण किए, इसके पश्चात अनेक प्रतियोगिताएं हुई। जिसमें छात्रों के हास्य की भावनाओं को प्रदर्शित किया गया एवं स्टैंड अप कॉमेडी में अपने पंच लाइनों से दर्शकों को चकित कर दिया।

अन्य सदस्य व फोटोग्राफरों ने उनकी Meme-making प्रतियोगिता और Photo Story के कौशल का जायजा लिया। अंत में सभी विजेताओं को आकर्षक नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। इस उपलक्ष्य में सभागार में उपस्थित सभी आयोजनकर्ता और प्रतिभागियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

जर्मन विभाग

जर्मन भाषा बी.ए. प्रोग्राम के विद्यार्थी ले सकते हैं, जिसका अर्थ यह है कि जो विद्यार्थी जर्मन अध्ययन का विकल्प चुनते हैं, वे इसका अध्ययन आगामी तीन वर्षों तक करेंगे। अगर आप 21वीं सदी के खिलाड़ी बनना चाहते हैं तो जर्मन सीखना आपको वह धारा प्रदान करेगा जो आपके लिए आवश्यक है। पूरे विश्व में लाखों लोग जर्मन भाषा में सम्प्रेषण करते हैं। जर्मन सिर्फ जर्मनी में ही नहीं बोली जाती है बल्कि उसका ऑस्ट्रेलिया, हँगरी और स्विटजरलैण्ड में शासकीय भाषा के रूप में व्यवहार किया जाता है। अगले तीन वर्षों तक जर्मन भाषा अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी जर्मन भाषा में स्नातकोत्तर की डिग्री के लिए पढ़ाई कर सकते हैं। उच्च शिक्षा के लिए ऐसे विद्यार्थी जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, स्विटजरलैण्ड और हंगरी जा सकते हैं। ये देश अनेक छात्रवृत्तियों की भी तजवीज करते हैं। जर्मन भाषा के ज्ञान से वे अपने रोजगार परक अवसरों में वृद्धि कर सकते हैं। निसंदेह जर्मन आपकी माँग को बढ़ाता है। अगर आप संयुक्त राज्य अमेरिका में रोजगार के अवसरों की तलाश कर रहे हैं तो जर्मन का ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में जर्मन कम्पनियों की संख्या 700,000 हैं और इतनी ही रोजगार की संख्या को संयुक्तराज्य अमेरिका जर्मनी में सृजित करती है। इसके अतिरिक्त जर्मन भाषा का सीखना पर्यटन उद्योग, आतिथ्य उद्योग, विमान सेवाओं, दूतावासों, शैक्षणिक, बहुराष्ट्रीय कम्पनियों तथा दुभाषिये एवं अनुवादकों के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए रास्ते खोलती हैं।

हिन्दी

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संदर्भों में हिंदी ऑनर्स एक उपयोगी एवं महत्वपूर्ण विकल्प है। अगर आपकी रूचि हिंदी साहित्य में है तो इस विषय का चुनाव आपके लिए सुनहरे भविष्य के अनेक द्वार खोल सकता है। हिंदी ऑनर्स पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को शास्त्रीय से वर्तमान युग के महान कवियों, लेखकों, नाटककारों, आलोचकों, उपन्यासकारों से न केवल परिचित कराता है अपितु आप में इन प्रतिभाओं को पल्लिवत भी करता है।

जैसे जैसे हम ग्लोबल विलेज (विश्वग्राम) की संकल्पना में जा रहे हैं, वैसे वैसे अपनी भाषा के प्रयोग के विविध आयाम भी बढ़ते जा रहे हैं। हिंदी साहित्य विद्यार्थियों में साहित्य की समझ और गंभीरता तो विकसित करता ही है, साथ ही शब्दों के सही प्रयोगों द्वारा उनके भीतर छिपी सृजनात्मक प्रतिभा को भी उभारता है।

यदि आप रोजगार के दृष्टिकोण से पत्रकार, उदघोषक, संचालक, आलोचक, शोधकर्ता, शिक्षक, अनुवादक, पटकथा लेखक, संपादक, फिल्म समीक्षक, गीत लेखक या इससे संबंधित किसी भी क्षेत्र में अपनी रचनात्मकता को विकसित करना चाहते हैं तो यह पाठ्यक्रम आपके लिए सर्वश्रेष्ठ है।

हिंदी विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली व समझी जाने वाली भाषा बन चुकी है। बढ़ती तकनीक व जनसंचार माध्यमों में भी हिंदी समाचार पत्रों का सर्वाधिक प्रकाशन एवं हिंदी समाचार चैनलों की लगातार बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि हिंदी का दायरा विस्तृत और महत्वपूर्ण है। हिंदी सिनेमा का वर्चस्व पूरे विश्व में छाया है जो सांस्कृतिक संवाद और संप्रेषण बढ़ाता है। मॉरीशस, सूरीनाम, फीजी से लेकर अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में हिंदी ने एक महत्वपूर्ण भाषा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है जिसका पठन–पाठन आपके लिए विदेशी दूतावासों में भी रोजगार के नवीन विकल्प खोलता है।

विभाग के सभी शिक्षकगण अनुभवी एवं योग्य हैं जो विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के प्रति अग्रणी भूमिका निभाते हैं। हिंदी विभाग के निरंतर विकास के लिए संकाय के सदस्य नियमित रूप से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा विचार गोष्ठियों में भाग लेते हैं। विभाग विद्यार्थियों की मानसिक दक्षता को निखारने हेतु निरंतर वाद–विवाद प्रतियोगिता, कविता–लेखन, कहानी–लेखन, आशु भाषण, निबंध प्रतियोगिता आदि महत्वपूर्ण गतिविधियों का संचालन करता है।

हिंदी विभाग समस्त विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए स्वस्थ पारंपरिक विचारों के साथ आधुनिक विचारधारा के सामंजस्य को पोषित करता है।

इतिहास

गार्गी महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही १९६७ में एक महत्वपूर्ण विभाग के रूप में इतिहास विभाग की स्थापना हुई। प्रारम्भ में, इतिहास विषय को स्नातक के प्रोग्राम कोर्स में शामिल किया गया था। १९७२ से पहली बार स्नातक में इतिहास को विशेष विषय के रूप में पढ़ाया जाने लगा। उत्तरोत्तर इतिहास एक विषय के रूप में अपनी प्रासंगिकता को मजबूती देता रहा है। भारतीय और विश्व इतिहास में दक्षता हासिल कर, विभाग के अध्यापकों ने इस विषय को एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक स्वरुप दे परिष्कृत किया।

स्नातक स्तर पर इतिहास प्रतिष्ठा के पाठ्यक्रम के अंतर्गत 20 विषय सम्बंधित क्रेडिट कोर्स सम्मिलित हैं – 15 कोर क्रेडिट CC चार डिसिपलिन, पेपर स्पेसिफ़िक इलेक्टिव (DSE) पेपर और साथ साथ दो कौशल वृधि पाठ्यक्रम (SEC) – जो कुल मिलाक़र ६ समेस्टर के दौरान पढ़ाये जाते है। इतिहास स्नातक पाठ्यक्रम में भारत के इतिहास के एक लम्बे दौर का अध्ययन किया जाता है जिसमें प्राचीन मध्यकालीन, आधुनिक और समकालीन इतिहास शामिल है। विश्व इतिहास में, प्राचीन जगत की सामाजिक संरचनाएं और सांस्कृतिक प्रतिमान, आधुनिक पश्चिम का उदय, आधुनिक युरोप का इतिहास जैसे विषयों के माध्यम से वैश्विक इतिहास की अंतर्दृष्टि का विकास सुनिश्चित किया जाता है।

इतिहास स्नातक विशेष (प्रतिष्ठा) के प्रथम वर्ष में भाषा और पर्यावरण विज्ञान के संदर्भ में क्षमता वृद्धि क्रेडिट पाठ्यक्रम (Ability Enhancement Credit Courses - AECC) अनिवार्य है। इनके अतिरिक्त विद्यार्थियों को इतिहास विभाग के साथ साथ अन्य विभागों द्वारा पढ़ाए जाने वाले सामान्य ऐच्छिक (Generic Elective - GE) विषयों का भी अध्ययन करना होता है जो पहले से चौथे छमाही (Semester) में पढ़ाए जाते है, और इसी तरह हमारे इतिहास विभाग की तरफ़ से भी सामान्य ऐच्छिक (GE) विषय पढ़ाए जाते है। इतिहास डिसिप्लिन केन्द्रित कोर्स के विभिन्न पेपर स्नातक प्रोग्राम के कोर्स में पढाए जाते है। जेनेरिक एलेक्टिक और दक्षता विकास के कोर्स भी स्नातक प्रोग्राम के छात्रों के विशिष्ट मांग पर विभाग द्वारा पढाए जाते है। इन सभी पेपरों में क्षेत्र केन्द्रित सर्वे, प्रोजेक्ट आदि महत्वपूर्ण शोध तकनीकों की भरमार है। साथ ही साथ विद्यार्थी इन कोर्सेज में ऐतिहासक इमारतो, संग्रहालयो औरं अभिलेखों के भ्रमण पर भी ले जाय जाते है जो उनकी सर्वांगिक विकास में सहायक है।

2006 से इतिहास विभाग द्वारा इतिहास एसोसिएशन की शुरुआत की गई जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ विभिन्न स्तरों पर संवाद कायम करना और इतिहास की समझदारी को और आगे बढ़ाना रहा है। अकादमिक सेशन में विभाग लगातार ही विभिन्न पुस्तको पर चर्चा, चलचित्र प्रदर्शन और वाद विवाद का आयोजन करता रहा है। अनेक राष्ट्रीय और अंतर–राष्ट्रीय विश्वविद्यालयोंकेविद्वानों, ASI जैसी अपैक्स संस्थान के पुरातत्वेत्ता, और इतिहासकारों को विभाग द्वारा लगातार ही आमंत्रित किया जाता रहा है। इन अकादमिक गतिविधियों के साथ साथ विभाग हर साल इंटर–कॉलेज इतिहास वार्षिक समारोह अंतराल का आयोजन करता है जिसमे इतिहास के बदलते ट्रेंड और संभावित शोध विषयो में संवाद केन्द्रित होता है।

गत वर्षों में विभाग द्वारा लगातार ही इतिहास के विभिन्न विषयों मसलन दिल्ली का इतिहास, पर्यावरण, भोजन, धर्म और कला के इतिहास जैसे मुद्दों को अपने वार्षिक महोत्सव और सेमिनार में उठाया गया। इतिहास में स्नातक के तीन सालों में विद्यार्थियों को इतिहास की अधिक व्यापक समझ विकसित कर भविष्य में आने वाली ऐकेडमिक और व्यावसायिक दुनिया की चुनौतियों का तर्कपूर्ण मूल्यांकन और स्पष्ट अभिव्यक्ति करने में सक्षम बनाती है।

गणित विभाग

गार्गी कॉलेज का गणित विभाग, बी.एस.सी (ऑनर्स) गणित में तीन साल की डिग्री प्रदान करता है। विभाग में अनुभवी वरिष्ठों और गतिशील युवा सदस्यों के साथ पंद्रह संकाय सदस्य शामिल हैं। संकाय सदस्यों को गणित और कंप्यूटर विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त है। संकाय सदस्य विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों में शामिल होते हैं और उनके शोधपत्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित होते हैं। गणित विभाग कॉलेज के अन्य विभागों के पाठ्यक्रमों के शिक्षण में भी शामिल है, जैसेः बी.एस.सी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान, बी.एस.सी (ऑनर्स) भौतिकी, बी.एस.सी (ऑनर्स) शारीरिक

विज्ञान, बी.ए. (ऑनर्स) इकोनॉमिक्स, बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स और बी.ए. (प्रोग्राम), आदि।

बी.एस.सी (ऑनर्स) गणित का पाठ्यक्रम छात्रों की जरूरतों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए विकसित और तैयार किया गया है। पाठ्यक्रम शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित के बीच संतुलन रखता है। शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित को कवर करने वाले विषयों की एक असाधारण व्यापक श्रेणी हैः रैखिक बीजगणित, मीट्रिक–स्पेस, सांख्यिकी, रैखिक

प्रोग्रामिंग, संख्यात्मक विश्लेषण, वित्त–गणितीय, कोडिंग सिद्धांत, यांत्रिकी, बायोमैटैमैटिक्स और अन्य कई।

गणित शिक्षण का मुख्य पहलू वास्तविक जीवन की समस्याओं में इसका अनुप्रयोग है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पाठ्यक्रम में अनेक पेपर कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और सिमुलेशन तकनीकों पर आधारित हैं। इस उद्देश्य के लिए, कॉलेज में एक शानदार कंप्यूटर लैब की सुविधा है जिसमें आवश्यक गणितीय सॉफ़्टवेयर जैसे Wolfram Mathematica, R, Scilab, Latex इत्यादि शामिल हैं। गणित विभाग पढ़ाने की उस शैली पर जोर देता है जिसमें छात्र पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद अनुसंधान या उद्योग जैसे किसी भी क्षेत्र में स्वेच्छा से जा सकते हैं। गणित का अध्ययन करके अपने विश्लेषणात्मक कौशल को बढ़ाने में भी विभाग छात्रों का समर्थन करता है जो कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करने में मदद करता है। गणित का अध्ययन छात्रों के लिए विभिन्न मार्ग खोलता है जैसे कि – शिक्षा, अनुसंधान, प्रबंधन, सिविल सेवा, उद्योग, वित्त और अन्य कई। उल्लखित कार्यक्रम की एक संक्षिप्त संरचना इस प्रकार हैः

बी.एस.सी (ऑनर्स) गणित : एक छात्र को पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए 148 क्रेडिट पूरा करना आवश्यक है।

बी.एस.सी. (ऑनर्स) गणित का पाठ्यक्रम और क्रेडिट योजना : अधिक विवरण के लिए निम्नलिखित लिंक का अनुसरण करें : http://maths.du.ac.in/ Courses/BABSc/ Maths(H)(2019-)LOCF.pdf

दूसरी ओर, विभाग सक्रिय और अंतःविषय गतिविधियों में भी भाग लेता है। विभागीय एसोसिएशन 'MATHEMA' ने अपने लक्ष्यों की सफल प्राप्ति के लिए छात्रों को ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए सेमिनार, व्याख्यान और प्रतियोगिताओं का समय–समय पर आयोजन किया है।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

2019 नया कोरोना वायरस (आधिकारिक तौर पर SARS–CoV–2 नाम) के कारण हालिया प्रकोप ने दुनिया में माइक्रोबायोलॉजिस्ट के महत्व को उजागर किया है। ये वे लोग हैं जो रोगाणुओं से निपटते हैं यानी उन जीवों से जो बहुत छोटे होते हैं जो नग्न आंखों से दिखाई नहीं देते हैं, परंतु फिर भी मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनमें बैक्टीरिया, वायरस, शैवाल, कवक, प्रोटोजोआ आदि शामिल हैं।

गार्गी कॉलेज का सूक्ष्मजीव विज्ञान (माइक्रोबायोलॉजी) विभाग 3 साल की अवधि का B.Sc. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी डिग्री कोर्स प्रस्तुत करता है जो कि एक सम्मानित और सबसे अधिक मांग वाला कोर्स है। पाठ्यक्रम में सूक्ष्मजीवों का अध्ययन जैसे कि उनकी विविधता, संरचना, पोषण, आवास, प्रजनन की विधि, शरीर क्रिया विज्ञान, वर्गीकरण आदि शामिल है। माइक्रोबायोलॉजी के अनुप्रयुक्त (लागू) पहलुओं को चिकित्सा, खाद्य और डेयरी, पर्यावरण और औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान के रूप में शामिल किया गया है। इनके अलावा, माइक्रोबायोलॉजी में आणविक जीव विज्ञान, जैव रसायन, माइक्रोबियल आनुवांशिकी, पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी, इम्यूनोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी, मेटागेनामिक्स, जैव सूचना विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों का ज्ञान भी प्रदान किया जाता है।

चयन आधारित क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कार्यक्रम के तहत B.Sc. माइक्रोबायोलॉजी (ऑनर्स) में कोर, अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) और कौशल वृद्धि (एसई) पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला को छह सेमेस्टर में वितरित किया गया है।

यह पाठ्यक्रम छात्रों को न केवल विषय का गहन ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि उन्हें खाद्य, डेयरी, पेय, फार्मास्युटिकल और कॉस्मेटिक उद्योगों, जलवायु परिवर्तन, नवकरणीय ऊर्जा संसाधनों, नैदानिक अनुसंधान, कृषि, नैनोटेक्नोलॉजी और कई और क्षेत्रों में सूक्ष्मजीवों की विशाल संभावनाओं और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का आकलन करने में सक्षम बनाता है। इन अवसरों के लिए, एक छात्र को संबंधित क्षेत्र में M.Sc. और पीएच.डी. करने की आवश्यकता होगी। ये पाठ्यक्रम विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में उपलब्ध हैं। इनके अलावा छात्र विपणन, कानून, पत्रकारिता, पेटेंटिंग, प्रकाशन आदि जैसे अन्य क्षेत्रों में भी शामिल हो सकते हैं। माइक्रोबायोलॉजी विभाग में ऑनर्स कोर्स के अलावा, अन्य विज्ञान विभागों के छात्रों को जेनेरिक ऐच्छिक (GE) पाठ्यक्रम भी प्रदान किया जाता है।

विभागीय गतिविधियाँ :

- प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान
- सेमिनार और कार्यशालाएं
- छात्रों के लिए विभाग में अल्पावधि अनुसंधान परियोजनाएं
- संस्थागत और औद्योगिक यात्राएं
- माइक्रोबायोलॉजी समिति द्वारा संचालित अन्य पाठयेत्तर गतिविधियाँ (एक्सट्रा करिकुलर गतिविधियां)

दर्शनशास्त्र विभाग

दर्शनशास्त्र सामान्य एवं आधारभूत समस्याओं का अध्ययन है और यह खोज करता है कि यह संसार कहाँ से आया? पृथ्वी का निर्माण कैसे हुआ, क्या ब्रह्म का अस्तित्व है? क्या संसार की रचना ब्रह्म ने की या यह शाश्वत रूप से अस्तित्ववान है? मनुष्य कैसे सोचता है, मस्तिष्क और चिंतन में क्या संबंध है? इच्छा और क्षमता में क्या संबंध है? यह जीवन के मुद्दों को लिंग, पर्यावरण, चिकित्सीय नीतिशास्त्र, कानूनी मामलों, मीडिया, कलाओं और फिल्मों आदि के परिप्रेक्ष्य में रखता है। अपने विस्तृत आयामों में दर्शनशास्त्र तत्त्व–मीमांसा में अस्तित्व के विभिन्न प्रकारों और उनके अंतर्संबंधों–ज्ञानमीमांसा एवं तर्कशास्त्र में ज्ञान की प्रकृति और वैद्यता तथा नीतिशास्त्र एवं सौंदर्यशास्त्र में मूल्य की प्रकृति का परीक्षण करता है।

इसलिये इस विषय का उद्देश्य आपको अपने आसपास की दुनिया के अध्ययन, चिंतन, शोध और आलोचनात्मक विश्लेषण हेतु प्रेरित करना है। यह आपको पर्यवेक्षित चीजों की आत्मसंगत समझ में सहायता करता है। दर्शनशास्त्र शिक्षा, शोध, जनसंचार, पत्रकारिता, समाज सेवा, कानून, फिल्म समीक्षा, सिविल सेवा, प्रबंध अध्ययन और लिंग अध्ययन के क्षेत्र में कैरियर बनाने की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की मदद करता है।

दर्शनशास्त्र में स्नातक विशेष कार्यक्रम के अलावा हम अन्य स्नातक विशेष कार्यक्रमों एवं बी.ए. प्रोग्राम हेतु अंर्त अनुशासनात्मक प्रश्नपत्र (जीई) और साथ ही साथ कौशल दक्षता कार्यक्रम (एसईसी) भी चलाते हैं। उनमें से कुछ हैं: लोक क्षेत्र में नीतिशास्त्र, तर्कशास्त्र, स्त्रीवाद, बायो–नीतिशास्त्र, नैतिक–निर्णय, तर्कशास्त्र, तकनीक और नीतिशास्त्र, योग दर्शनशास्त्र, आलोचनात्मक चिंतन, कला एवं फिल्म समीक्षा और अंबेडकर का दार्शनिक चिंतन।

विभागीय गतिविधियाँ

मीमांसा–दर्शनशास्त्र सभा: यह दार्शनिक वार्त्ताओं और वाद–विवादों के लिये विशिष्ट मंच है जो कि सभी अनुशासनों से संबद्ध प्रतिभागियों हेतु खुला होता है जिसमें विद्यार्थी और शिक्षक शामिल हैं।

नोसिस: दर्शनशास्त्र न्यूजलेटर: यह विद्यार्थियों द्वारा विद्यार्थियों के लिये वार्षिक रूप से प्रकाशित होता है। विद्यार्थी प्रत्येक वर्ष एक केंद्रीय विषय प्रस्तावित करते हैं। इस वर्ष का विषय है– 'दर्शन और फैशन'।

डायलेक्टिका: वार्षिक दर्शन महोत्सव: विभाग एक सामाजिक मुद्दे पर शैक्षणिक बैठक आयोजित करता है जिसमें जाने–माने वक्ताओं के एक पैनल को आमंत्रित किया जाता है। वक्ताओं से निवेदन किया जाता है कि वे अपनी प्रस्तुति को दार्शनिक विमर्श के संबंध में संदर्भित करे। दिन का उत्तरवर्ती भाग अंतर्महाविद्यालयी छात्र–प्रतियोगिताओं को समर्पित होता है जिसमें विषय के आसपास केंद्रित वाद–विवाद और अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ होती हैं। हाल में समाप्त हुए वर्ष का विषय था 21वीं सदी के सामाजिक सांस्कृतिक विचारों के निर्माण में दर्शनशास्त्र की प्रासंगिकता।

दर्शनशास्त्र की अंतअर्नुशासनत्मकता और पाठ्यक्रम पर केंद्रित कई वार्ताओं और व्याख्यानों का भी आयोजन किया जाता है।

इस परिप्रेक्ष्य को और विस्तारित करने हेतु कुछ फिल्में भी प्रदर्शित की जाती हैं।

इस शैक्षिणिक वर्ष में कई वार्ताएँ, फिल्में और व्याख्यान होने के क्रम में हैं।

अवाड्र्सः श्रीमती उर्मिला अरोड़ा मेमोरियल अवॉर्ड– तृतीय वर्ष के उस वर्तमान विद्यार्थी को जिसने पिछले दो वर्षों में सर्वाधिक कुल अंक अर्जित किये हों।

भौतिक शास्त्र विभाग

भौतिकी विभाग बी.एससी. भौतिकी (सम्मान) और बीएससी भौतिक विज्ञान के छात्रों को विभिन्न भौतिकी के पेपर प्रदान करता है। विभाग विभिन्न विभागों के छात्रों को जेनेरिक ऐच्छिक पेपर भी प्रदान करता है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में, भौतिकी विभाग ने निम्नलिखित जेनेरिक ऐच्छिक पेपर पढ़ाएः बिजली और चुंबकत्व (सेमेस्टर I), यांत्रिकी (सेमेस्टर II), लहरें और प्रकाशिकी (सेमेस्टर III) और थर्मल और सांख्यिकीय भौतिकी (सेमेस्टर IV)

नियमित शैक्षणिक पाठ्यक्रम के अलावा, छात्र अनुसंधान करते हैं और विभाग के शिक्षक संकायों के मार्गदर्शन में परियोजनाएं करते हैं। और दो पीएचडी भी कर रहे हैं। विभाग के

पास दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त अनुसंधान प्रयोगशाला है जिसमें छात्र ईमानदारी से शोध कर रहे हैं। भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों का परिचय करने के लिए भौतिकी विभाग हर साल छुट्टी के दौरान ग्रीष्मकालीन स्कूल का आयोजन करता है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में, भौतिकी विभाग ने छात्रों को क्रिस्टल संरचनाओं, एक्स–रे विवर्तन आदि जैसे क्षेत्रों में शोध करने के लिए एक ग्रीष्मकालीन स्कूल का आयोजन किया था।

भौतिकी विभाग समिति, क्वासर, हमेशा साल भर गतिशीलता के साथ सक्रिय रहती है। विभाग, इस समिति के तत्वावधान में, विभिन्न संस्थानों के प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान की व्यवस्था करवाता है। छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर देने के लिए, पूरे शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। छात्रों को इंट्रा/इंटर कॉलेज की घटनाओं में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। उन्हें नियमित रूप से जाने–माने संस्थानों में ले जाया जाता है, ताकि वे इन संस्थानों में किए गए सभी शोधों और वहां उपलब्ध नवीनतम अत्याधुनिक तकनीक को बेहतर तरीके से समझ सकें। छात्रों के साथ–साथ विभाग के संकाय सदस्य भौतिकविज्ञान और अन्य क्षेत्रों में वर्तमान अनुसंधान और नवीनतम विकास के साथ–साथ सेमिनार और सम्मेलन भी आयोजित करते हैं।

भौतिकी में स्नातक पूरा करने के बाद, इन छात्रों के लिए उपलब्ध करियर विकल्प कई हैं। जैसे कि : वैज्ञानिक, भौतिकी में शिक्षण, प्रबंधन, प्रशासन, कानून में कैरियर आदि। सामग्री विज्ञान, पर्यावरण और ऊर्जाक्षेत्र, सूचना और प्रौद्योगिकी, रक्षा अनुसंधान और संचार उद्योग जैसे विभिन्न उद्योगोंके अनुसंधान और विकास विंग में भी उनका स्वागत किया जाता है।

शारीरिक शिक्षा एजुकेशन विभाग

प्रमुख खेल	उपलब्धि 2019–20
एरोबिक्स	एरोबिक्स टीम ने शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस फॉर वूमेन, मिरांडाहाउस और रामानुजन कॉलेज में क्रमशः प्रथम स्थान और हंसराज कॉलेज इनविटेशनल एरोबिक्स इंटरकॉलेज टूर्नामेंट 2019–20 में क्रमशःदूसरा स्थान हासिल किया।
व्यायाम	एथलेटिक्स टीम ने 95 वीं दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज एथलेटिक्स मीट 2019–20 में कुल 2 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक के साथ 5 वां स्थान हासिल किया। टीम ने रिलायंस फाउंडेशन यूथ स्पोर्ट्स–एथलेटिक्स मीट 2019–20 में 4 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक के साथ उपविजेता पद भी हासिल किया।
बास्केटबाल	बास्केटबॉल टीम ने नई दिल्ली के वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित छप्ट।छ। ओपन बास्केट बॉल टूर्नामेंट में पहला स्थान हासिल किया।
शतरंज	शतरंज टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज शतरंज टूर्नामेंट 2019–20 में तीसरा स्थान हासिल किया।
क्रिकेट	दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटरकॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट 2019–20 में क्रिकेट टीम ने पहला स्थान हासिल किया। कॉलेज की टीम के 5 खिलाड़ियों को नॉर्थ ज़ोन इंटर यूनिवर्सिटी, प्रतियोगिता कुरुक्षेत्र के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी क्रिकेट टीम के लिए चुना गया।
जूडो	कॉलेज जूडो टीम ने दिल्ली यूनिवर्सिटी जूडो इंटर कॉलेज टूर्नामेंट 2019–20 में 8 वेट कैटेगरी यानी 4 गोल्ड,1 सिल्वरऔर 1 ब्रॉन्जमेडल में से कुल 6 मेडल हासिल किए। टीम ने माता सुंदरी कॉलेज फॉर वुमन द्वारा 2 गोल्डऔर 2 सिल्वर मेडल के साथ आयोजित जूडो इन विटेशनल टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया।
टेनिस	टेनिस टीम ने दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटरकॉलेज टेनिस टूर्नामेंट 2019–20 में तीसरा स्थान हासिल किया।
वालीबॉल	वॉलीबॉल टीम ने दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2019–20 में तीसरा स्थान हासिल किया।
कुश्ती	कुश्ती टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटरकॉलेज कुश्ती 2019–20 में 1 रजतऔर 3 कांस्य पदक के साथ 5 वां स्थान हासिल किया।

शारीरिक शिक्षा में दिया जाने वाला कोर्स / पेपर (सामान्य ऐच्छिक पेपर)

1. 'योग और तनाव प्रबंधन' सेमेस्टर – I में ऑनर्स पाठ्यक्रमों के लिए एक सामान्य ऐच्छिक के रूप में पेश किया जाता है।
2. 'एरोबिक्स प्रशिक्षण' को सेमेस्टर – III में जेनेरिक ऐच्छिक के रूप में ऑनर्स पाठ्यक्रमों के लिए पेश किया जाएगा।
3. शारीरिक शिक्षा में बी ई एल.एड छात्रों के लिए व्यावहारिक कक्षाएं और मूल्यांकन।

उत्कृष्ट खिलाड़ी 2019–20

- **सुश्री रीतिका दहिया**, लाइफ साइंस 3तक ईयर ने 30 वीं समर यूनिवर्सिटी, नापोली इटली 2019 में भाग लिया। उन्होंने इंग्लैंड के यूनिवर्सिटी ऑफ वॉल्वर हैम्प्टन 2019 में राष्ट्रमंडल जूडो चैम्पियनशिप 2019 में भी भाग लिया।
- **सुश्री अमीषा टोकस**, राजनीति विज्ञान प्रथम वर्ष ने कॉमनवेल्थ जूडो चैंपियनशिप 2019 में इंग्लैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ वॉल्वर हैम्प्टन में कांस्यपदक जीता।
- **सुश्री स्वेता**, बी.ए.पी. 1 वर्ष कॉमनवेल्थ जूडो चैम्पियनशिप 2019 में इंग्लैंड के यूनिवर्सिटी ऑफ वॉल्वर हैम्प्टन में भाग लिया।

- **सुश्री आरती खत्री**, बी.ए.पी. जूडो में खेले गए भारत यूनिवर्सिटी गेम्स, भुवनेश्वर, ओडिशा में तीसरा वर्ष रजतपदक जीता। उन्होंने ऑलइंडिया इंटरयूनिवर्सिटी में रजतपदक और सीनियर नेशनल कुराश चैम्पियनशिप 2019–20 में स्वर्णपदक भी जीता।
- **सुश्री महिमा टोकस**, बी.ए.पी. 3 साल ने सीनियर नेशनल कुराश में स्वर्णपदक जीता, उसने जूडो इंटर कॉलेज प्रतियोगिता में स्वर्णपदक और दिल्ली राज्य जूडो चैम्पियनशिप 2019–20 में स्वर्णपदक भी जीता।

- **सुश्री भावना टोकस**, बी.ए.पी. 1 वर्ष ने सीनियर नेशनल कुराश चैम्पियनशिप में स्वर्णपदक और दिल्ली स्टेट जूडो चैम्पियनशिप 2019–20 में स्वर्णपदक जीता।
- **सुश्री कनिका बत्रा**, बी.कॉम पी।थर्ड ईयर ने जूनियर कुरैश नेशनल में स्वर्णपदक, दिल्ली राज्य में रजतपदक और कुश्ती इंटर कॉलेज चैम्पियनशिप 2019–20 में कांस्यपदक जीता।

- **सुश्री प्रियंवदा मुंजाल** ने उत्तरक्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय शतरंज टूर्नामेंट में भाग लिया और एक सर्वश्रेष्ठ बोर्ड के रूप में सम्मानित किया, उन्होंने अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालय शतरंज टूर्नामेंट 2019–20 में भी भाग लिया।
- **सुश्री तूलिका**, बी.ए.पी. 3 साल ने गुजरात में नागालैंड राष्ट्रीय टीम 14 से 21 नवंबर 2019 तक यू 23 टी –20 अखिल भारतीय श्रृंखला में भाग लिया।
- **सुश्री शीतल मान** बी.ए. हरियाणा टीम (हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन) से महिलाओं के अंडर 23 एक दिवसीय राष्ट्रीय में 2 वें वर्ष में भाग लिया।
- **सुश्री पूजा सिंह कुशवाहा** बी.ए.पी. 1 वर्ष ने दिल्ली टीम 2019–20 से अंडर –19 डी डी सी ए राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में भाग लिया।

- सुश्री शिवानी सोम बी.ए.पी. 3 वर्ष में 5.76 मीटर की दूरी से लंबी कूद में दिल्ली राज्यमीट रिकॉर्ड तोड़ती हैं जो एक नई दिल्ली राज्य रिकॉर्ड है और स्वर्णपदक जीता। उन्होंने लगातार तीन साल दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटरकॉलेज प्रतियोगिताओ में हमारे कॉलेज के लिए स्वर्णपदक जीते।
- सुश्री रूचि, भौतिकी ऑनर्स। 7 वें – 9 अक्टूबर 2019–20 से 94 वें एथलेटिक्स इंटर कॉलेज मीट में 4 साल में 4 गुणा 100 मीटर रिले में गोल्ड मेडल जीता।
- सुश्री निमिषा, एप्लाइड साइकोलॉजी प्रथम वर्ष ने 63 वें राष्ट्री यशूटिंग चैम्पियनशिप टूर्नामेंट, भोपाल में 23 दिसम्बर 2019 को 10 मीटर एयरपिस्टल महिला वर्ग में भाग लिया, जो भारतीय टीम के ट्रायल (ISSF) के लिए भी योग्य थी।
- सुश्री सीमा बी .ए. प्रो. द्वितीय वर्ष ने ओडिशा के के आई आई टी भुवनेश्वर में आयोजित 68 वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में भाग लिया और 2020 में होनेवाले राष्ट्रीय खेलों के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने दिल्ली यूथस्टेट प्रतियोगिता दिल्ली में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- सुश्री तमन्ना बीए प्रोग द्वितीय वर्ष ने कुरुक्षेत्र दिसंबर 2019 में वॉलीबॉल में नॉर्थज़ोन इंटरयूनिवर्सिटी में भाग लिया।

मेरिटोरियस स्पोर्ट्स पर्सन के लिए छात्रवृत्ति (योग्यता/साधन के आधार पर)

- एस के सूद मेमोरियल छात्रवृत्ति दो खिलाड़ियों के लिए @ रु. 6000/– प्रतिवर्ष।
- आर.पी. क्रिकेट एकेडमी छात्रवृत्ति दो खिलाड़ियों के लिए @ रु. 6000/– प्रतिवर्ष।
- सुश्री मधु कुमार छात्रवृत्ति दो खेलों @ रु. 5000/– प्रतिवर्ष।
- प्रवेश के समय शुल्क रियायत केवल बकाया खेलों के लिए उपलब्ध है।

पुरस्कार

- सभी तीन वर्षों के लिए स्पोर्ट्स पर्सन पुरस्कार।
- वर्ष का स्पोर्ट्स पर्सन पुरस्कार।
- मेधावी खिलाड़ियों (स्पोर्ट्स अचीवर्स) को पुरस्कार
- सबसे नियमित खिलाड़ी पुरस्कार (खेल अभ्यासमें 100% उपस्थितिपुरस्कार)
- गार्गी ओलंपियाड में सर्वश्रेष्ठ स्ट्रीम पुरस्कार (ट्रॉफी) अंतरखेल प्रतियोगिता।
- गार्गी ओलंपियाड इंटर स्ट्रीम खेल प्रतियोगिता में सभी तीन धाराओं से सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंडर का पुरस्कार।

- अंतर–विभाग मार्च पास्ट प्रतियोगिताओं के लिए नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र।
- विभागीय पत्रिका "ABLAZE 2020–21" में सर्वश्रेष्ठ लेख पुरस्कार

विभागीय गतिविधियाँ

- वार्षिक खेल दिवस
- गार्गी ओलंपियाड' अंतर स्ट्रीम खेल प्रतियोगिता।

राजनीति विज्ञान विभाग

एक विषय के रूप में राजनीति विज्ञान व्यापक रूप से जाना जाता रहा है जिसकी बहुत अधिक मांग हैं। यह एक ऐसा विषय है जो राज्य, सरकार, समाज और राजनीतिक व्यवहार के अध्ययन का विश्लेषण और अन्वेषण करता है। गार्गी कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग में, शिक्षक नवीन शिक्षा शास्त्र के अनुरूप विचारों को फिर से संगठित करने का और एक अन्तर्विषयक आयाम में राजनीति को समझने का प्रयास करता है। दुनिया और भारत में समकालीन मुद्दों ने राजनीति विज्ञान को एक बहु–विषयक अध्ययन बना दिया है जिसमें यह उत्तर औपनिवेशिक समाज में विकास, वैश्वीकरण, प्रशासन की यूरोसेट्रिक धारणा से परे प्रश्न पूछने और जवाब देने की कोशिश करता है।

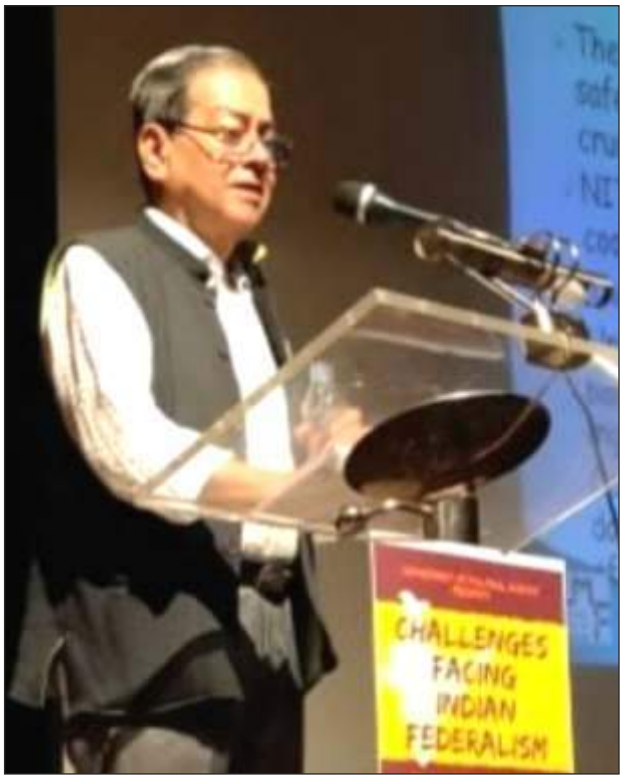

राजनीति विज्ञान विभाग गार्गी कॉलेज में एक प्रसिद्ध और असाधारण विभाग है। शैक्षणिक रूप से प्रसिद्ध, विभाग सरकार, सिद्धांत और राजनीति की समझ की जांच करता है। इसमें शिक्षक सदस्य शामिल है जिनकी विद्वत्ता और राजनीति विज्ञान के उपक्षेत्रों में अध्यापन कुशलता है। विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रम बीए ऑनर्स, बीए प्रोग्राम और राजनीति विज्ञान में एमए हैं।

गार्गी कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग राजनीतिक सिद्धांत, भारतीय राजनीति, भारतीय राजनीतिक विचार, विदेश नीति, पश्चिमी राजनीतिक विचार, नारीवाद, विकास प्रक्रिया और सामाजिक आंदोलनों और लोक–नीति जैसे पेपर्स प्रदान करता है। विश्व में समकालीन बहसों को ध्यान में रखते हुए, विभाग जेनेरिक इलेक्टिव प्रदान करता है जैसे – भूमंडलीकरण की राजनीति, भारत में राष्ट्रवाद, अंबेडकर पर समझ, संयुक्त राष्ट्र आदि। पब्लिक ओपीनियन और सर्वे रिसर्च जैसे पेपर्स भारतीय चुनावी प्रक्रिया में नागरिकों के समकालीन विचारों को समझने के लिए प्रदान किए जाते हैं।

राजनीति विज्ञान विभाग अपना वार्षिक उत्सव जिसे कहा जाता है 'POUL POURRI'आयोजित करता है। यह उत्सव विभाग का सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जो कि अपनी एक बढ़िया संगोष्ठी और विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ, दिल्ली के सभी कॉलेजों के प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करता हैं। इसके अलावा विभाग की पत्रिका–डेमोस 'प्रति वर्ष प्रकाशित की जाती है, जहां छात्रों को समकालीन राजनीतिक मुद्दों पर लिखने और अपना योगदान देने का मौका मिलता है। विभाग सेमेस्टर ब्रेक के दौरान छात्रों के लिए हर साल भिन्न–भिन्न स्थानों की यात्राएं आयोजित करता है।

विभाग गर्व से दावा करता है कि दिल्ली विश्वविद्यालय में कई सर्वप्रथम आने वाले छात्र गार्गी कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग से हैं। विभाग के छात्र भारत में विभिन्न मंत्रालयों में और यूएनडीपी और यूनिसेफ जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में इंटर्नशिप कर रहे है; कुछ अच्छी विद्वत्ता के साथ अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर कर चुके हैं और मीडिया के

पत्रकार, वकील, राजनीतिक विश्लेषक और प्रशासनिक अधिकारी बन गए हैं। विभाग का प्रयास रहता है कि छात्राओं का तीन वर्षों के दौरान शिक्षा एवं अन्य कार्यो में उनके सर्वांगीण विकास में मदद करें।

मनोविज्ञान विभाग

गार्गी कॉलेज में सन् 1972 में मनोविज्ञान विभाग की स्थापना की गई। जिसमें सर्वप्रथम बी.ए. पास विद्यार्थियों के लिए मनोविज्ञान पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात सन् 1987 में इसे व्यावहारिक पाठ्यक्रम के रूप में रखा गया। गार्गी कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वप्रथम व्यावहारिक मनोविज्ञान बी.ए. .(विशेष) पाठ्यक्रम प्रारंभ किया तथा अब तक के पाठ्यक्रम में बदलते समय के अनुसार तालमेल बनाए रखने के लिए पाठ्यक्रम में सभी आवश्यक संशोधन किए गए।

पाठ्यक्रम विभिन्न जीवन स्तर में बुनियादी मनोविज्ञान और आई.टी के अनुप्रयोगों के मौलिक ज्ञान को प्रदान करता है।वर्तमान में व्यावहारिक मनोविज्ञान का उद्देश्य, बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है प्रत्येक कोर प्रश्न पत्रों में विशेष क्षेत्र का परिचय, अनुशासन पाठ्यक्रम में दिया जाता है एवं छात्रों को कौशल से युक्त पाठ्यक्रम अनुप्रयोग संभावनाओं के बारे में बताया जाता है। इसके तहत मनोविज्ञान संज्ञानात्मक, सामाजिक, परामर्श, संगठनात्मक, मीडिया, युवा और स्वास्थ्य मनोविज्ञान के मूल तत्वों पर पर बल दिया जाता है। छात्रों को मनोविज्ञान की अकादमिक जांच करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है और इसी के साथ–साथ

संप्रेषण कौशल क्षमता, परामर्श क्षमता तथा वैज्ञानिक लेखन से भी अवगत कराया जाता है। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत विभाग के अध्ययन और उपयोग के पाठ्यक्रम के साथ व्यक्तिगत अनुभव को जोड़ने तथा भावनात्मक व नियम कौशल के बारे में आलोचनात्मक रूप से प्रशिक्षित भी किया जाता है। छात्रों को निर्णय लेने, सहानुभूति, दया, सांस्कृतिक, संवेदनशील एवं समुदाय के प्रति उत्तरदायित्व के सकारात्मक गुणों वाले व्यक्ति के रूप में विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

विशेष पाठ्यक्रम

1. बी.ए. (विशेष) प्रारम्भिक मनोविज्ञान
2. बी.ए. (पास) मनोविज्ञान

संस्कृत विभाग

हमारा संस्कृत–विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वोत्तम विभागों में से एक है। संस्कृत के अध्ययन की प्रासंगिकता आज के समय में बढ़ गई है और यह विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं व्यवसायिक विकास के लिए नए रास्तों को प्रदान करता है। संस्कृत का ज्ञान कई व्यवसायिक क्षेत्रों जैसे मीडिया (संस्कृत समाचार–वाचन और प्राचीन संस्कृति पर आधारित कई कार्यक्रम) प्रबंधन (भारतीय ज्ञान पद्धतियों द्वारा जीवन), आयुर्वेद, योग, काव्य, संगीत, नाटक, इतिहास, भाषाओं के दर्शनशास्त्र, भाषा–विज्ञान, कंप्यूटर भाषा–विज्ञान, अनुप्राणित (एनिमेशन) उद्योग तथा अनुवाद कार्य में उपयोगी है।

विभाग विद्यार्थियों के आत्मविश्वा संवर्धन एवं व्यक्तित्व के समुचित विकास के लिए प्रतिवर्ष अन्तर्महाविद्यालय तथा अंतर्कक्षा प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन करता है।

विभागीय गतिविधियाँ

- विभिन्न मुद्दों पर कार्यशालाएँ
- शैक्षणिक यात्राएँ
- वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, आयुर्वेद और योग के प्राचीन ज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर सहायक पाठ्यक्रम
- प्रख्यात वक्ताओ द्वारा सेमीनार, वार्ताएँ और व्याख्यान
- माहविद्यालय के वार्षिक उत्सव 'रेवरी' में संस्कृत नाट्याभिव्यक्ति एवं संस्कृत संगीत–गायन प्रतियोगिता का आयोजन
- निबन्ध–लेखन, चित्रकर्म, संस्कृतपत्र–वाचन, रंगोली प्रतियोगिता

प्राणि विज्ञान विभाग

बी एस सी जूलॉजी (ऑनर्स पाठ्यक्रम प्राणियों एवं उनकी संरचनाओं, कार्यों व्यवहार और विकास का विस्तृत और व्यापक अध्ययन प्रदान करता है। यह विषय शरीर विज्ञान, जैवरसायन, प्रतिरक्षा विज्ञान, आनुवंशिकी, कोशिका और आणविक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, विकासात्मक जीवविज्ञान तथा पारिस्थितिकी का अध्ययन भी प्रदान करता है। इस तरह जूलॉजी, ऑनर्स एक बहुत संतुलित पाठ्यक्रम है। कुछ विषयों जैसे कि तंत्रिका विज्ञान, कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान, अनुसंधान पद्धति, चिकित्सा निदान आदि को शामिल करने से इस पाठ्यक्रम का महत्व और अधिक बढ़ गया है। पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक भाग को ही नहीं बल्कि प्रायोगिक कार्य को भी समान महत्व दिया गया है।

प्रायोगिक कार्यों से छात्रों को कई वैज्ञानिक उपकरणों के उपयोग का अनुभव प्राप्त होता है और जीवविज्ञान में नवीनतम तकनीकें सीखने का भी अनुभव प्राप्त होता है।

विभाग में चार सुसज्जित शिक्षण प्रयोगशालाएँ, एक उन्नत माइक्रोस्कोपी कक्ष और एक शोधकक्ष है। इसके अलावा हमारे पास एक अद्भुत संग्रहालय है जिसमें अकशेरूकीय और कशेरुकी प्राणीयों के अच्छे भंडार है।

विभाग के उत्कृष्ट शिक्षकगण व्याख्यानों, प्रस्तुतियों असाइनमेंट भ्रमणों, सेमिनारों, कार्यशालाओं आदि के माध्यम से छात्राओं को कुशल बनाने का सतत प्रयास करते है। विभाग एक अच्छी शोध संस्कृति रखता है और विभाग के कई छात्र शिक्षकों द्वारा निर्देशित छोटे अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल हैं।

विभागीय गतिविधियाँ

विभागीय समिति अल्बाट्रॉस छात्राओं को प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक विषयों पर पूरे वर्ष कई व्याख्यान और प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है।

वर्ष 2019–2020 में विभाग में निम्नलिखित गतिविधियों का प्रदर्शन आयोजन किया गया।

- जूलॉजिकल सोसायटी ने इस सत्र में दो व्याख्यान आयोजित किए। पहला व्याख्यान डॉ सुशील के झा न्यूरोबायोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज जेएनयू द्वारा स्लीप एंड मेमोरी कंसोलिडेशन क्या कैसे और कब विषय पर दिया गया। दूसरा व्याख्यान डॉ रश्मि शर्मा साइंटिस्ट ई डिपार्टमेंट विज्ञान और प्रौद्योगिकी भारत सरकार द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अवसर विषय पर दिया गया।
- एक काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जहाँ प्रतिभागियों ने अपने काव्यकौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।
- विश्वहृदयदिवस के अवसर पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता का विषय बी ए हार्ट हीरो मेक ए हार्ट प्रामिस था। प्रतिभागियों ने अपने रचनात्मकऔर कलात्मक पक्ष का भरपूर प्रदर्शन किया।
- जागरूकता प्रसार और आत्महत्या की रोकथाम के महत्व पर जोर देने के लिए विभाग ने एक डूडलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। घटना का विषय था जीवन आपकी कहानी अभी खत्म नहीं हुई है।
- विभाग ने जैविक तकनीकों में हैंड्स–ऑन और बायोटेक्नीक नामक दो हैंड्स–ऑन वर्कशॉप आयोजित किये जहां छात्रों को जीवविज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों से अवगत कराया गया।
- विविधता को देखने समझने और सराहना करने के लिए तथा छात्रों को उनके पर्यावरण के साथ जुड़े रहने के अपने प्रयास के अनुरूप विभाग ने ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट के सहयोग से कॉलेज परिसर में एक पक्षी गणना का आयोजन किया।

जूलॉजी में ऑनर्स की डिग्री के साथ स्नातक करने वाले छात्रों के लिए कई रास्ते खुले हैं। नेशनल जियोग्राफिक एनिमल प्लैनेट और डिस्कवरी चैनल जैसे चैनल प्राणीविदों के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं। यह डिग्री इस क्षेत्र में उच्च अध्ययन के लिए एक आधार के रूप में कार्य करती है जैसे एम.एस.सी,एम.फिल. और पीएच.डी. जूलॉजी में तथा जीवन विज्ञान, जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, विष विज्ञान, आनुवंशिकी, वानिकी और वन्यजीव आदि के क्षेत्र में भी।

बी.ए. प्रोग्राम

बी.ए. प्रोग्राम अधिकतम माँग वाले विषयों में से एक है जो ऐसे विद्यार्थियों के लिए है जो पढ़ने के साथ–साथ अन्वेषणरत रहना चाहते हैं और जो पारम्परिक रास्तों के अनुगामी नहीं हैं। ऑनर्स कोर्ससेज के विपरीत दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त बी.ए. प्रोग्राम का कोर्स अधिकतम लचीला है और यह विद्यार्थियों का परिचय अंतर अनुशासन और अंतः अनुशासन विषयों के विविध पाठ्यक्रमों से कराता है। बी.ए. प्रोग्राम के कोर्स सामाजिक अवसरों तथा तत्कालीन वातावरण के लिए प्रासंगिक हैं। इनके कार्यक्रम उच्च शिक्षा के आधारभूत बौद्धिक उपकरणों की अपेक्षा करते हैं। विद्यार्थी विषयों की एक लम्बी शृंखला से कोई भी विषय चुन सकते हैं। नए एवं रुचिपूर्ण विषयों का अध्ययन कर सकते हैं और साथ–साथ उस अनुशासन के विषय के स्नातकोत्तर पढ़ाई की योजना बना सकते हैं।

इन विषयों की ठोस बौद्धिक उपकरणों से युक्त एक आवधिक डिगरी या उच्च अध्ययन के लिए सक्षम बनाने की डिग्री के रूप में देखा जा सकता है। यह ऐसा कोर्स है जो विभिन्न रास्तों और आगे के लिए अवसरों की एक सम्भावी शृंख्लाओं को खोलता है। महाविद्यालय को विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित अपने पूर्व विद्यार्थियों पर गर्व है। यह महाविद्यालय 6 सेमेस्टरों में विभिन्न विषयों की मिश्रण की एक व्यापक शृंखला प्रदान करता है।

बी.ए. प्रोग्राम कोर्स की संरचना

सेमेस्टर 1	सेमेस्टर 2
• अनिवार्य भाषा – अंग्रेज़ी/हिन्दी–पत्र 1 • डिसीप्लीन 1 – प्रश्न पत्र 1 • डिसीप्लीन 2 – प्रश्न पत्र 1 • ए.ई.सी.सी. – संचार (अंग्रेजी/हिन्दी)	• अनिवार्य भाषा –हिन्दी/अंग्रेज़ी–पत्र 1 • डिसीप्लीन 1 – प्रश्न पत्र 2 • डिसीप्लीन 2 – प्रश्न पत्र 2 • ए.ई.सी.सी. – ई.वी.एस.

एईसीसी – योग्यता संवर्द्धन अनिवार्य कोर्स यह सी.बी.सी.एस. के अधीन सेमेस्टर 1 और 2 में सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।

सेमेस्टर 3	सेमेस्टर 4
• अनिवार्य भाषा – अंग्रेज़ी/हिन्दी–पत्र 2 • डिसीप्लीन 1 – प्रश्न पत्र 3 • डिसीप्लीन 2 – प्रश्न पत्र 3 • एस.ई.सी.	• अनिवार्य भाषा – हिन्दी/अंग्रेज़ी–पत्र 2 • डिसीप्लीन 1 – प्रश्न पत्र 4 • डिसीप्लीन 2 – प्रश्न पत्र 4 • एस.ई.सी.

एसईसी – कौशल संवर्द्धन कोर्स, ये कोर्स ज्ञान संवर्द्धन के तथ्यों पर आधारित है। ये मूल्यों एवं कौशल आधारित कोर्स है और ये व्यवहारिक परिशिक्षण, दक्षताओं, कौशलों इत्यादि के विकास हेतु प्रदान किए जाते हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थी एसईसी के पत्र का चयन प्रदत्त कोर्ससेज़ की शृंखला से चुन सकते हैं।

सेमेस्टर 5	सेमेस्टर 6
• डी.एस.ई. 1 – प्रश्न पत्र 1 • डी.एस.ई. 2 – प्रश्न पत्र 1 • एस. ई. सी. • जी. ई.	• डी.एस.ई. 1 – प्रश्न पत्र 2 • डी.एस.ई. 2 – प्रश्न पत्र 2 • एस. ई. सी. • जी. ई.

डी.एस.ई. – डिसीप्लीन विशेष वैकल्पिक पत्र, पूर्व सेमेस्टरों में पढ़े जाने वाले विधा के विषयों में से विधा 1 एवं 2।

जी.ई. – जैनरिक विकल्प, यह एक वैकल्पिक कोर्स है जिन्हें असम्बद्ध विद्या/विषय जिसकी मंशा विद्यार्थियों के दायरे को बढ़ाना है। यह अंतरविधा पत्र है।

बी.ए. प्रोग्राम में आपको निम्न बातों का स्मरण रखना चाहिए :

- प्रत्येक विद्यार्थी के लिए प्रत्येक सेमेस्टर में 4 पत्रों का अध्ययन अनिवार्य है।
- अंग्रेज़ी और हिन्दी सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।
- जिन छात्रों ने बारहवीं कक्षा में अंग्रेजी में 80% और उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, वे लिटरेचर पेपर के माध्यम से अंग्रेजी भाषा का अध्ययन करेंगे।
- जिन छात्रों ने 60% से 80% के बीच स्कोर किया है, वे अंग्रेजी फ़्लूएंसी पेपर का अध्ययन करेंगे।
- जिन छात्रों ने 60% से कम स्कोर किया है, वे अंग्रेजी प्रवीणता पेपर का अध्ययन करेंगे।
- ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने अंग्रेजी कक्षा 10 तक पढ़ी है वे अंग्रेजी A पढ़ेगें।
- ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने कक्षा 12 तक हिन्दी पढ़ी है वे हिन्दी A पढ़ेगें।
- ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने कक्षा 10 तक हिन्दी पढ़ी है वे हिन्दी B पढ़ेगें।
- ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने कक्षा 8 तक हिन्दी पढ़ी है वे हिन्दी C पढ़ेगें।
- अगर किसी विद्यार्थी ने स्कूल में कक्षा 8 तक हिन्दी पढ़ी है तो उसके पास हिन्दी के बदले दर्शनशास्त्र पढ़ने का विकल्प होगा। ऐसे विद्यार्थी जो अंग्रेज़ी और जर्मन विद्या का मिश्रण चुनते हैं उन्हें भी हिन्दी के बदले दर्शनशास्त्र चुनने का विकल्प होगा। विद्यार्थी जो इस विकल्प को चुनते हैं, उनके लिए साक्ष्य दस्तावेज़ प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।
- प्रत्येक विद्यार्थी 2 पत्रों का चयन कर सकते हैं लेकिन दिल्ली विश्वविद्यालय नियमों के अनुसार आगामी तीन वर्षो के अध्ययन के दौरान वे इस विषय को नहीं बदल सकते हैं। इसी सम्मिश्रण को अगले तीन वर्षो तक पढ़ेगें।
- हर एक अनुशासन की सीटें सीमित हैं।
- अगर किसी पत्र विशेष में कोर्स की संख्या 10 से कम हुई तो ऐसे विषयों को विकल्प के रूप में चुनने वाले विद्यार्थियों को ऐसे कोर्स प्रदान नहीं किए जायेगें।
- जर्मन को अनुशासन कोर्स के रूप में चुनने के लिए जर्मन का पूर्व ज्ञान आवश्यक नहीं है।
- आने वाले सेमेस्टरों में आप एस.ई.सी. और जी.ई. कोर्स के विकल्पों को बदल सकते हैं।
- गणित का चयन करने वाले विद्यार्थी को कक्षा 12 तक गणित का अधयन और उत्तीर्ण करना आवश्यक है।
- इसमें से कोई भी सेट को अनुशासन विषयों के रूप में आप चुन सकते हैं :

क्रमांक सं.	डिसीप्लीन I	डिसीप्लीन II
1.	कम्प्यूटर एप्लीकेशन	अर्थशास्त्र
2.	कम्प्यूटर एप्लीकेशन	ई.एस.बी.
3.	कम्प्यूटर एप्लीकेशन	गणित
4.	अर्थशास्त्र	ई.एस.बी.
5.	अर्थशास्त्र	गणित
6.	अर्थशास्त्र	राजनीति विज्ञान
7.	अर्थशास्त्र	मनोविज्ञान
8.	अंग्रेज़ी डिसीप्लीन	जर्मन
9.	अंग्रेज़ी डिसीप्लीन	इतिहास
10.	अंग्रेज़ी डिसीप्लीन	दर्शनशास्त्र
11.	अंग्रेज़ी डिसीप्लीन	मनोविज्ञान
12.	ई.एस.बी.	गणित
13.	जर्मन	इतिहास
14.	जर्मन	राजनीति विज्ञान
15.	हिन्दी डिसीप्लीन	इतिहास
16.	हिन्दी डिसीप्लीन	राजनीति विज्ञान
17.	इतिहास	दर्शनशास्त्र
18.	इतिहास	राजनीति विज्ञान
19.	दर्शनशास्त्र	राजनीति विज्ञान
20.	दर्शनशास्त्र	मनोविज्ञान

कठिन शैक्षणिक संरचना के अतिरिक्त बी.ए. प्रोग्राम ऐसोसिएशन 'नवदृष्टि' सारे वर्ष में अनेक गतिविधियों का आयोजन करता है। वार्षिक उत्सव 'एपीफेनी' के अतिरिक्त पैनल विचार विमर्श, शैक्षणिक प्रपत्र और विद्यार्थियों की प्रतिस्पर्धाओं, कार्यशालाओं एवं फिल्म की स्क्रीनिग का आयोजन भी किया जाता है। बी.ए. प्रोग्राम के विद्यार्थी एक दूसरे के साथ मिल–जुल कर काम करते हैं और 'विबग्यौर' नामक वार्षिक द्विभाषिक पत्रिका प्रकाशित करते हैं जिसमें पूर्व विद्यार्थियों के लेखकीय योगदान भी आमंत्रित किये जाते हैं।

बी.एस.सी प्रोग्राम

बी.एससी प्रोग्राम पाठ्यक्रम विज्ञान विषयों के बहु–विषयक ज्ञान को प्रदान करता है। बीएससी लाइफ साइंस बॉटनी, केमिस्ट्री और जूलॉजी का एक संयोजन है जबकि बी.एससी भौतिक विज्ञान में

उनके मुख्य विषय के रूप में रसायन विज्ञान, भौतिकी और गणित शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों को प्रायोगिक और सैद्धांतिक ज्ञान के संयोजन के साथ विज्ञान के क्षेत्र से पारंपरिक और अग्रिम दोनों विषयों का एक व्यापक ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। बीएससी में डिग्री कार्यक्रम छात्राओं की स्नातकोत्तर स्तर पर अपनी पसंद के विषय में विशेषज्ञता के लिए एक व्यापक स्पेक्ट्रम प्रदान करता है। B.Sc. कार्यक्रम छात्राओं का एक संगठन है, जिसका नाम "ZENITH" है, जो छात्राओं के समग्र विकास के लिए पूरे वर्ष भर शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों की श्रृंखला आयोजित करता है। 'जेनिथ' ने सत्र 2018–19 में "इनफिनिटस" नाम से अपनी वार्षिक पत्रिका शुरू की है। यह पत्रिका संगठन, साथ साथ सीखना और कार्यकर्ता मूल्यांकन के माध्यम से ज्ञान को साझा करने और विस्तार करने को बढ़ावा देती है, जिससे छात्राओं की प्राकृतिक प्रतिभाओं को पनपने की प्रेरणा मिलती है। बीएससी कार्यक्रम की छात्राएं सक्रिय रूप से यूफनी, ह्यूज, नजाकत, क्षितिज, स्पार्क्स, एनएसएस, एनसीसी और खेल जैसे महाविद्यालय के सम्मानित संगठन में लगे हुए हैं। चयनित छात्राओं को अनुसंधान के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं।

वर्ष 2019–20 में, विभाग द्वारा कई गतिविधियों का आयोजन किया गया था। कई व्याख्यान विभाग द्वारा आयोजित किए गए क्रमशः 'अपराध स्थल प्रबंधन में फोरेंसिक रसायन विज्ञान का महत्व' डॉ जी.एस.सोढ़ी, "जेंडर बायस इन साइंस" डॉ सुष्मिता चौधरी और "नैनो टेक्नोलॉजीः बिग थिंग्स फ्रॉम टिनी वर्ल्ड" डॉ विनोद कुमार. "आज की दुनिया में प्लास्टिक के बिना जीना संभव है?" पर बहस " "विज्ञान Sci-fi" विषय पर 'जेनिथ ट्रिविया' और 'फेस पेंटिंग' अन्य प्रसिद्ध गतिविधियां प्रतियोगिताएं थीं। बीएससी लाइफ साइंस के छात्र दिल्ली में नेशनल जूलॉजिकल पार्क, ABHA BIOTECHNOLOGY, R & D, कौशल और प्रशिक्षण केंद्र, नोएडा और द गोल्डन सिटी– जैसलमेर में शैक्षिक भ्रमण के लिए गए। बीएससी भौतिक विज्ञान के छात्र ने नई दिल्ली स्थित इंटर–यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (IUAC) का दौरा किया।

रोज़गार उन्मुख पाठ्यक्रम

कॉलेज एक दशक से अधिक समय से कुछ कॅरियर गहन ऐड–ऑन पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है। ये 80–100 घंटे के पाठ्यक्रम हैं और हम इन पाठ्यक्रमों के लिए अतिथि संकाय को आमंत्रित करते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए यह पाठ्यक्रम खुले हैं।

विज्ञापन और विपणन संचार

समन्वयक : डॉ. गीता किचलू

विज्ञापन के सृजनात्मक, रणनीतिक और रूचिकर संसार में अंतर्दृष्टि मुहैया कराने के लिए गार्गी कॉलेज के अंडरग्रेज्युएट विद्यार्थियों के लिए वर्ष 2004–05 में एक पाठ्यक्रम आरंभ किया गया था। आज, एक दशक बाद जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो अवलोकन कर सकते हैं कि इस पाठ्यक्रम ने कितना अधिक अमूर्त और मूर्त मूल्य संवर्धन करने का प्रयास किया है। पाठ्यक्रम की शुरुआत उस वक्त उद्योग के लिए प्रासंगिक पाठ्यक्रम के रूप में की गई थी। विद्यार्थियों ने देश की सर्वोत्तम एजेंसियों में इंटर्नशिप और काम किया है, जैसे ओगिलवी, मैकेन, बीबीडीओ, यूनिवर्सल लोडस्टार आदि।

बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं

समन्वयक : डॉ. मंजु सहाय

यह पाठ्यक्रम 100 घंटे की अवधि का एक सामान्य अध्ययन–क्रम है। इसमें वित्तीय बाजार, निवेश, बैंकिंग, पोर्टफोलियो प्रबंधन, डेरिवेटिव : फ्यूचर एंड ऑप्शन, पूंजी संरचना निर्णयन, वित्तीय सेवाएं, विलय और अधिग्रहण, जोखिम प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय वित्तक और जोखिम प्रबंधन शामिल हैं।

जनसंचार

समन्वयक : डॉ. दीपिका चटर्जी

जन संचार एड–ऑन कोर्स 2017 से शुरू हुआ और यह 100 घंटे लंबा कोर्स है। आई.टी. छात्रों को जनसंचार के घटकों को समझने के लिए प्रशिक्षित करता है और उन्हें पत्रकारिता, समाचार क्या है, मीडियाः बदलता परिदृश्य, रेडियो और टीवी एक संदेश वितरण के माध्यम के रूप में, विज्ञापन और पीआर के साथ–साथ अवलोकन मीडिया पर डिजिटल मीडिया और सिद्धांतों की मूल बातें सिखाई जाती हैं। विद्यार्थियों को वीडियो, ऑडियो और मल्टीमीडिया कहानियां बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कॅरियर–उन्मुखी पाठ्यक्रमों के लिए प्रशासनिक समन्वयक : श्री सुनील कोहली, (अनुभाग अधिकारी)

विदेशी भाषाएं

समन्वयक : सुश्री रीमा चौहान

विदेशी भाषा सीखना न केवल एक पूरी तरह आनंददायक अनुभव होता है जो भाषा और संस्कृति के एक बिल्कुल नए संसार के दरवाजे खोल देता है, बल्कि आज के समय में यह एक महत्वपूर्ण गुण भी है। किसी विदेशी भाषा के ज्ञान से, आपको दूसरों की तुलना में निश्चित रूप से बढ़त प्राप्त होती है और नौकरी के अनेक अवसर खुल जाते हैं, जैसे भारतीय विदेश सेवा, अकादमिक और शोध, अनुवाद, दुभाषिया या पर्यटक गाइड इनमें से ये थोड़े से उदाहरण हैं।

जर्मन भाषा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी)

प्रशासनिक समन्वयक : श्री प्रवीण सिंह

बायोटेकसेलेन्स : इनसाइट और इनोवेशन

समन्वयक : डॉ. पूनम शर्मा और डॉ. जसविन्दर कौर

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य और इरादा स्नातक छात्रों को बुनियादी जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला और जैव सूचना विज्ञान प्रक्रियाओं को सिखाना है, जो छात्रों को निर्धारित पाठ्यक्रम के ऊपर एक बढ़त प्रदान करेगा। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को एक प्रारंभिक प्रयास प्रदान करना है और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उच्च डिग्री की दिशा में सुविधा प्रदान करना है, इसके अलावा एक सफल अनुसंधान कॅरियर का रास्ता खोलने के अलावा, इस पाठ्यक्रम की सामग्री इस तथ्य पर ध्यान केंद्रित कर रही है कि जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान वर्तमान जैविक अनुसंधान की मुख्य चीजें हैं। जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान का मिश्रण, औद्योगिक अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। विशेष रूप से दवाओं के विकास, और लक्ष्यीकरण में यह कोर्स छात्रों को उच्च शिक्षा, अनुसंधान और औद्योगिक दुनिया के लिए तैयार करेगा।

GARGI
AUDITORIUM

Gems of Enactus

INDIAN
LGBT+
MOVEMENT

GARGI COLLEGE, UNIVERSITY OF DELHI
PRESENTS

#SayYesToKulvad

सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

सांस्कृतिक समितियाँ

गार्गी कॉलेज विद्यार्थियों को कला के अनेक रूपों में अपनी प्रतिभा का विकास और प्रदर्शन करने के असीम अवसर मुहैया कराता है। विभिन्न सांस्कृतिक समितियों की विरासत को निरंतर प्रति वर्ष और समृद्ध किया जाता है और हम सगर्व दृढ़तापूर्वक कहते हैं कि विद्यार्थी अब संकल्पना, डिजाइन, निर्देशन और निर्माण जैसे काम खुद ही बड़ी नफासत से कर रहे हैं और साथ ही अनेक इंटर–कॉलेज स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करके कॉलेज को गौरवान्वित भी कर रहे हैं। अनेक समितियाँ हैं जो विद्यार्थियों को कला और संस्कृति के माध्यम से एक रोमांचक सफर कराने में सहायक हैं। यह समितियाँ विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए अपने–अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञों की सेवाएं भी लेती हैं। सदस्यों ने समितियों की संरचना के अनुसार एकल के साथ–साथ सामूहिक परफॉरमेंस भी दी हैं। नीचे हम समितियों द्वारा संचालित की गई विभिन्न गतिविधियों की एक झलक दे रहे हैं।

अनुभूति–सृजनात्मक लेखन समिति

'अनुभूति' गार्गी महाविद्यालय की हिंदी सृजनात्मक लेखन समिति है। इस समिति का उद्देश्य न केवल छात्राओं की सर्जना शक्ति को पहचानना है बल्कि इस प्रतिभा को एक कुशल कौशल का रूप देना भी है। समिति के सभी सदस्य और शिक्षक निरंतर इस प्रयास में जुड़े रहते है कि छात्राओं को सही मार्गदर्शन, प्रेरणा और प्रोत्साहन प्रदान किया जाए, ताकि वे अपने कौशल द्वारा एक कुशल रचनाकार बनने के सुनहरे सपने को साकार कर सकें। छात्राओं का आत्मविश्वास मंच पर रचनाओं की बेझिझक प्रस्तुति के रूप में प्रदर्शित होता रहा है। समिति समय–समय पर रचना के विविध आयाम जैसे कविता, कहानी, यात्रा–वृतांत, निबंध इत्यादि से जुड़ी प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाती है जिसमें सभी छात्राओं का मार्गदर्शन किया जाता है ताकि वे अपनी रुचि को कायम रख सकें। 'अनुभूति'–हिंदी सृजनात्मक लेखन समिति ने हर वर्ष की भाँति सत्र 2018–19 में अपने कार्यों एवं उपलब्धियों के माध्यम से नए कीर्तिमानों को स्थापित किया। हर्ष का विषय है कि समिति की छात्रा सदस्यों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने अथक प्रयास से विभिन्न पुरस्कारों को सूचीबद्ध किया है।

एनलिवन : पश्चिमी नृत्य समिति

पश्चिमी नृत्य समिति गार्गी कॉलेज के बहुप्रतिभा सम्पन्न नृत्य क्रिया का एक समूह है जो कि जैज़, हिपहॉप, वाकिंग, लेटिन और अन्य नृत्यों से प्रभावित है। हर वर्ष दिल्ली नृत्य मण्डली में इस समूह ने अपना विशिष्ट स्थान बनाया है। टीम की लड़कियाँ नई अवधारणाओं का साहसपूर्ण अनुप्रयोग करने और अपनी अभिव्यक्ति के लिए जानी जाती हैं। एन्लिवेन परिवार 18 सदस्यों का एक समुदाय है जो साथ मिलकर काम करते हैं और एक ही लक्ष्य और टीमवर्क

के साथ नए प्रतिमानों से अभिप्रेरित हैं। हम अपनी इच्छा शक्ति में सफल होते रहते हैं। एन्लिवेन जैसे इसका नाम इंगित करता है, यह दर्शकों को आकर्षित कर कभी भी दर्शकों पर अतिशानदार प्रभाव डालने में विफल नहीं रहा है।

यूफ़नी : पश्चिमी संगीत समिति

गार्गी कॉलेज की पश्चिमी संगीत सोसाइटी 'यूफोनी', एक अकेला ग्रुप है जो संगीत में नवीनता और रचनात्मकता के अनूठे मंथन के लिए जाना जाता है। यह ग्रुप जोशीली गायिकाओं का एक ऐसा समूह है जिसकी ताकत उनके स्वरों की विविधता और उनके द्वारा चुने गए बेहतरीन गानों में है। यूफ़नी सभी को संगीत के माध्यम से जोड़ने में विश्वास रखता है; संगीत जो सीमाओं से परे है, वह संगीत जो शब्दों के न होने पर अर्थ बतलाता है, संगीत जो शांति और सामंजस्य लाता है। पूरे वर्ष जोश, जज़्बे और आवेशपूर्ण प्रशिक्षण के साथ–साथ, गार्गी कॉलेज की पश्चिमी संगीत सोसाइटी के छात्र कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं विभिन्न कॉलेज उत्सवों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते आ रहे हैं जिसके लिए वे कई बार पुरस्कृत किए जा चुके हैं।

ग्लास आई – द फिल्म क्लब

ग्लास ऑई समिति को देश में सामाजिक जागरूकता और नागरिक परिदृश्य से संबंधित विभिन्न मुद्दों से संबंधित फिल्मों और वृतचित्रों की स्क्रीनिंग करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था और उसके बाद चर्चाएं भी आयोजित की गई थीं लेकिन वर्ष 2012 के बाद से हमने वृत्तचित्र और फिल्म बनाने के क्षेत्र में भी कदम रख दिया। प्रतिवर्ष फिल्म निर्माण में रुचि रखने वाले विद्यार्थी इस सोसाइटी का हिस्सा बनते हैं।

ग्लास ऑई अपने तीसरे वर्ष में कॉलेज की सबसे सक्रिय समितियों में से एक बन गई है। प्रगति के इस मोड़ पर हमारा मुख्य ध्यान सभी शैलियों की फिल्में बनाने का प्रयास करना है। हमने दिल्ली के विभिन्न विश्वविद्यालयों और आई.आई.टी.–कानपुर, आई.आई.टी–मुंबई, आई.आई.टी.–खड़गपुर, इत्यादि जैसे संस्थानों और पूरे भारत में सम्मान प्राप्त करके तीन साल सफलतापूर्वक पूरे कर लिये हैं। इस प्रकार हमने सिनेमा की दुनिया में अपने कदमों की गहरी छाप छोड़ दी है। ग्लास आई के लिए यह एक अच्छा साल रहा क्योंकि हमने पूरे साल कई पुरस्कार एकत्र किए। सोसाइटी ने रेवरी 2019 के लिए ट्रेलर वीडियो भी बनाया।

ह्यूज– ललित कला समिति

ह्यूस, गार्गी कॉलेज की फाइन आट्र्स सोसाइटी का उद्देश्य विभिन्न कलारूपों, शिल्प तकनीकों और समग्र कौशल निर्माण अपने सदस्यों को सिखाना है। यह समिति तीन मुख्य कलात्मक प्रस्तुतियों, फ्रेशर, प्रिज्म– एक दृश्य कला प्रदर्शनी और रेवेरी (कॉलेज का वार्षिक उत्सव) पर केंद्रित है।

इन बड़े पैमाने की घटनाओं के अलावा, ह्यूस ने पूरे साल सफलतापूर्वक प्रदर्शनियों और कई कार्यशालाओं का आयोजन किया है, जिसमें से एक ऐक्रेलिक इनडोर कार्यशाला, एक आउटहाउस कार्यशाला और एक वार्तालाप स्टोरी बोर्ड और उसकी रचना पर जो पार्थ सेनगुप्ता द्वारा आयोजित की गई थी। पार्थ सेनगुप्ता एन आई डी के भूतपूर्व छात्र है।

प्रिज़्म, हमारी मुख्य दृश्यकला घटना, फाइन आट्र्स, फोटोग्राफी और फिल्म निर्माण की प्रदर्शनियों का एक सम्मेलन है जो 19 अक्टूबर 2019 को आयोजित किया गया था। इससे कलाकारों को अपनी कलाकृतियों को पेश करने और अन्य विभिन्न कलाशैलियों और माध्यमों का पता लगाने में मदद की जैसे वॉटर कलर, ऐक्रेलिक, स्केचिंग, पोस्टर, डिजिटल पेंटिंग, क्राफ्ट और इंस्टॉलेशन।

ह्यूस ने कई संस्थानों में पूरे वर्ष कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया और जीता। जैसे IIT दिल्ली जहाँ हमारे सदस्यों ने टैटू मेकिंग, लाइव स्केचिंग और चारकोल स्केचिंग मे पदक हासिल किया, IIT मुंबई में उन्होंने कॉस्टयूम डिजाइनिंग में स्थान हासिल किया, और DU के कॉलेज जैसे JMC, SGGSCC, मैत्रेयी, ZHDC, दयालसिंह कॉलेज और अन्य जहां उन्होंने कॉस्टयूम डिजाइनिंग, पोस्टरमेकिंग, पोइट्रीइलस्ट्रेशन, डूडलिंग, स्केचिंग, कोलाज मेकिंग और कैनवास पेंटिंग जैसे कई इवेंट जीते।

आइरिस : फोटोग्राफी सोसायटी

गार्गी कॉलेज की फ़ोटोग्राफ़ी सोसाइटी 'आइरिस' युवा उत्साही फोटोग्राफरों का एक अनूठा समूह है जो अपने कौशल को प्रखर बनाने में और फोटोग्राफी की अपनी अलग शैलियों को विकसित करने हेतु प्रयासरत हैं।

हम अपने सदस्यों की प्रतिभा को विकसित करने के लिए कार्यरत हैं। इस दिशा में हम नियमित रूप से कार्यशालाओं का आयोजन पेशेवर फ़ोटोग्राफ़रों के साथ करते हैं जो हमारे तकनीकी कुशलता में वृद्धि करने में और विविद्ध प्रकाश, कैमरा सेटिंग तथा शैली के प्रयोग हेतु प्रेरित करने में सहायक होते हैं। हम दिल्ली एनसीआर भर में नियमित रूप से फोटो वॉक आयोजित करते हैं, जो आगे चल कर सैंकडों तस्वीरों के रूप में प्रकट होते हैं और यह सब फोटो हमारे कॉलेज फेस्ट, 'रेवेरी' के वार्षिक प्रदर्शनी में दिखाई जाती हैं।

वर्तमान में 'आइरिस' के 15 सदस्य हैं। डॉ. स्वाति श्वेता शिक्षक, संयोजक और तेजस्विनी, छात्र संयोजक के रूप में।

2019–2020 के सत्र के प्रारम्भ में, 'आइरिस' ने पेशेवर फ़ोटोग्राफ़र श्री विनीत गुप्ता, द्वारा एक बुनियादी फ़ोटोग्राफ़ी कार्यशाला का आयोजन किया। इसके बाद ऐतिहासिक स्मारकों, पुरानी और नई दिल्ली के बाजारों जैसे चांदनी चौक, पहाड़गंज, गाज़ीपुर फूल मंडी व निज़ामुद्दीन दरगाह आदि में अनेक फोटो वॉक आयोजित किए गए। आइरिस ने श्री कबीर द्वारा फोटोग्राफी के आख्यानों और धारणाओं पर एक कार्यशाला, श्री जावेद सैयद अज़गर द्वारा फ़ोटोग्राफ़ी की गहन तकनीकी पर एक कार्यशाला तथा सुश्री अंजली लोहिया द्वारा एक स्टूडियो लाइटिंग कार्यशाला भी कारवाई। फोटोवॉक के अलावा, हमने आउटडोर और इनडोर, दोनों, शूट का भी आयोजन किया, जहां आइरिस ने उन सभी तकनीकों का प्रयोग किया जिन्हें प्रॉप्स और लाइट्स का उपयोग करके सिखाया गया था।

इस वर्ष 'प्रिज़्म' का भी आयोजन फिल्म–मेकिंग सोसाइटी, ग्लास आई और फाइन आर्ट्स सोसाइटी, ह्यूज, के साथ मिल कर किया गया। 'मर्द', 'दीवार', 'हारा' व 'रोटी–कपड़ा–मकान' जैसी श्रेणियों के अंतर्गत किए गए कामों को प्रदर्शित किया गया। जहाँ आइरिस के सदस्य एक विषय के तहत तस्वीरें पेश करने के लिए एक साथ उपस्थित हुए। समारोह में गेम और समाज के सदस्यों द्वारा तस्वीरों का बहुरूपदर्शक प्रदर्शन था।

इन गतिविधियों के अलावा, आइरिस ने कॉलेज फेस्ट 'रेवरी' के दौरान दो फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जहां इसे एक आश्चर्यजनक प्रतिक्रिया मिली। आइरिस ने रेवेरी के दौरान भी 'la Expresíon' के विषय पर प्रदर्शनी लगाई, जिसमें एक दीवार पोट्रेट्स, दूसरी दीवार स्टूडियो और तीसरी अब्स्टैक्ट तस्वीरें प्रदर्शित हुईं। इस कार्यक्रम को एक शानदार प्रशंसा मिली। फ़ेस्ट सीज़न के दौरान हमारे सदस्यों ने विभिन्न कॉलेजों में भी प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाग लेने वाले अन्य सदस्यों को भी पहचान मिली।

क्षितिज : नुक्कड़ नाटक सोसायटी

'क्षितिज–गार्गी महाविद्यालय की नुक्कड़ नाटक समिति' की स्थापना वर्ष 2003 में की गई थी। यह समिति गतिशील युवा महिलाओं से बनी है, जो निडर होकर सामाजिक कुरीतियों और राजनीतिक मुद्दों के खिलाफ अपनी आवाज उठाने के लिए रंगमंच का उपयोग करती हैं। इस वर्ष का उनका नुक्कड़ नाटक, RA–वर्ण–VAAS (रावर्णवास), जातिवाद जो कि सदियों से इस देश में कुंडली मार कर बैठा है, के बारे में बात करता है तथा जो कि भारत के संविधान द्वारा समानता का प्रावधान करने के ७२ वर्षों के बाद भी प्रचलित है। जाति व्यवस्था का भार मानवीय आधारों पर मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हुए सबसे निचली जातियों पर पड़ता है। यह नाटक पूरे इतिहास पर केंद्रित है, दलित, बहुजन और आदिवासी समुदायों को हाशिए पर रखा गया है और उनके विद्रोह को शांत कर दिया गया है। क्योंकि यह समस्या अभी भी समाज में है इसलिए हमारा उद्देश्य है कि हम डॉ० बी०आर० अम्बेडकर के द्वारा बताए हुए तीन रास्तों पर चलें – समाज को शिक्षित करो, आंदोलन करो और समाज को संगठित करो।

आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय के नुक्कड़ नाटक की प्रतिस्पर्धा में क्षितिज को प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त हुआ तथा RA–वर्ण–VAAS (रावर्णवास) एक सफल नुक्कड़ नाटक के रूप में उभर कर सामने आया। हमारे इस नुक्कड़ नाटक ने शिवनादर विश्वविद्यालय, श्रीगुरुगोबिंद सिंह महाविद्यालय तथा राष्ट्रीय फैशन प्रोद्योगिकी संस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा, इसने जाकिर हुसैन कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वर्ष २०१८–१९ के वार्षिक नुक्कड़ नाटक, 'हालात २१' का चयन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सांस्कृतिक उत्सव पल्स (Pulse) के लिए किया गया था। क्षितिज ने इंडियन हैबिटेट सेंटर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हेल्थकेयर संगोष्ठी, एक दुर्गापूजा कार्यक्रम, आई एम टी ग़ाज़ियाबाद की नुक्कड़ नाटक प्रतिस्पर्धा फेबुला (Fabula) स्ट्रीटप्लेइवेंट, गाजियाबाद (सर्वश्रेष्ठ संगीत के लिए पुरस्कार) और मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर (प्रथमस्थान) में इस नाटक का सफल समापन किया। क्षितिज ने द एजुकेशन ट्री द्वारा आयोजित द दिल्ली कॉलेज अवार्ड्स समारोह में बेस्ट थिएटर सोसाइटी श्रेणी के लिए दूसरा रनर अप पुरस्कार भी जीता।

नाटक के दृश्यों को तीव्र करने के लिए जेम्बे, हारमोनियम, ढोलक, क्लैप बॉक्स और अन्य छोटे वाद्ययंत्र जैसे, मंजीरा, मराकस, बोंगो को बजाया जाता है। छात्रों द्वारा सुंदर दृश्यों को जोड़ने के लिए नाटक के विषय के अनुसार विभिन्न प्रकार की रंगमंच की सामग्री बनाई जाती है। क्षितिज हर साल महत्वपूर्ण और मूल्यवान मुद्दों को प्रकाश में लाता है और एक नाटक बनाता है जिसका उद्देश्य समाज में बदलाव लाना है। हम में से प्रत्येक समाज की एक मार्गदर्शक के रूप में से ज्ञान की क्षमता को अज्ञानता के अंधेरे को मिटाने के लिए प्रकाश की एक किरण के रूप में, हमेशा आगे रहेगा।

नज़ाकत– भारतीय नृत्य समिति

नज़ाकत भावों का प्रदर्शन इस खूबसूरती और उत्साह के साथ करती है कि वह इंसान की आत्मा को छू जाए। नज़ाकत एक समाज स्वयं प्रेरित नर्तकियों का समूह है जो भारत के शास्त्रीय और लोक नृत्यों का प्रदर्शन करता हैं। शानदार उपलब्धियों और आनंदमयी अनुभवों के साथ, नज़ाकत दर्शकों को चकित करने में कभी विफल नहीं होती है चाहे वह सिर पर 9 मटकों (भवाई) को संतुलित करना हो या ढोल (डोलू कुनिथा) के साथ मानव पिरामिड बनाना हो। प्रत्येक सदस्य ने बहुत लगन और निष्ठा के साथ, नजाकत डीयू के सभी प्रतिष्ठित कॉलेजों में विभिन्न पुरस्कारों को प्राप्त करने में

सक्षम रहा, जैसे कि श्री वेंकटेश्वर, दयाल सिंह, एसजीजीएससीसी, एसजीटीबी खालसा कॉलेज आदि में पहला स्थान और हंसराज, डीआरसी, जेएमसी आदि में दूसरा स्थान और इसलिए नजाकत डीयू समूह में शीर्ष तीन समितियों में से एक है।

सार्वजनिक और मीडिया संबंध सोसायटी

गार्गी कॉलेज की पब्लिक एंड मीडिया रिलेशंस सोसाइटी में 25 युवा लोग शामिल हैं, जो आपके लिए पूरे वर्ष 2 सबसे अच्छे उत्सवों का आयोजन करते हैं। यह दिल्ली विश्वविद्यालय सर्किट के दो सबसे बहु प्रतीक्षित कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इनमें जिस्तत्व – एन एस एस का सांस्कृतिक वार्षिक उत्सव और रेवेरी – महाविद्यालय का प्रसिद्ध वार्षिक उत्सव शामिल है।

2019 की जिस्तत्व टीम ने परवाज–ए–ख्वाहिश–अपने सपनों की उड़ान : थीम के साथ शुरूआत की। इस बार जिस्तत्वा से पहले प्री–जिटर्स में चुनरी लहराएं और जश्न–ए–सुर मुख्य आकर्षण थे।

इस तरह टीम ने 18 अक्टूबर 2019 को एक सफल कार्यक्रम का आयोजन किया।

सोशल मीडिया मंच पर गतिविधि को बढ़ाने और इवेंट को बढ़ावा देने के लिए, पीएमआर ने थीम के अनुसार विभिन्न आकर्षक और अभिनव सोशल मीडिया द्वारा प्रचार किया।

मीडिया पार्टनर जैसे डीयू बुलेटिन, द स्टूडेंट्स प्रेस, डीयू वाइब्स, लेनस्टैस्टिक कैप्चर आदि ने आयोजन की विभिन्न छवियों को अपने कैमरों में कैद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फेस्ट में 80+ स्टॉल थे और हर साल की तरह Bercos, Nirulas, एल्मा की बेकरी, किंग्स कुल्फी और बिग फैट सैंडविच जैसे लोकप्रिय ब्रांड मौजूद थे। प्रायोजक में 'ब्रूहाउस' द्वारा विशाल जनसमूह की पेय आवश्यकताओं के लिए भी एक स्टॉल था।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन इंडियन हैबिटेट सेंटर के निदेशक श्री सुनीत टंडन ने किया, इसके बाद गार्गी और गैर सरकारी संगठन (NGO) JAAV के छात्रों ने विभिन्न प्रदर्शन किए।

इस बार जिस्तत्वा उत्सव में रैप–बैटल और फ्लेयर–फिएस्टा द्वारा एक इंटर–कॉलेज फैशन शो के अलावा कनिका अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत शास्त्रीय ओडिसी नृत्य भी देखा गया।

''ला एक्सप्रेशियन : ह्यूस ऑफ यूफोरिया'' विषय के साथ रेवेरी 2020 उत्सव के लिए उत्साह विभिन्न ट्रेंडिंग सोशल मीडिया अभियानों, प्रचार वीडियो और प्री–जिटर्स रेवेरी के इंस्टाग्राम और फेसबुक पेज के रूप में शुरू हुआ।

4 फरवरी को, कोरियोग्राफी की रात में, कई डीयू कॉलेजों, पेशेवर नर्तकों ने अच्छा और सराहनीय प्रदर्शन किया, जिन्हें इवेंट की भावना को बढ़ावा देने के लिए भी बुलाया गया था। 5 फरवरी का दिन खुशी का दूसरा दिन था, जिसमें अगस्त्य, बैंड ने एक बहुत प्रशंसनीय प्रदर्शन किया। अंतिम दिन बहुत ही मिश्रित भावनाओं से भरा था। जब जुबिन नौटियाल ने अपने बहुप्रतीक्षित एकल का प्रदर्शन किया तो दर्शकों ने गुलाबी आँखें और तुझे कितना चाहें ओर जैसे गानों पर भरपूर नृत्य का आनंद लिया।

रेवेरी'20 उत्सव में 70+ स्टॉल थे, जिसमें Chicago Pizza, WAFL, Sardarji Baksh, Wanchai जैसे प्रसिद्ध ब्रांड और कई अन्य ब्रांड शामिल थे। इस साल कुछ नए लोकप्रिय प्रायोजकों जैसे लैंसकार्ट, काजो, मॉन्स्टर एनर्जी और पॉपएक्सओ के शामिल होने से गार्गी की गरिमा बढ़ी। चयनकन, द कैंपस मीडिया, हंस फोटोग्राफी, डीयू अपडेट्स और अन्य जैसे सहयोगी मीडिया पार्टनर के बिना इवेंट सफल नहीं हो सकता था।

दोनों इवेंट के लिए, इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर छात्रों का ध्यान आकर्षित करने के लिए महत्वपूर्ण साधनों की भूमिका निभाई है। टीम ने प्रचार के लिए स्नैपचौट लेंस को भी एक रचनात्मक प्रचार के रूप में प्रयोग किया।

हर साल, गार्गी में कार्यक्रमों के दौरान डीयू और पूरे दिल्ली–एनसीआर के लगभग 9,000 लोग आते है। इसके अलावा रेवेरी और जिस्तत्वा गार्गी के दोनों उत्सव दिल्ली विश्वविद्यालय सर्किट के सर्वश्रेष्ठ उत्सवों की श्रेणी में लगातार शीर्ष तीसरा स्थान बनाए हुए हैं।

विशेष योजना के कारण, इस वर्ष टीम Zistatva के इंस्टाग्राम अकाउंट (Zistatva_2019) पर 3000+ अनुयायियों और Reverie के इंस्टाग्राम अकाउंट (reverie–2020) पर 3000 + अनुयायियों और लगभग 6 लाख + इंप्रेशन्स को जीतने में सफल रहे।

पब्लिक एंड मीडिया रिलेशंस सोसाइटी, एक गैर–सांस्कृतिक और गार्गी विशिष्ट सोसाइटी, पूरे वर्ष लगातार काम करती है और इन उत्सवों के माध्यम से डीयू सर्किट में कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व महसूस करती है। प्रत्येक वर्ष, टीम स्वयं नए बदलाव लाती है और अव्यक्त अप्रत्याशित चुनौतियों पर काबू पाती है, साथ ही साथ सभी के लिए यादगार उत्सवों को आयोजित करने के प्रयास में उनसे मजबूत बनने के लिए प्रयास करती है।

टीम यह बताने में गर्व महसूस करती है कि वो डीयू सर्किट और साथ ही आगामी सदस्यों के लिए भी हर साल नए मानक सेट करती है। हमें यकीन है कि भविष्य के पीएमआर सदस्य भी पीएमआर की विरासत को बनाए रखेंगे और ऊंची उड़ान भरते रहेंगे।

पब्लिक एंड मीडिया रिलेशंस टीम अधिक कार्यक्रमों के लिए सदैव तत्पर है इस विचार के साथ – ''स्ट्रॉन्ग अलोन, अनस्टॉपेबल टुगेदर''।

समीक्षा : हिंदी वाद विवाद समिति

'समीक्षा' हिन्दी वाद विवाद समिति गार्गी महाविद्यालय की उन समितियों में से एक है जो अपना एक दशक पूरे कर चुकी है। जिस देश में पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक कभी हिन्दी का ही बोलबाला रहा हो वहां आज इस भाषा को अपने अस्तित्व के लिए जूझना पड़ रहा है। 'समीक्षा' के सभी सदस्य और शिक्षक अपनी लगन से इस प्रयास में जुड़े रहते हैं कि सभी को प्रेरणा और प्रोत्साहन प्रदान कर सकें जिससे सभी छात्राएं अपने वाचन कौशल से हिन्दी भाषा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं। 2019–2020 वर्ष में 'समीक्षा' द्वारा अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें पारंपरिक वाद–विवाद, समूहचर्चा, संसदीय वाद–विवाद, आशुभाषण प्रतियोगिता सम्मिलित हैं, साथ ही कई प्रकार की कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया। समीक्षा के सदस्यों द्वारा इस वर्ष एक नई पहल के रूप में ई–पत्रिका का सम्पादन व प्रकाशन किया गया। शैक्षिक वर्ष 2019–20 के बीते मास वाद–विवाद समिति हेतु उपलब्धियों से भरपूर रहैं है जिसके अंतर्गत 50 से अधिक पुरस्कारों की प्राप्ति हुई।

समरंजिनी : भारतीय संगीत सोसायटी

समरंजिनी, गार्गी कॉलेज की भारतीय संगीत समिति, कॉलेज के भीतर सभी सांस्कृतिक उत्सवों और अवसरों पर संगीत की विभिन्न शैलियों को एक साथ लाने में सक्रिय रूप से शामिल रही है।

वार्षिक नई रचना हर साल बनाई जाती है, जिसे समिति दिल्ली विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रदर्शित करती है। समरंजिनी, हमेशा से ही दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ संगीत समितियों में से एक रही है और अभूतपूर्व वैश्विक महामारी COVID–19 के कारण "फेस्ट सीज़न" में कटौती होने के बावजूद यह समिति 2019–2020 की प्रतियोगिताओं में अपनी विजयी लय को बनाए रखने में सक्षम थी। हर्ष का विषय है कि इस बार समरंजिनी ने गत वर्ष के अपने प्रदर्शन से बेहतर प्रदर्शन किया। समिति ने कई प्रसिद्ध कॉलेजों जैसे एलएसआर, एआरएसडी, जेएमसी, मोती लाल नेहरू (मॉर्निंग), ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज में विजयी स्थान ग्रहण किए और शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज में विशेष उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया। समिति के सदस्यों ने ज़ाकिर हुसैन, मैत्रेयी, हंसराज आदि प्रतिष्ठित कॉलेजों में कई एकल प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जहां उन्होंने अपना उचित श्रेय प्राप्त किया। सोसायटी ने विभिन्न आंतरिक आयोजनों में भी कला प्रदर्शन किया और यहां तक कि अपने विशिष्ट संगीत प्रदर्शन के लिए समरंजिनी को मार्च, 2020 में इंडियन हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आमंत्रित भी किया गया था।

स्पार्क्स : कोरियोग्राफी सोसायटी

स्पार्क्स, गार्गी कॉलेज की कोरियोग्राफी सोसायटी डीयू में शीर्ष नृत्य समितियों में से एक है। यह समकालीन, बैले और जैज़ जैसे विभिन्न नृत्य रूपों के माध्यम से विषयगत नृत्य को प्रदर्शित करता है। पॉलिश तकनीकों और अद्वितीय विषयों के माध्यम से समिति ने इसे प्रमुखता दी है। यह सिर्फ एक समिति नहीं बल्कि एक जीवन शैली है; सीखने के अवसरों, कड़ी मेहनत और मस्ती से भरी जीवन शैली। इस समिति का एक हिस्सा होने के नाते पूरे भारत में पेशेवरों और प्रतियोगिताओं के साथ विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से सबसे प्रामाणिक नृत्य रूपों के बारे में और अधिक जानने में मदद मिलती है।

इस साल की थीम "THE MALEDICTION" कुख्यात मेडुसा (सर्प सिर के साथ कुरूपा) की ग्रीक पौराणिक कथाओं के इर्द–गिर्द घूमती है और समाज की कठोर सच्चाई पर प्रकाश डालती है जहां बलात्कार हुई लड़की के प्रति कोई दवा या दया नहीं करता है।

एक बार जब हम प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन करना शुरू कर देते हैं, तो यह बहुत अधिक रोमांचक हो जाता है। विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रदर्शन करने के लिए यह उत्साहवर्धन का काम करता है। समिति विभिन्न बाहरी क्षेत्रों की यात्राओं के लिए जाती हैं जैसे बिट्स पिलानी, आईआईटी बॉम्बे और कुरुक्षेत्र। यह सब अनुभव समिति सदस्यों को समझदारी प्रदान करते हैं, आत्मविश्वास और टीम निर्माण सिखाते हैं। साथ ही बहुत सारे प्रमाण पत्र मिलते हैं जो भविष्य में बहुत मदद करने वाले साबित होते हैं। सदस्य हर साल प्रतिभाशाली नर्तकियों की विभिन्न नृत्य कार्यशालाओं में भी भाग लेते हैं। इससे हमें काफी अवसर प्राप्त होते हैं। इस तरह के प्लेटफॉर्म पर खुद का प्रतिनिधित्व करना समिति के लिए महत्वपूर्ण है। एक तरफ व्यक्तित्व निखरता है और बाहरी दुनिया के संपर्क में आने से इतने सारे नए दोस्त मिलते हैं और समिति के सदस्यों का विस्तार होता है। एक नए संसार से वे रूबरू होते हैं। यह समिति, जिसके साथ आप अपने दिन के कई घंटे बिताते हैं, जिससे आप प्यार करते हैं।

नए साल के साथ DU त्योहारों का मौसम और बहुत सारी जिम्मेदारियां आती हैं क्योंकि हर साल लगभग 18–20 प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन करते हैं का अवसर मिलता है। इसलिए यदि आप नृत्य करना पसंद करते हैं, तो स्पार्क्स एक ऐसी चीज है जो निश्चित रूप से आपके कॉलेज के जीवन को यादगार बना देगा।

क्यू.ई.डी. : अंग्रेजी वाद–विवाद सोसायटी

गार्गी कॉलेज के अंग्रेजी डिबेटिंग सोसायटी ने वर्ष 2019–20 में कई नयी ऊँचाइयों को छुआ। सोसायटी ने 30 अगस्त 2019 को अपने वार्षिक फ्रेश र्स कन्वेंशनल डिबेट का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 25 से अधिक टीमों ने भाग लिया और बहस का विषय था, "इस सदन का मानना है कि सोशल मीडिया ने दुनिया का लोकतांत्रिकरण किया है।" टीमों ने प्रस्ताव के पक्ष में और उनके खिलाफ अनुकरणीय तर्क प्रस्तुत किए। सोसायटी ने 6 फरवरी, 2020 को अपना टर्नकोट दिवस भी आयोजित किया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। सोसायटी की उपलब्धियाँ निम्नलिखित रही हैं–

- एंड्रिया कार्डोजा CBSPD'19 ने एक सहायक के रूप में क्वालिफाई किया और फाइनल तक स्थगित किया गया।
- खदीजा नाज सफ़वी और अफ़नान अलीम को समीक्षा–19 पर सर्वश्रेष्ठ सहायक घोषित किया गया।
- शेफाली जैन को सिम्क्शा–19 में दूसरे सर्वश्रेष्ठ सहायक के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- GGS Freshers' PD में, एग्रीमा, गार्गी और रियांशी की एक टीम ने 13 वें पद पर क्वालिफाई किया और प्री–क्वार्टर फाइनल तक बहस की।

- KMC Freshers' PD में, अदिति, अस्मिता और स्कंदा की एक टीम ने 6 वें स्थान पर क्वालिफाई किया और क्वार्टर फाइनल तक बहस की।
- अस्मिता, स्कंदा, और अग्रीमा से युक्त एक टीम डेब्यूटेंट–आईआईटी–दिल्ली के वार्षिक Freshers' PD के विजेता के रूप में उभरी।
- एंड्रिया कार्डोजा को डेब्यूटेंट–आईआईटी–दिल्ली के वार्षिक Freshers' PD में सर्वश्रेष्ठ सहायक के पुरस्कार से सम्मानित किया।
- अस्मिता, अदिति और रियांशी NSFPD'19 ने क्वालिफाई किया और सेमीफाइनल तक बहस की।
- अमरीन कोहली ने NSFPD'19 पर दूसरा सर्वश्रेष्ठ सहायक पुरस्कार प्राप्त किया।
- अफान और कुलथुम DDUC के वार्षिक PD में सहायक के रूप में क्वालिफाई किया।
- निवेदिता ने जेनिथ एसोसिएशन, गार्गी कॉलेज द्वारा आयोजित पारंपरिक बहस में पहला पुरस्कार जीता। उन्होंने जाकिर हुसैन कॉलेज और गांधी अध्ययन सर्कल में दूसरा पुरस्कार भी हासिल किया।
- शेफाली जैन और अमरीन कोहली ने DCAC की वार्षिक PD, मुकाबले में सहायक के रूप में क्वालिफाई किया।
- सलोनी सिंह को HRC BPD में दूसरा सर्वश्रेष्ठ सहायक पुरस्कार मिला।
- वैभवी ने NLUD PD'19 में एक सहायक के रूप में क्वालिफाई किया।
- वेदांशी खट्टर ने JDMC के वार्षिक PD, Axiom में एक सहायक के रूप में क्वालिफाई किया और सेमीफाइनल तक स्थगित कर दिया।
- गार्गी, मुस्कान और अस्मिता ने क्लंसै पदही च्व में क्वालिफाई किया और प्री–क्वार्टरफाइनल तक बहस की।

अंग्रेजी डिबेटिंग सोसायटी के सदस्यों ने वर्ष में 35 से अधिक संसदीय वाद–विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लिया, और आने वाले वर्षों में कड़ी मेहनत करते रहेंगे।

क्विलुमिनाती : अंग्रेज़ी सृजनात्मक लेखन समिति

क्विलुमिनाती, अंग्रेज़ी रचनात्मक लेखन संस्था, एक ऐसी संस्था है जो उभरते हुए लेखकों को एक साथ इकट्ठे हो कर अपनी प्रतिभा को बेहतर करने का अवसर प्रदान करती है। हर प्रकार के लेखक यहाँ आकर कार्यशालाओं, आपसी वार्तालाप, और प्रतियोगिताओं के द्वारा एक दूसरे को आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

क्विलुमिनाती केवल अपने लेखकों के लिए ही नहीं बल्कि उस माहौल के लिए भी जानी जाती है जिसमें हर प्रकार के लेखक बिना हिचकिचाहट के अपने विचार पेश कर सकें। हमारे सदस्य अक्सर नेसकफ़े में किताबे पढ़ते या अपनी अगली रचना के बारे में सोचते पाए जा सकते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जिनके मन में बात बात पर सुरीले शब्द उभरते हैं, तो आप को इस ही संस्था में होना चाहिए।

क्विलुमिनाती प्रतिवर्ष अपना 'पेनोरामा' नामक रचनात्मक लेखन उत्सव आयोजित करती है जिसमें विभिन्न कॉलेजों से लेखक व कवि लेखन और कविता प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमारा सौभाग्य रहा है कि हम प्रसिद्ध नारीवादी शख्सियत कमला भसीन और 'फ़ेमिनिज़म इन इंडिया' की संस्थापक जपलीन पसरीचा को 'अनसेंसर्ड', 'हिराएथ – एक घर की तड़प', व 'दरार' जैसे विषयों पर हमें संबोधित करने बुला सके। पिछले साल में ही हमारे सदस्यों ने अपने और दूसरे कॉलेजों में लेखन प्रतियोगिताओं में पुरस्कार हासिल किए हैं। बस यह ही नहीं, इनके लेखन विभिन्न पत्रिकाओं में भी प्रकाशित हुए हैं, जैसे कि "टीन बेल मैग्जीन", "हेडकैनन मैग्ज़ीन", "निम्फ्स् पब्लिकेशन", व "द मेपल ऐनथोलोजी"। इसके अलावा, हमारे सदस्यों ने ऑनलाइन ब्लॉग और वेबसाइट पर भी अपना नाम रचा है, जैसे कि 'फ़ेमिनिज़म इन इंडिया' और 'शी–द–पीपल'। फ़्रेशर्स के उत्सव पर मौखिक कविता का प्रदर्शन करने से 'पेनोरामा' पर 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की दीवार' बनाने तक क्विल्लुमिनाटी ने अपने शब्दों के माध्यम से अपनी छाप छोड़ी है।

हमारे हर सदस्य को अपनी प्रतिभा दिखाने और रचनात्मक प्रतिक्रिया के द्वारा अपनी कला को बेहतर करने का मौक़ा मिल सके, इसके लिए हम पूरे साल सामूहिक सभाएँ करते हैं। इसके अलावा, हम व्यावसायिक व विद्यार्थी कार्यशालाओं के द्वारा भी हमारे लेखकों को बढ़ने का अवसर देते हैं, ताकि वे अपने अभ्यस्त लेखन तरीक़ों से आगे निकल सकें।

अंततः, हम अपने सदस्यों को एक ऐसा मंच देते हैं जिससे उन्हें अपने शब्दों के माध्यम से समाज में बदलाव लाने की अपनी क्षमता का एहसास हो सके। क्विल्लुमिनाटी में कोई भी विचार और कोई भी शब्द छोटा या बड़ा नहीं, और हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि आलोचना व प्रोत्साहन दोनों के द्वारा हमारे सदस्यों की लेखन व कविता की कला विकसित हो कर सर्वोच्च शिखर तक पहुंच सके।

क्विज़िटो : प्रश्नोत्तरी समिति

क्विज़िटो हर किसी के लिए सुव्यवस्थित जानकारी का एक व्यापक संग्रह और ज्ञानवर्धन का एक उत्साहवर्धक साधन है। सोसायटी का उद्देश्य विभिन्न विषयों मेंक्विज़ में भागीदारी करके जिज्ञासा की संस्कृति को स्थापित करना है। क्विज़िटो सर्किट दिल्ली में सबसे अच्छी ऑल–गर्ल्स क्विज़िंग सोसायटी में से एक है।

2019–20 के शैक्षणिक वर्ष के दौरान क्विज़िटो द्वारा संचालित गतिविधियों की एक झलक यहाँ दी गई है:

जुलाई और अगस्त नए सदस्यों की भर्ती के साथ शुरू हुआ। सितंबर में, श्री सुमंत्र दत्ता के साथ सभी सदस्यों के लिए एक वर्कशॉप आयोजित की गई, जिन्होंने नए सदस्यों को क्विज़िंग का मूल ज्ञान सिखाया।

हमने वर्ष के लिए अपने पहले इंट्रा–कॉलेज क्विज़ लाइट्स, कैमरा, एक्शन नामक क्विज़ का आयोजन भी किया। इसके साथ ही, हमने मेला क्विज़ नामक एक अन्य क्विज़ का आयोजन किया, जो वर्ष का पहला इंटरकॉलेज इवेंट था।

इस वर्ष क्विज़ मास्टर अभिनव धर द्वारा हमारी वार्षिक रेवेरी क्विज़ की मेजबानी की गई।

हमारा वार्षिक क्विज़िंग त्यौहार हाई क्यू 5 और 6 मार्च, 2020 को आयोजित किया गया था, जिसमें 4 क्विज़ आयोजित किए गए थे – 5 तारीख को भारत क्विज़ हुआ था, इसके बाद हमारे जनरल क्विज़, और 6 तारीख को, एक फेम क्विज़ की मेजबानी की। क्विज़ मास्टर अमलान सरकार द्वारा बिज़टेक क्विज़ की भी व्यवस्था हुई थी। पूरे आयोजन में 120 से अधिक टीमों की भागीदारी देखी गई।

इस वर्ष हमने कॉलेज के साथ–साथ अन्य संस्थानों के साथ कई सहयोग किए। हमारे कुछ प्रमुख सहयोगी जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के साथ कैंपस में जयपुरिया क्विजलीग के क्षेत्रीय दौरे के लिए गए और फीनिक्स थीम पर छात्र सेघ द्वारा सेचालित मिस फ्रेशर्स क्विज के साथ भी सहयोग किया।

उपलब्धियां :

वर्ष के दौरान, क्विज़िटो को कई सम्मान मिले है। हमें रामानुजन कॉलेज में और जयपुरिया क्विजलीग में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। मोतीलाल नेहरू कॉलेज में दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ। हम दौलतराम कॉलेज, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज और कई अन्य जगहों पर भी फ़िनलिस्ट्स हुए। हम अगले साल भी अपनी सफलता जारी रखने की उम्मीद करते हैं।

अपस्टेज : अभिनय समिति

गार्गी महाविद्यालय की नाट्य संस्था, अपस्टेज,बहुत प्रभावी आवाज़ से निर्देशित संस्था है जो कला के प्रति प्रत्येक सदस्य की संवेदनशीलता और जुनून को आगे बढ़ाना चाहती है। सोसायटी अपनी कला के द्वारा सामाजिक मुद्दों पर नाटक का मंचन कर, समाज में जागरुकता एवं बदलाव लाने का प्रयास करती है।

'अपस्टेज' ने हमेशा मूल सोच और प्रयोग को प्रोत्साहित किया है, हम मानते हैं कि यह प्रामाणिकता अनिवार्य रूप से कला के और हमारे विकास में योगदान देगी।

इस साल, टीम को श्री प्रणव मुखर्जी (विख्यात नाटककार) के साथ काम करने का अवसर मिला। हमें उनके द्वारा "स्टिक्स / स्टिक्स, अनलाइ, अनकमेंट, अनशेयर" नामक नाटक के लिए निर्देशित किए जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

इस नाटक के तीन सार्वजनिक शो हुए, पहला मंडी हाउस में, जिसके बाद यह प्रतिरोध और अभिव्यक्ति का एक माध्यम बन गया और हमनें इसका प्रदर्शन नॉर्थ कैंपस की आर्ट्स फैकल्टी, शाहीन बाग और हमारे अपने महाविद्यालय में भी किया। हमने एक दस्तावेज भी तैयार किया जिसमें टीम द्वारा स्व–लिखित टुकड़ों में नाटक के सार एवं झलक को प्रदर्शित करने की कोशिश की गई है। इन सब में श्री प्रणव मुखर्जी ने हमारा मार्गदर्शन किया।

टीम द्वारा निर्मित इन–हाउस नाटक जिसे 'द होस्टेज' कहा जाता है जिसे ज़ौन टे के 'द सेंट' और जॉर्ज ऑरवेल के '1984' से प्रेरित होकर बनाया गया है। इस नाटक ने दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ ही अन्य स्थान पर भी बहुत ध्यान आकर्षित किया। 'द होस्टेज' ने एम्स में तथा एल.बी.एस.आई.एम द्वारका मे तीसरा स्थान और ज़ाकिर हुसैन (ई.) में दूसरा स्थान प्राप्त किया, जहाँ निकिता सामन्त को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (महिला) का पुरस्कार भी मिला। इस नाटक को रूट्स लाइव फेस्टिवल में, दीन दयाल उपाध्याय में उनके (डब्ल्यू डी सी) के लिए, सनबीम स्कूल वाराणसी और सेंट स्टीफेन्स एवं आई.आई. टी. के फाइनल में और विभिन्न अन्य कॉलेजों मे प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

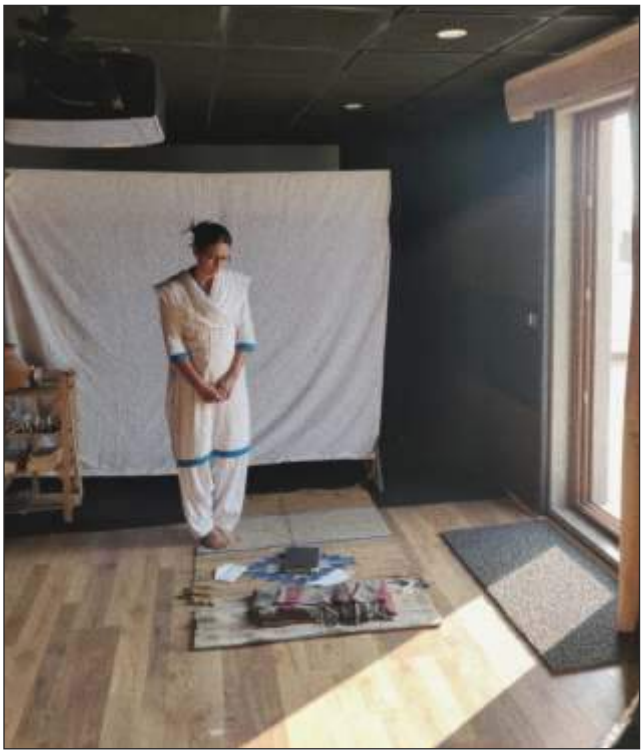

हमने गार्गी महाविद्यालय के वार्षिक थिएटर कार्यक्रम 'निवाकना' २० जिसकी थीम "अनन्त"20 थी, उसकी मेजबानी 6 फरवरी, 2020 को की। यह आयोजन कई मायनों में सफल रहा क्योंकि हमारे पास 2 अतिथि भी थे जिससे यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं रह गयी। अपितु एक सीखने का अनुभव भी बन गया। इस आयोजन को एक शानदार प्रतिक्रिया मिली। ७५ (75) से अधिक समूहों ने इसमें भाग लिया और ६ (6) समूहों ने फाइनल में जगह अपनी जगह बनाई। यह वर्ष बहुत समृद्ध, नए अन्वेषण और नवाचार से भरा था। हमें आशा है कि हम मौलिकता की भावना को बनाए रखेंगे एवं प्रयास करेंगे कि ना सिर्फ सोसायटी का बल्कि हमारे साथ जुड़ने वाले छात्रों का भी विकास हो।

सामाजिक पहुँच और जागरूकता

लोगों की आर्थिक रूप से सहायता करना हर किसी की पहुँच में नहीं होता। परंतु व्यक्तिगत रूप से कोई निश्चित तौर पर जरूरतमंद पर दया करके, बीमार के पास जाकर और किसी अकेले को सुकून प्रदान करके एक फरिश्ते का हृदय पा लेता है। गार्गी कॉलेज अपने युवा विद्यार्थियों को सिखाता है कि आत्म–पूर्ति का लक्ष्य अपने उत्तरदायित्व को समाज की ओर बढ़ाकर पाया जा सकता है, सर जगदीश चंद्र बसु के कथन के अनुसार ''याद रखें कि जब तक खुशी सबके लिए न हो तब तक किसी एक के लिए कोई खुशी नहीं हो सकती''। सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए उनकी उच्चतर आवश्यकताओं को पूरा करने के अवसर मुहैया कराते हैं। हमारे कुछ कार्यक्रम हैं :

अवनी : ईको क्लब समिति

अवनी – गार्गी कॉलेज की ईको क्लब समिति अवनी ने गत वर्ष ऐसी गतिविधियों का आयोजन किया जो कॉलेज परिसर में पर्यावरण के प्रति गहरी संवेदना विकसित करने में सहायक हों। इस वर्ष उद्घाटन व्याख्यान प्रो. वी के शर्मा (पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर, आपदा प्रबंधन, आईआईपीए) द्वारा दिया गया था। इस दौरान ईको क्लब के छात्रों ने एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की प्रतिज्ञा ली।

'ग्रीन इंद्रियाँः एक शैक्षिक परिसर सूची' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जहाँ छात्रों को सीएसई (विज्ञान और पर्यावरण केंद्र) द्वारा पांच प्रमुख अनुक्षेत्र : ऊर्जा, जल, अपशिष्ट, भूमि और वायु में परिसर में संसाधनों के सर्वेक्षण और ऑडिट के लिए प्रशिक्षित किया गया। ईको क्लब द्वारा आईक्यूएसी और बी.एल.एड. के सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। इको सर्वे करने पर पाँच समर्पित टीमों ने काम किया। इको–सर्वे के परिणाम अमृतसर में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय में सीएसई द्वारा आयोजित उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन में सुश्री साक्षी काबरा ने प्रस्तुत किए।

इको क्लब ने इस वर्ष जल संरक्षण की दिशा में कार्य किया। वर्षा जल संचयन सुविधाओं का भ्रमण डॉ. शशि त्यागी द्वारा किया गया। ईको क्लब की साक्षी काबरा ने स्टूडेंट्स को 'पर्सनल वॉटर ऑडिट' करने के लिए प्रशिक्षित किया। इको क्लब ने 19 जनवरी, 2019 को 'भोजन में मिलावट और हर्बल सौंदर्य प्रसाधन की तैयारी' पर 3 घंटे का 'व्याख्यान सह प्रदर्शन' कार्यशाला का आयोजन किया। गार्गी कॉलेज में स्टार कॉलेज योजना के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया गया। शिक्षकों द्वारा भोजन में मिलावट और हर्बल प्रसाधन सामग्री तैयार करने के लिए एक विशेष पुस्तिका तैयार की गई। छात्राओं को कार्यशाला के लिए संसाधन सामग्री के रूप में यह पुस्तक दी गई। कार्यशाला में विभिन्न पाठ्यक्रमों से गार्गी कॉलेज के 110 विद्यार्थियों की भारी भागीदारी देखी गई।

इको क्लब ने 20 फरवरी 2019 को दिल्ली में पर्यावरण मुद्दों पर व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान डॉ. सबाटा (वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, पर्यावरण विभाग, दिल्ली सचिवालय) ने दिया। व्याख्यान नें अपने परिवेश में पर्यावरण के मुद्दों के बारे में छात्राओं को एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि दी और उन्हें पर्यावरणीय सामयिक परेशानियों का समाधान पता करने के लिए मदद की। गार्गी कॉलेज परिसर में 'जैविक विविधता' को मापने के लिए पक्षी –निरीक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इको क्लब ने पौधा–वितरण अभियान, बाघ बचाओ अभियान और छात्रों के लिए काव्य लेखन सत्र भी आयोजित किये। ईको क्लब की छात्राओं ने कॉलेज के बाहर जलवायु जम्बोरी, पर्यावरण मंत्रालय द्वारा आयोजित ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण पर कार्यशालाएं, आई.जी.एन.सी.ए. में आयोजित इकोथोन और आइआइसी में आयोजित पर्यावरण फिल्म महोत्सव जैसे कई कार्यक्रमों में भाग लिया।

विविधता और समावेश का केन्द्र

गार्गी कॉलेज के विविधता और समावेश केंद्र की स्थापना, हमारे छात्रों में सक्रिय रूप से सहानुभूति पैदा करने के इरादे से जून 2020 में की गयी । इसके द्वारा उन्हें न केवल अपने साथियों की विविधता के बारे में जागरूक किया जाता है बल्कि उन्हें उस समुदाय के बारे में भी जानकारी मिलती है जहां वह निवास करते हैं । यह अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों की सर्वोत्तम प्रथाओं और हमारे द्वारा उनका अनुकरण करने की इच्छा रखने वाला एक मॉडल है, जो हमारे छात्रों को दुनिया के अच्छे नागरिक बनने के लिए तैयार करने की हमारी गौरवशाली परंपरा को ध्यान में

रखते हुए बनाया गया है। स्नातक स्तर के उपरांत वह जो भी क्षेत्र चुनते हैं, उसमें नेतृत्व करने के लिए तैयार करता है।

हम समाज का एक हिस्सा हैं जो लगातार विकसित हो रहा है और प्रकृति में अत्यधिक विविध है। ऐसे समय में, देश की प्रतिष्ठित और लोकतांत्रिक संस्थाओं, जैसे कि गार्गी, उन सभी विभिन्न अल्पसंख्यकों से सक्रिय प्रतिनिधित्व करने की आवश्यकता है जो उन्हें घर देते हैं। दुनिया भर में सबसे प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के बीच एक व्यापक रूप से स्वीकृत संरचना, विविधता केंद्र अपने संबंधित स्थानों में अल्पसंख्यकों की जरूरतों और चिंताओं पर ध्यान आकर्षित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करते हैं। अल्पसंख्यकों के लिए एक औपचारिक संरचना होने से उन्हें महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक बातचीत शुरू करने वाली घटनाओं को व्यवस्थित करने के लिए एजेंसी प्रदान करेगी। यह आगे कई दृष्टिकोणों को आमंत्रित करेगा, जिससे गार्गी के छात्रों को अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा। यह हमारे समाज में व्याप्त सामाजिक मुद्दों के बारे में उनकी समझ बढ़ाने के साथ उन्हें विकसित करने और सामूहिकता की भावना प्रदान करने में मदद करेगा। यह पहल एक सामान्य मंच के रूप में काम करेगी जो छात्रों को विभिन्न दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण मुद्दों को देखने में मदद करती है और अधिक समग्र रूप से उनके प्रति सहानुभूतिपूर्वक काम करती है।

हमारे पास कॉलेज में मौजूदा समाजों की संबद्धता का एक मॉडल है जो पहले से ही इस क्षेत्र में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं : समान अवसर सेलय सक्षम इकाईय नॉर्थ ईस्ट सोसाइटी और इजहार। उनके साथ–साथ हमने एक क्लब को भी संबद्ध किया है जो लैंगिक अभिविन्यास और संबंधित मुद्दों को संबोधित करना चाहता है – द व्हाइट रोज क्लब। जबकि मौजूदा समाजों में से प्रत्येक अपने व्यक्तिगत छात्र और शिक्षक समितियों के साथ स्वतंत्र रूप से काम करना जारी रखता है, यह केंद्र सामान्य छत्र होगा जिसके तहत हम सार्थक रूप से उन मुद्दों के साथ जुड़ सकते हैं जो हमारे छात्रों के लिए बहुत रुचि और महत्व रखते हैं और तदनुसार घटनाओं का आयोजन करेगी। व्यक्तिगत मतभेदों का जश्न मनाते हुए, हमारे सामान्य लक्ष्य को समन्वित करने के लिए यह हर साल एक सामान्य आयोजन करेगी। हमारा प्राथमिक उद्देश्य गार्गी के छात्रों और वास्तव में सभी हितधारकों को पूर्व अनुमान के बिना, स्वीकृति के लिए संवेदनशील बनाना है। यह केंद्र सभी सदस्यों के लिए एक सुरक्षित स्थान के रूप में कार्य करेगा, उनके मानसिक स्वास्थ्य को सुगम बनाने और उन्हें एक समग्र और सुखी जीवन प्राप्त करने में मदद करेगा।

यह हमारे सभी छात्रों के संवर्धन और सशक्तिकरण की दिशा में, हमारे कॉलेज की यात्रा में एक बहुत बड़ा मील का पत्थर है।

एनेब्लिंग यूनिट (सक्षमीकरण इकाई)

गार्गी कॉलेज की सक्षमीकरण इकाई ने कॉलेज के भीतर विक्लांग छात्राओं को सहायता प्रदान करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया। प्रत्येक विकलांग छात्र को एक खास दोस्त दिया गया जो जहाँ भी आवश्यक हो उसे महत्वपूर्ण सहायता प्रदान कर सके। सक्षमीकरण इकाई ने श्वेता घोष द्वारा एक बनाई गयी फिल्म की स्क्रीनिंग का आयोजन किया जिसका शीर्षक था 'ऐसेक्स'। सुश्री श्वेता घोष ने इस फिल्म में सौंदर्य, शरीर की छवि और यौन–बोध के मुद्दों पर चार महिलाओं की विकलांगता की यात्रा को दर्शाया है। सक्षमीकरण इकाई का वार्षिक उत्सव 26 मार्च 2019 को आयोजित किया गया। विकलांगों की देखभाल के मुद्दों पर आधारित फ्रांसीसी फिल्म 'इनटचेबलज़' का प्रदर्शन किया गया। अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के मानव अध्ययन स्कूल की प्रोफेसर अनीता घई ने 'विकलांग व्यक्तियों के संदर्भ में 'भिन्नता' एवं 'क्षमता' के मुद्दों पर भेदभाव पर विशेष व्याख्यान दिया। छात्राओं ने 'भिन्नता' और 'क्षमता' के मुद्दों की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन गैर प्रतियोगात्मक प्रारूप में किया जिससे 'क्षमता–प्रधान' शैक्षिक संस्कृति को चुनौती मिल सके।

इनेक्ट्स गार्गी

एनैक्टस एक वैश्विक गैर–लाभकारी संगठन है जो उद्यमशीलता की कार्रवाई के माध्यम से जीवन को बदलने के विचार के लिए प्रतिबद्ध है। एनैक्टस में, छात्र प्रोजेक्ट्स की मदद से सामाजिक परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। 2013 में स्थापित, एनैक्टस गार्गी, वर्तमान में 65 अंडर ग्रेजुएटों की एक टीम है, जो तीन परियोजनाओं – प्रोजेक्ट रचना, प्रोजेक्ट आगाह् और प्रोजेक्ट नींव को सफलतापूर्वक चला रही है।

प्रोजेक्ट रचना के तहत, एनैक्टस गार्गी झारसा, वसंतकुंज, पहाड़गंज, और फरीदाबाद की गरीब तथा दिव्यांग महिलाओं को रोजगार और आय के अवसर प्रदान करता है और उन्हें उपभोक्ता उत्पाद के अवशेष से उपयोगी वस्तुएं बनाने के लिए प्रशिक्षित करता है। प्रोजेक्ट रचना ने प्रत्यक्ष रूप से 310 से अधिक लोगों और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 908 लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों का विपणन विभिन्न कॉलेजों, कॉरपोरेट और बाजारों में स्टॉल के माध्यम से किया जाता है। इस प्रकार, महिलाओं को पुराने वस्त्रों के अवशेष से उपयोगी और विभिन्न उत्पाद बनाने के लिए प्रशिक्षण देकर, प्रोजेक्ट रचनाएँ स्थायी जीवनशैली सुनिश्चित करने के लिए एक कदम है।

प्रोजेक्ट आगाह के तहत, हमारा उद्देश्य समाज के वंचित वर्ग के युवाओं को ज्ञान प्रदान करना और उनकी नागरिक जागरूकता को प्रभावित करना है। हमने लिंग भेद को दूर करने का प्रयास किया है और कई अन्य लोगों के बीच मासूम ज़िंदगी एनजीओ और वरदान वृद्धाश्रम में सफलतापूर्वक कार्यशालाएं आयोजित की हैं। इस दृष्टिकोण के साथ, हम युवाओं को सक्रिय और जागरूक नागरिक बनाने का प्रयास करते हैं और उन्हें अपने स्वयं के उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

प्रोजेक्ट नींव के तहत, हमने मिट्टी के बर्तन बनाने की कला को संरक्षित और स्थिरता प्रदान करने की दिशा में एक कदम बढ़ाया है। अपने नवजात अवस्था में, इस परियोजना को कॉलेज में वर्ष 2019–2020 में कुल्हड़ के साथ प्लास्टिक के कप/ग्लास के प्रतिस्थापन द्वारा परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए शुरू किया गया था। प्लास्टिक मुक्त स्वस्थ परिसर के साथ, इस परियोजना का उद्देश्य कुम्हार समुदाय के लिए आजीविका प्रदान करना भी है। इस परियोजना के साथ, हम एक स्वस्थ टिकाऊ प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने के लिए एक कदम और आगे ले गए हैं।

हमने वार्षिक एनैक्टस फेस्टिवल, अरोहणम 3.0 का तीसरा संस्करण

भी आयोजित किया, जिसमें 65 से अधिक टीमों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। उत्सव का विषय क्लाइमेट एक्शन था और विशेषज्ञों ने कई प्रतियोगिताओं के साथ–साथ महत्वपर्ण मुद्दों पर अपने विचार साझा किए, जहां प्रतिभागियोंने सबसे अधिक प्रचलित जलवायु चिंताओं के समाधान खोजने के लिए विचार–विमर्श किया।

हमारे परिश्रम के साथ, एनैक्टस गार्गी का लक्ष्य उत्साह के साथ काम जारी रखना है, परिवर्तन को प्रेरित करना है और समाज के गरीब वर्गों का उत्थान करना है।

इक्वल औपरचुनिटी सेल (समान अवसर प्रकोष्ठ)

कॉलेज के इक्वल औपरचुनिटी सेल की स्थापना वर्ष 2010 में हुई थी। यह एक बहुविषयी समूह है जो समाज में वंचित समूहों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों के सम्बन्ध में, विद्यार्थियों को संवेदनशील बनाने के उदेश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। सेल प्रत्येक विद्यार्थी को समान मंच प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है तथा कॉलेज के दिव्यांग विद्यार्थियों की जरूरतों को विशेष रूप से पूरा करने के लिये प्रतिबद्ध है। सेल समानता तथा अवसरों तक की पहुँच को सुगम बनाने जैसे मुद्दों पर भी बल देता है।

सेल का उदेश्य

भिन्न रूप से सक्षम विद्यार्थियों को एक सुसाध्य परिवेश उपलब्ध करा के उन्हे सशक्त बनाना जिससे वह अपनी कठिनाईयों से ऊपर उठ कर अपनी क्षमता को पूरी तरह पहचान सकें। सेल के विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा विद्यार्थियों में क्षमता निर्माण करना जो समता, न्याय और समावेशी के मुद्दों से जुड़े विभिन्न परिप्रेक्ष्यों को समझने में उनकी मदद करता है।

सेल की गतिविधियां

उपर्युक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुये, सेल विभिन्न गतिविधियां करवाता है– जैसे व्यख्यान माला का आयोजन, अंतर –कॉलेज प्रतियोगिता जैसे पोस्टर बनाना, रंगोली, गायन, नृत्य इत्यादि का आयोजन साथ ही दिव्यांग विद्यार्थियों की मेंटरिंग।

2019–2020 के दौरान गतिविधियां

इस वर्ष सेल ने 6 अक्टूबर, 2019 को डॉ. सतीश मिश्रा, सीनियर फेलो, आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, का व्याख्यान "भारतीय संविधान में समानता की अवधारणा" शीर्षक पर करवाया। डॉ. मिश्रा ने भारतीय संविधान में समानता, समता और सामाजिक न्याय से सम्बन्धित विभिन्न प्रावधानों पर बल दिया तथा वर्तमान सन्दर्भ में उनका विश्लेषण किया। सेल ने भिन्न रूप से सक्षम विद्यार्थियों को एक सुसाध्य परिवेश उपलब्ध करा के उन्हें सशक्त बनाने में सहयोग दिया ताकि वे अपनी क्षमताओं को पहचान सकें।

गांधी अध्ययन मंडल

कॉलेज की गांधी स्टडी सर्किल की स्थापना वर्ष 2008 में हुई थी। इसके माध्यम से युवापीढ़ी द्वारा गांधी पर विचार–विमर्श, समीक्षा द्वारा फिर से गांधी के विचारो की प्रासंगिकता की ओर जाना था। गार्गी गांधी स्टडी सर्किल न सिर्फ कॉलेज के सभी समितियों में एक प्रसिद्ध सेल है बल्कि दिल्ली विश्वविद्यालय में भी यह अपनी सशक्त पहचान रखता है। यहाँ विद्यार्थी गांधीवादी सिद्धांत और व्यवहार का हिस्सा बन जाते हैं। स्टडी सर्किल विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा विद्यार्थियों, इसके सदस्यों और जो इसके सदस्य नहीं भी हैं दोनों को गांधी के अहिंसावादी विचारों के बारे में अवगत कराता है। स्टडी सर्किल ख्याति प्राप्त विद्वानों को कॉलेज में आमंत्रित कर उनसे गांधी तथा गांधीवादी चिंतन के पहलुओं पर व्याख्यान और चर्चा करवाता है जिससे युवा पीढ़ी में गांधीवाद से सम्बंधित मूल्यों और आदर्शों का संचार करवाया जा सके।

गांधी स्टडी सर्किल का उद्देश्य

- गांधीवादी मूल्यों और आदर्शो का संप्रेषण कर उनमें इनके प्रति विश्वास जगाना
- गांधीजी की सादगी और निर्स्वार्थता के सिद्धांतो पर बल देते हुए विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास
- महात्मा गांधी के कार्यो और दर्शन को समझना और उसे आत्मसात् करना
- विद्यार्थियों को गांधीवादी विचारधारा के प्रभाव और महत्त्व के बारे में शिक्षित करना तथा समकालीन समय में उनकी प्रासंगिकता से अवगत कराना

गांधी स्टडी सर्किल की गतिविधियाँ

गांधीवादी चिंतन और क्रिया को बढ़ावा देने के लिए, सर्किल विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करता है। जैसेः

- व्याख्यान मालाऔर पैनल चर्चा
- फिल्म और डाक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग
- पोस्टर बनाना, स्लोगन लेखन, क्विज डिबेट इत्यादि जैसे इंट्रा और इंटर कॉलेज प्रतियोगिता
- राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय तथा गांधी समाधि राजघाट की यात्रा
- गांधी पर पुस्तक और फोटो प्रदर्शनी
- स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान

वर्ष 2019–2020 की गतिविधियाँ

इस वर्ष की गतिविधियाँ गांधी जयंती समारोह से शुरू हुई जिसका आयोजन 27 सितम्बर, 2019 को किया गया। प्रो. सलिल मिश्रा, उप–कुलपति, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, ने "गांधी इन टुडेस वर्ल्ड" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

स्टडी सर्किल ने इंट्रा कॉलेज पोस्टर और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता 8 नवम्बर, 2019 को आयोजित किया। गार्गी की छात्रों ने इसमें बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

स्टडी सर्किल ने अपना वार्षिक फेस्ट 5 मार्च, 2020 को आयोजित किया। फेस्ट की शुरुआत प्रो. गिरिशवर मिश्रा, भूतपूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतराष्ट्रीय विश्वविद्यालय वर्धा, के व्याख्यान से हुई। प्रो. मिश्रा ने "महात्मा गांधीःसत्य और सत्याग्रह" शीर्षक पर बहुत ही सुन्दर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इसके पश्चात् अन्तर कॉलेज वाद–विवाद ,स्लोगन लेखन और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस वर्ष वाद–विवाद का शीर्षक था "आज के भ्रष्ट और हिंसक समाज में सत्याग्रह एक राजनीतिक रणनीति रूप में अव्यवहार्य है।" स्लोगन लेखन और पोस्टर प्रतियोगिता का शीर्षक था "महात्मा गांधीः सत्य और सत्याग्रह"। इन सभी प्रतियोगिताओं में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेज के छात्रों ने अच्छी भागीदारी दिखाई। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह वार्षिक फेस्ट काफी सफल रहा।

विपणन समिति

2013 में स्थापित, मार्केटिंग सोसाइटी का उद्देश्य विपणन प्रबंधन के क्षेत्र में 360 डिग्री का प्रदर्शन विकसित करना है। सोसाइटी का उद्देश्य अपने सभी सदस्यों में महत्वपूर्ण सोच और तर्क, विश्लेषणात्मक क्षमताओं और विपणन ज्ञान के कौशल को विकसित करना है।

विपणन के क्षेत्र में समसामयिक विषयों पर सोसाइटी अपने वार्षिक विपणन उत्सव, एलोहमोरा का आयोजन करता है। हमारे कार्यक्रमों में पैनलिस्ट के रूप में श्री सुहेल सेठ, श्री सुरजीत भल्ला, श्री दिलीप चेरियन, श्री सुधीर चौधरी, प्रो. पुष्पेश पंत और सुश्री नितिभा कौल जैसी

प्रतिष्ठित हस्तियों की मेजबानी करने की खुशी है। इन वर्षों में, इस फेस्टिवल में कई कॉलेजों के छात्रों की भारी भागीदारी देखी गई है, जो अपने मार्केटिंग कौशल का परीक्षण करने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल हैं।

सोसाइटी एबुलेंस–मार्केटिंग वीक का भी आयोजन करती है। पूरे सप्ताह ऑनलाइन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं और दिल्ली एनसीआर के छात्र इसमें उत्साह से भाग लेते हैं।

इस साल सोसाइटी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट–'tms.gargi' 'की स्थापना की, जिसकी भरोसेमंद और सूचनात्मक सामग्री एक त्वरित हिट बन गई। हमारे ऑनलाइन अभियानों 'AESTHETICS' ने बड़े पैमाने पर लोकप्रियता हासिल की और डीयू सर्किट में बड़े पैमाने पर सराहना और मान्यता प्राप्त हुई। कुछ ही समय में, सोशल मीडिया अभियानों और आकर्षक कहानियों के माध्यम से सोसाइटी ने 80,000+ की पहुंच हासिल कर ली है।

वर्ष में अर्जित हमारे ज्ञान का प्रदर्शन करने के लिए, सोसाइटी वर्ष के लिए स्थापित विषय के आधार पर अपने वार्षिक समाचार पत्र प्रकाशित करता है। समाचार पत्र को विभिन्न कॉलेजो में परिचालित किया जाता है, और लगातार सराहना प्राप्त हुई है। इस वर्ष डीयू अस्सिसिंस द्वारा सोसायटी को मार्केटिंग सोसाइटीज में दूसरा स्थान दिया गया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

एनसीसी एक कैडेट के समग्र व्यक्तित्व को आकार देने और अप्रत्याशित चुनौतियों के लिए जीवन के नए क्षेत्रों के लिए तैयार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गार्गी कॉलेज की एनसीसी इकाई न केवल युवाओं की मदद करने के लिए बल्कि बड़े कारण के लिए भी प्रतिबद्ध है, जैसे कि

SGT Ayushi Joshi during the Wreath laying ceremony at Amar Jawan Jyoti

देश की सेवा करने और इसे अधिक चुनौतीपूर्ण समय के लिए तैयार करने में मदद करना। यह संबंधित स्थलों पर फायरिंग, रॉकक्लाइंबिंग, पैराशूटिंग, ट्रेकिंग, फ्लाइंग, पैराग्लाइडिंग, स्नो स्कीइंग, पर्वतारोहण, नदी राफ्टिंग इत्यादि जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है।

उत्तर–पूर्वी सेल

गार्गी कॉलेज के उत्तर–पूर्व सेल का गठन मार्च 2018 में उत्तर पूर्व भारत के आठ राज्यों के छात्रों को एकीकृत करने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। समिति क्षेत्र की विविधता और समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने के लिए विभिन्न वार्ताओं और प्रतियोगिताओं कराने हेतु एक मंच तैयार करने का प्रयास करती है। यह लोगों के बीच, खास तौर पर कॉलेज के लोगों के बीच, इस क्षेत्र की कम जानी जाने वाली संस्कृतियों के प्रति जागरूकता फैलाने की भी इच्छा रखती है, ताकि ना सिर्फ कॉलेज में बल्कि समाज में भी इन संस्कृतियों और इन्हें अपनाने वाले लोगों के प्रति समझ और एकता का भाव पैदा हो। वर्तमान में गार्गी कॉलेज में उत्तर पूर्व से 14 शिक्षिकाएं और लगभग 120 छात्राएं हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस)

एन एस एस गार्गी, दिल्ली सर्किट की सबसे सक्रिय इकाईयों में से एक होने के नाते, अपने आदर्श वाक्य के तहत "नॉट मी, बट यू" के लिए सर्वोत्तम सेवा प्रदान की है, जो सामाजिक भलाई के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाती रहती है।

गार्गी कॉलेज की एन एस एस इकाई ने इस वर्ष चौदह सफाई अभियान चलाए और कॉलेज और उसके आसपास के क्षेत्रों को आधार बनाया। स्वच्छ भारत की भावना को जीवित रखने के लिए, एन एस एस स्वयंसेवकों ने यमुना नदी के तट पर स्वच्छता

अभियान में भाग लिया। इन अभियानों के अलावा, शाहपुर जाट गांव में संगोष्ठी, स्व प्रतिज्ञा, कपड़ा बैग वितरण अभियान, रैली और सफाई अभियान जैसी गतिविधियां "स्वच्छता ही सेवा" के तहत आयोजित की गईं। कुछ और स्वच्छता गतिविधियाँ जैसे पौधा रोपण और वितरण अभियान और पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, रचनात्मक लेखन और कचरे से बाहर निकलने जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी "स्वच्छता पखवाड़ा" के दौरान किया गया, जिससे प्रतिभागी अपने विचारों और रचनात्मकता को स्वच्छ और हरित भारत में शामिल कर सकें। अखबार, ड्राई स्नैक्स, सैनिटरी नैपकिन, भोजन और कपड़ों के दान जैसी क्रियाओं का भी पूरे साल लगातार आयोजन किया गया है।

एन एस एस गार्गी ने एन एस एस दिवस, गांधी जयंती, राष्ट्रीय एकता दिवस, मतदाता दिवस, गणतंत्र दिवस और पहले जैसे अवसरों को मनाने के लिए ओपन माइक, मूवी स्क्रीनिंग, स्वयं की देखभाल पर जागरूकता कार्यक्रम, प्रतियोगिताओं, शपथ लेने आदि जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया। आई पी सी की धारा 377 के विमुद्रीकरण की सालगिरह–इन घटनाओं ने लगातार विचारों के बेहतर आदान–प्रदान को आवाज दी है और स्वयं सेवकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के माध्यम से जागरूकता फैलाई है।

इसके अतिरिक्त, आठ समग्र कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें किसी के व्यक्तित्व, तनाव प्रबंधन, स्वस्थ संबंधों, नेतृत्व कौशल और सीलिंग सपनों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अलावा, एन एस एस स्वयं सेवकों ने भी कई व्याख्यान में भाग लिया, जैसे, iSAFE का शुभारंभ, सार्वजनिक कूटनीति पर व्याख्यान, अरुण जेटली पर स्मारक व्याख्यान, मतदान के अधिकार पर संगोष्ठी, सड़क सुरक्षा और सकारात्मकता और टाइड टर्नर कार्यशाला।

चुनावों के दौरान निर्वाचन और मतदान प्रक्रिया के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए SVEEP के सहयोग से कई सेमिनार, शपथ ग्रहण और प्रतियोगिताओं के साथ एक 'चुनावी सत्यापन कार्यक्रम' का आयोजन किया गया था। प्रमुख कार्यक्रमः रक्तदान शिविर और वार्षिक एन एस एस उत्सवः जिस्तत्वा ने इस साल जबरदस्त प्रतिक्रिया देखी, जहां 2 गैर सरकारी संगठनों ने प्रदर्शन किया और उत्सव में एक स्टाल भी लगाया गया। एन एस एस स्वयंसेवक विभिन्न एन जी ओ जैसे दि विद्या फाउंडेशन, कनेक्टिंग ड्रीम फाउंडेशन, द विद्या ज्योति प्रोजेक्ट, जे ए ए वी, इच्छाओं और आशीर्वाद, ए ए डी आई, चेशायर होम और एशियाड विलेज में छात्रों को पढ़ाने और अपने काम में निवासियों की सहायता करने के लिए भी काम करते हैं।

एन एस एस गार्गी ने इस सत्र में अलग–अलग तरीकों से प्रगति की है। इसने मानक तय किए हैं और अधिक ऊंचाइयां हासिल की हैं। पूरे सत्र के दौरान, स्वयं सेवकों ने एक तरह से या किसी अन्य तरह से वंचितों के उत्थान में खुद को व्यस्त किया है। मानवता की सेवा करने वाले कर्तव्यनिष्ठ, होशियार और आश्वस्त नागरिक पैदा करने की दृष्टि से, एन एस एस गार्गी सेवा के पवित्र कार्यों के माध्यम से हमेशा बड़े समाज तक पहुंचने का प्रयास करती है।

उन्मुक्ति, महिला विकास केन्द्र

गार्गी कॉलेज का नाम एक अत्यंत साहसी और सुशिक्षित महिला के नाम पर रखा गया है, जो लाजवाब करने वाले प्रश्न पूछने में निर्भीक थीं। उन्मुक्ति, महिला विकास केन्द्र (WDC) एक ऐसा स्थान है जो आज की औरत को स्वतंत्र, निर्भीक और गरिमामयी रूप में विकास करने की, उसकी क्षमता को सम्मानित करने का मौका देने के लिए प्रयासरत है।

हमारे कॉलेज का WDC स्नातक विद्यार्थियों के लिए लिंग और यौन आधारित विषमता, जो हमारे दिन–प्रतिदिन के जीवन की कठोर और तकलीफ देह सच्चाई बनी हुई है, इसके बारे में विचार करने, बात करने और इस पर काम करने के लिए एक गतिशील मंच है। विद्यार्थियों को लिंग भेद, लिंग–निर्धारण के बारे में सोचने और यह सोचने के लिए – कि लिंग भेद के नाम पर अपने ऊपर थोपे गए प्रतिबंधों से बाहर कैसे निकला जाए– सक्षम बनाने के अतिरिक्त, WDC साथ ही पारम्परिक रूप से जुडी हुई आंतरिक शिकायत समिति (यौन उत्पीड़न के खिलाफ), उन विद्यार्थियों को समर्थन और समाधान मुहैया कराती है जो विश्वविद्यालय के भीतर लिंग भेद आधारित उत्पीड़न का सामना करती हैं और इसका प्रतिरोध करती हैं।

WDC द्वारा मुहैया कराई जाने वाली सेवाएं गार्गी विद्यार्थी समुदाय के सभी सदस्यों के लिए उपलब्ध हैं, यह विद्यार्थियों को केंद्रीय टीम में सदस्यता लेने और 60 घंटे की गतिविधियों, विविध कार्यशालाओं, सेमिनारों, वार्ताओं, वाद–विवाद, चर्चाओं और क्षेत्र के दौरों (फील्ड ट्रिप) में सहभागिता करने के लिए भी उनका हार्दिक स्वागत करता है। हमारी समस्त गतिविधियां लिंगभेद की प्रकृति वाले बहुविध मुद्दों से जुड़ी हुई हैं, चाहे वे कानूनी हों, आर्थिक, सामाजिक या सांस्कृतिक हों। हमारा केन्द्र बिन्दु अनेक स्तरों पर अकादमिक अवसर और कौशल विकास प्रदान करने पर है। हम विद्यार्थियों को दिन प्रतिदिन के शारीरिक उत्पीड़न से कैसे निपटा जाए, इसके लिए सशक्त बनाते हैं, उदाहरण के लिए आत्म–रक्षा प्रशिक्षण के जरिए, जो हम दिल्ली पुलिस के सहयोग से मुहैया कराते हैं। हम बाल–उत्पीड़न, यौन–आधारित हिंसा और उत्पीड़न से बचने, पुलिस प्रक्रियाओं, कानूनी निवारण जैसे विषयों पर गहन कौशल–विकास कार्यशालाएं आयोजित करते हैं ताकि जब विद्यार्थियों के सामने ये चुनौतियां आएं तो वे इनका सामना करने के लिए अधिक संसाधन–सम्पन्न बन सकें।

हमारा बाहरी विद्यार्थी प्रकोष्ठ, दिल्ली के बाहर से आने वाली विद्यार्थियों – जो कॉलेज के नियमित निकाय का एक बड़ा हिस्सा हैं– को सहायता उपलब्ध कराता है, जिसमें दिल्ली शहर पर मार्गदर्शक पुस्तिकाएं, पेइंग गेस्ट आवास/होस्टलों पर सामग्री, स्वास्थ्य सुविधाएं और ऐसी ही अन्य सहायताएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्ति, हम लागत के आधार पर एक सेनीटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन के साथ–साथ कॉलेज की किसी भी सदस्या के बच्चों के लिए डे–केयर सुविधा का संचालन भी करते हैं जिन्हें ऐसी सेवाओं की आवश्यकता है।

केंद्र, अपने वार्षिक उत्सव के अलावा, अतिरिक्त (Add-on)/प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम (जैसे 'लिंगभेद और कानून') भी चलाता है जो पाठ्यक्रम के दायरे से बाहर अकादमिक अवसर प्रदान करता है। हमारी कार्रवाई–आधारित शोध परियोजनाएं, जैसे कॉलेज के आस पास के निकटवर्ती क्षेत्रों (Zone) का सेफ्टी ऑडिट, के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों को उन क्षेत्रों में, जिनमें से वे गुजरती हैं, बेहतरी लाने में मदद करने के अतिरिक्त–सहभागी विद्यार्थियों के लिए प्रकाशन योग्य लेखन को भी प्रोत्साहित करता है।

उन्मुक्ति विद्यार्थियों को आमंत्रित करता है कि वे एक विषम लैंगिक संसार में बदलाव (चाहे वह छोटा हो या बड़ा) लाने के अवसर का लाभ उठाने के लिए इसमें शामिल हों।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल

सदस्यों के आंतरिक प्रशिक्षण के विस्तार और सहभागिता के अवसरों का उपयोग और नई दिल्ली के बाहर के संस्थानों की IQAC टीमों से अनुभव प्राप्त करना।

- एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इम्पोर्टेन्स एंड इम्प्लीमेंटेशन ऑफ़ अकादमिक, एडमिनिस्ट्रेटिव, ग्रीन एंड जेंडर ऑडिट्सइन हायर एजुकेशनल इंस्टीटूशन्स' पर इको–क्लब के सहयोग से IQAC द्वारा शुरू किए गए 'इको–सर्वे' कार्य को शिवाजी महाविद्यालय, उदगीर, जिलाः लातूर (महाराष्ट्र) में 30–01–2020 को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC), बैंगलोर के सहयोग से आयोजित अपने कार्य की प्रस्तुति की गई। यह इको क्लब के छात्र–संयोजक द्वारा प्रस्तुत किया गया था और उसने सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता का पुरस्कार भी जीता। उन्होंने एक शोध पत्र के रूप में 'ग्रीन सेंस एट ए दिल्ली कॉलेज, इको–ऑडिट एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट' शीर्षक के रूप में कार्य प्रस्तुत किया।
- सभी हितधारकों से विस्तृत फेस–टू–फेस फीडबैक सुझाव लिया गया – संकाय सदस्य, प्रशासनिक कर्मचारी, प्रयोगशाला कर्मचारी, सहायक कर्मचारी ने संस्थागत विकास के साथ उनके प्रत्यक्षकार्य क्षेत्र में सुधार के लिए सुझाव दिए। IQAC टीम ने पिछले तीन वर्षों में अपने कार्य क्षेत्र और इसके प्रयासों को साझा किया। IQAC ने इन बैठकों से कई अंतर्दृष्टि को प्राप्त किया और भविष्य की उप–समितियों के गठन की योजना बनाई, जिसमें संस्थागत कार्यों के विभिन्न क्षेत्रों में एस ओ पी को अंतिम रूप देने में सभी हितधारकों को शामिल किया गया। यह संस्थागत निकाय में सुधार के लिए सभी हितधारकों और उनकी आकांक्षाओं के सुझावों को ध्यान में रखेगा।
- कर्मचारियों और छात्रों द्वारा जानकारी हेतु पारदर्शिता के लिए वेबसाइट समिति और मोबिक्वेल के साथ डिजिटल पहल का प्रयास किया गया था। उनकी प्रभावशीलता का पता लगाने के लिए पहल के परिणामस्वरूप कोर–ग्रुप द्वारा परीक्षण संबंधित ऐप विकसित की कोशिश की गई।
- भाषा लैब प्रस्ताव के लिए उप–समिति का गठन।
- अगले 12 महीनों में छात्रों और प्रशासनिक कर्मचारियों और एफडीपी के कौशल वृद्धि के लिए डिजिटल साक्षरता और वित्तीय साक्षरता के आयोजन के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए दिसंबर 2019 में आईसीटी अकादमी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। लॉकडाउन के दिनों के दौरान इसने छात्रों और शिक्षकों के लिए डिजिटल ज्ञान में निरंतर सीखने का अवसर प्रदान किया हैं। यह विभिन्न प्रारूपों के माध्यम से संकाय द्वारा ऑनलाइन शिक्षण के अतिरिक्त है।
- IQAC के छात्र–सदस्यों ने गार्गी कॉलेज की छात्राओं के 'संस्थागत विशिष्टता' परिप्रेक्ष्य की सुनिश्चिता के लिए इंस्टाग्राम पर एक अभियान चलाया।

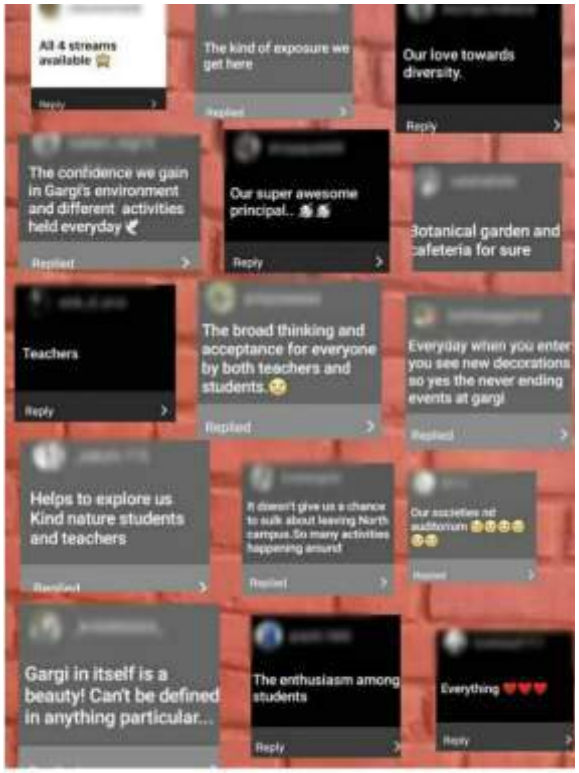

'Institutional distinctiveness of Gargi College' campaign on Instagram by student members.

प्लेसमेंट सेल

इस वर्ष कुल 94 कंपनियों ने भर्ती के अवसर प्रदान किए, अगस्त 2019 के महीने में ईवाई जीडीएस के आगमन के साथ। कुछ आने वाले संगठनों में डेलॉयट इंडिया, ईवाई इंडिया, केपीएमजी इंडिया, डीई शॉ, जेनपेक्ट, बैन एंड कंपनी, बायजू, प्राइस वाटर हाउस कूपर्स, इनशॉर्ट्स, आईटीसी होटल्स, मैक्वेरी बैंक और जोश टॉक्स जैसे बड़े कॉर्पोरेट नाम थे। डॉयचे बैंक सहित कई संगठनों ने पूर्व छात्राओं के बैचों के लिए प्लेसमेंट के अवसरों की पेशकश की। इस प्लेसमेंट सीज़न में उच्चतम पैकेज 20.5 एलपीए है, जो डीई शॉ समूह द्वारा की पेशकश की गई है, एक वैश्विक निवेश और प्रौद्योगिकी विकास फर्म है जिसके बाद लीडो लर्निंग और आईटीसी होटल्स हैं।

कुल 125 संगठनों ने छात्राओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए। आदित्य बिड़ला सन लाइफ, अशोका यूनिवर्सिटी, एसेक्स विश्वविद्यालय, एइगो पाठशाला, जोमाटो फीडिंग इंडिया और डाउटनट्यूट उनमें से कुछ थे। केपीएमजी ने पहली बार सीए आर्टिकलशिप के अवसर को अंतिम वर्ष के बैच के लिए बढ़ाया।

डेलॉयट यूएसआई ने कॉमर्स स्ट्रीम के पहले और दूसरे वर्ष के छात्राओं को अपने ग्रेजुएट स्कूल मेवरिक प्रोग्राम का हिस्सा बनने का अवसर दिया। इस वर्ष प्लेसमेंट सेल ने छात्राओं को कॉर्पोरेट जगत से परिचित कराने में मदद करने के लिए चार नई पहल की। कॉर्पोरेट कनेक्ट, हमारी पहली पहल छात्राओं को भर्तियों के लिए तैयार करने में मदद करना था। इनमें ग्रुप

डिस्कशन टिप्स, पर्सनल इंटरव्यू टिप्स आदि शामिल हैं। क्रैक द कोड, हमारी इंस्टाग्राम पहल ने सभी छात्राओं को प्रासंगिक युक्तियों के साथ विभिन्न प्रोफाइल के साक्षात्कार में महारत हासिल करने में मदद की। माइंड स्क्रिबल, हमारी व्हाट्सएप पहल छात्राओं के ज्ञान सेट को बढ़ाने और उन्हें अच्छी तरह से सूचित रखने के लिए थी। हमारी लिंक्डइन पहल सेल की सभी घटनाओं और कामकाज की वार्षिक रिपोर्ट को बनाए रखने पर केंद्रित है।

अवसंरचना और सुविधाएं

प्रेक्षागृह

कॉलेज के लिए गर का विषय है कि इसके पास अपना स्वयं का अत्याधुनिक प्रेक्षागृह है जो मुख्य तल और मैजेनाइन (रंगमंच के नीचे का तल) में व्याप्त 750 की बैठने के क्षमता सहित वास्तु की नफासत की पराकाष्ठा का नमूना है। प्राकृतिक प्रकाश से युक्त और मेज–कुर्सियों से सुसज्जित हवादार, विशाल पोर्टिका टयूटोरियल कक्षाओं के आयोजन के लिए एक शांत स्थल का काम करता है। प्रेक्षागृह का ब्लॉक पूरी तरह से वातानुकूलित है और सौर प्रकाशन उपकरणों से युक्त है।

जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा (बी.आई.एफ.)

गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के दो कॉलेजों में से एक इकलौता महिला महाविद्यालय है जिसमें जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा (बी.आई.एफ.) है (जिसकी अर्थव्यवस्था अनुरक्षण और संबद्ध व्ययों के लिए वार्षिक अनुदान के साथ डीबीटी द्वारा की जाती है)। विज्ञान की किसी भी विधा के स्नातक छात्र संकाय के मार्गदर्शन से जैव सूचना विज्ञान के प्रोजेक्ट कार्यान्वित कर सकते हैं।

बुक स्टोर

एक बुक शॉप जिसमें आकर्षक छूट प्रदान की जाती है, विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अध्ययन पुस्तकों के साथ–साथ स्टेशनरी उत्पादों से भी युक्त है। यह पुस्तकालय के रास्ते में स्थित है।

कम्प्यूटर प्रयोगशालाएं

विविध प्रकार के संशोधित और पुनःसंरचित पाठ्यक्रमों के लागू होने से 'कम्प्यूटर' स्नातक के विद्यार्थियों के अध्ययन का अभिन्न अंग बन चुका है। कॉलेज में वाई–फाई कनेक्टिविटी वाले 110 कम्प्यूटरों वाली तीन कम्प्यूटर प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों को उनके कम्प्यूटर संबंधी कौशल के संवर्धन के लिए और व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए अवसर मुहैया कराती हैं। ये प्रयोगशालाएं नियमित कक्षा समय के बाद कॅरियर संबंधी शिक्षा के लिए भी उपलब्ध हैं।

फूड कोर्ट

विद्यार्थियों का मनपसंद अडडा है, फूड कोर्ट, वहां है जहां एक्शन है। किफायती कीमतों पर प्रदान किए जाने वाले बहुत सारे स्वादिष्ट खानपान की वजह से, यह वो जगह बन चुकी है जहाँ हर विधा के विद्यार्थी मिलकर आपस में चर्चा करते हैं और चाय/कॉफी के कप से निकलती हुई भाप में गपशप करते हैं। यहाँ परोसे जाने वाले अनेक

व्यंजनों में शामिल हैं शीतल पेय, फ्रूट जूस, खस्ता स्प्रिंग रोल, मज़ेदार इडली, डोसा, मुँह में पानी लाने वाली पेस्ट्री, पेटीस, केक, बर्गर, समोसे और ब्रेड पकौड़े आदि।

कैंटीन एरिया में एक जल संरक्षण प्रणाली की संस्थापना की गई है। कैंटीन को एक अतिरिक्त फूड आउटलेट हैप्पीनेस कॉर्नर के निर्माण से नवीकरण और विस्तार प्रदान किया गया है। कैफेटेरिया के अहाते में एक नेस्कैफे कियोस्क भी स्थित है।

प्रयोगशालाएं / विज्ञान / प्रारंभिक शिक्षा / मनोविज्ञान

वनस्पति विज्ञान, रसायन शास्त्र, प्रारंभिक शिक्षा, सूक्ष्मजीव विज्ञान, भौतिकी, मनोविज्ञान और प्राणी विज्ञान की प्रयोगशालाएं न केवल विशाल हैं और अच्छी तरह से हवादार हैं बल्कि अनेक संसाधनों से युक्त भी हैं। इनमें से किसी भी प्रयोगशाला में काम करना एक आनंददायक अनुभव है। वनस्पति विज्ञान और भौतिक विभागों के लिए अलग से शोध प्रयोगशालाएं हैं जहां संकाय के सदस्यों द्वारा शोध किए जाते हैं।

शिक्षण साधन पाठ्क्रम केंद्र

WEBOPAC और यूजीसी इनफलिबनेट और डीयू लाइब्रेरी कैटलॉग की पहुंच की सुविधा इस वर्ष के दौरान भी जारी रही। पुस्तकालय संसाधनों और सुविधाओं की आसान समझ और ऑनलाइन पहुंच के लिए वर्ष के दौरान गार्गी लाइब्रेरी वेबसाइट http://www.gargicolg library.webs.com और ई–संसाधनों के ऑनलाइन उपयोग में भी वृद्धि हुई। मार्च 2018 में 617 किताबें और शामिल की गई, जिसमें परिग्रहण पुस्तकों की संख्या 74027 हो गयी। वर्तमान में पुस्तकालय में 217 सीडी की परिसंपत्ति है और 51 पत्रिकाओं और 10 समाचार पत्रों की सदस्यता ली गई है। ई–संसाधनों के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधन पैकेज भी है: लाइब्रेरी UGC-Infosnet के माध्यम से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक्स संसाधनों की सदस्यता लेती है जिसमें ई–संसाधन शामिल हैं– (6,000+इजर्नल्स और 31,35,000+ईबुक) और दिल्ली विश्वविद्यालय कनेक्टिविटी जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली शामिल है। इसमें संदर्भ स्रोत, ग्रंथ सूची स्रोत, सांख्यिकीय स्रोत, और पूर्ण पाठ स्रोत शामिल हैं। उपयोगकर्ताओं की मदद के लिए यह अधिक जानकारी के लिए उपलब्ध हैं। दिए गए संसाधनों के तहत इनका एक संक्षिप्त विवरण जैसे कि विषय कवरेज, खोज सुविधाएं, डेटाबेस सेवाएं, दस्तावेज श्रेणी इत्यादि उपयोगकर्ताओं की मदद के लिए उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए देखें http://www.du.ac.in/du/index.php?page=e-resources जोकि वर्तमान पुस्तकालय में वाई–फाई पुस्तकालय कंप्यूटर प्रयोगशाला में उपलब्ध है।

चिकित्सा कक्ष

विद्यार्थियों के लिए कॉलेज के समय के दौरान चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। एक चिकित्सा कक्ष है जिसमें विद्यार्थियों को मूल प्रथमोपचार प्रदान करने के लिए एक प्रशिक्षित नर्स रहती है। इसके अतिरिक्त, छात्राएं अपना स्वास्थ्य चेक–अप भी करा सकती हैं। योग्य चिकित्सकीय पेशेवरों द्वारा कॉलेज में नियमित चिकित्सा और दंत जांच की जाती हैं।

ओपन एयर थिएटर

हाल ही में ऑफिस ब्लॉक के पीछे एक ओपन एयर स्टेज का निर्माण किया गया जिसमें दर्शकों के लिए इसकी सटी हुई सीढ़ियों और इसके आस पास हरे भरे लॉन के रूप में पर्याप्त बैठने की उपलब्धता का प्रावधान किया गया। यह विभिन्न कार्यक्रमों और विशेषकर नुक्कड़ नाटकों के लिए विद्यार्थियों के लिए एक ओपन एयर थिएटर का काम करता है।

सेमिनार हॉल

प्रेक्षागृह के बिल्कुल साथ में 125 सीटों की क्षमता वाला एक शानदार सेमिनार हॉल है। इसे आधुनिकतम दृश्य–श्रव्य उपकरणों से युक्त किया गया है और इसका इस्तेमाल विभिन्न अकादमिक कार्यक्रमों की मेज़बानी के लिए किया जाता है।

विद्यार्थियों का कॉमन कक्ष : 'रिट्रीट'

कैफेटेरिया के निकट स्थित, विद्यार्थियों का कॉमन रूम रिट्रीट, वह स्थान है जहाँ विद्यार्थी, अपने दोस्तों से खुलकर बात कर सकते हैं और वरिष्ठ विद्यार्थियों से परस्पर संवाद कर सकते हैं। यह उन्हें कॉलेज के जीवन को समझने और कैंपस से रूबरू होने में मदद करता है, जो तीन सालों के लिए उनका दूसरा घर हो जाता है। विद्यार्थियों का अपना स्थान–रिट्रीट सदैव अपने दरवाज़े सभी विद्यार्थियों के लिए खुले रखता है।

विद्यार्थी यूनियन कक्ष

गार्गी कॉलेज की विद्यार्थी परिषद विद्यार्थियों में लोकतंत्र के मूल्यों को स्थापित करने के लिए एक प्रभावी कदम है। जनरल बॉडी प्रतिवर्ष एक नई परिषद का चुनाव करती है जो विद्यार्थियों का, विद्यार्थियों के लिए, विद्यार्थियों के द्वारा होता है।

विद्यार्थियों का यूनियन कक्ष 'मुख्यालय' है जहाँ से सामूहिक छात्र निकाय के निर्णयों को कार्यान्वित किया जाता है – साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लेकर विभागीय फेस्टिवल और कॉलेज के सबसे बड़े उत्सव 'रेवरी' तक। विद्यार्थी कक्ष केवल कुछ चुनिंदा विद्यार्थियों का स्थान नहीं है, बल्कि यह सभी विद्यार्थियों के लिए उनके मत और विचार प्रकट करने का एक खुला मंच है।

विद्यार्थियों के लिए शोध परियोजनाएं

गार्गी पाथफाइंडर पुरस्कार

गार्गी मार्गदर्शक पुरस्कार विज्ञान, वाणिज्य तथा मानविकी विधाओं में विद्यार्थियों में शोध और अभिनव प्रयोजनों को प्रोत्साहित करने हेतु दिए जाते हैं। प्रतियोगिताओं को मूल परियोजना संकाय के पर्यवेक्षक द्वारा निर्देशित एवं प्रमाणित मूल प्रति के रूप में जमा करना होता है। इसे श्रव्य–दृश्य प्रस्तुतीकरण के माध्यम से तटस्थ जजों के सन्मुख प्रस्तुत करना होता है जिसके पश्चात् मौखिक परीक्षा होती है। यह पुरस्कार स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की मौलिकता और अभिनव भावना को प्रोत्साहित करता है। कठिन प्रक्रिया के बाद तीनों विधाओं के विद्यार्थी अपने विचारों को रखते हैं, जिन्हें उन विषयों पर शोध के लिए प्रेरित किया जाता है। मानविकी, वाणिज्य तथा विज्ञान में दिया जाने वाला यह नगद सह–प्रमाण–पत्र पुरस्कार है। प्रतिभागी व्यक्तिगत तौर पर या टीम के रूप में महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर अपने मूल शोध जो विशेष विषयों पर हो, उसे प्रस्तुत कर सकते हैं। वे अभिनव व्यावसायिक प्रस्तावों या नए वैज्ञानिक अनुप्रयोगों को भी प्रस्तुत कर सकते हैं। विस्तृत ब्यौरा महाविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध कराया जायेगा।

बायोइन्फॉर्मेटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर फेसिलिटी (BIF)

गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय दो कॉलेजों में से एक है और एकमात्र महिला कॉलेज है जिसमें बी.आई.एफ. (BIF) है (डीबीटी द्वारा वित्त पोशित) यह सुविधा देश के शीर्ष पाँच स्नातक स्तर के महाविद्यालयों में से एक गार्गी कॉलेज को प्राप्त है। यह प्रयोगशाला अब डायबिटिक नेफ्रोपेथी के इलाज के लिए एक थेराप्यूटिक टारगेट करने के लिए पलेवोनिक और गैर पलेवोनिक कंपाउंडों की टपतजनंस स्क्रीनिंग पर केन्द्रित है। विज्ञान विधा के विद्यालयों को उनके नियमित अध्ययन–क्रम के साथ–साथ इनसिलिको आधारित शोध प्रोजेक्टों पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इससे उनके जैव सूचना विज्ञान कौशकों में सुधार होता है और उनके क्षितिज को व्यापक बनाने में मदद मिलती है।

पुरस्कारों की सूची

गार्गी कॉलेज शिक्षा के साथ अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाली छात्राओं को अनेक अवसर प्रदान करता है। छात्राओं को विभिन्न कौशल, आत्मविश्वास, और अनुभव प्राप्त करने में मदद करने के लिए हमारा निरंतर प्रयास रहता है ताकि कॉलेज से स्नातक होने के बाद वे अपने चयनित कॅरियर पर चल सके। हर साल वार्षिक दिवस पर, हम छात्राओं की उपलब्धियों को पुरस्कार और छात्रवृत्ति के माध्यम से सम्मानित करते हैं।

निम्नलिखित प्रतिष्ठित पुरस्कार और छात्रवृत्तियां हैं जिसके लिए छात्राएँ प्रतियोगिता करती हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ देती हैं :

बेस्ट ऑल राउंडर अवार्डस

सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंडर पुरस्कार, तीनों विषयों अर्थात विज्ञान, मानविकी और वाणिज्य प्रत्येक में दिया जाता है। ये छात्राओं के लिए अत्यधिक प्रतिष्ठित पुरस्कार हैं जोकि शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी तथा कॉलेज जीवन काल में महत्वपूर्ण योगदान को पहचानता है। कॉलेज की सभी छात्राएँ अपने विभागों के माध्यम से इस पुरस्कार के लिए आवेदन करने की पात्र है। सबसे योग्य उम्मीदवार का चयन करने के लिए कई स्तरों पर छानबीन की जाती है। अंतिम निर्णय, इसके लिए विधिवत गठित समिति द्वारा लिया जाता है।

बेस्ट ऑलराउंडर अवार्ड (विज्ञान) अंतिम वर्ष की उस छात्रा को प्रस्तुत किया जाता है जो कि बॉटनी, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, फिज़िक्स, ज़ूलॉजी, बी.एससी. जीवन विज्ञान, और बी.एससी. भौतिक विज्ञान के विभागों में सर्वश्रेष्ठ ऑल–राउंडर चुनी जाती है।

बेस्ट ऑलराउंडर अवार्ड (मानविकी) अंतिम वर्ष की उस छात्रा को प्रस्तुत किया जाता है जो कि बी.ए. प्रोग्राम, बिजनेस इकोनॉमिक्स, इकोनॉमिक्स, एलीमेंट्री एजुकेशन, इंग्लिश, हिंदी, इतिहास, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, मनोज्ञिान और संस्कृत के विभागों में सर्वश्रेष्ठ ऑल–राउंडर चुनी जाती है।

बेस्ट ऑलराउंडर अवार्ड (वाणिज्य) अंतिम वर्ष की उस छात्रा को प्रस्तुत किया जाता है जो कि बी.कॉम. ऑनर्स और बी.कॉम. प्रोग्राम के विभागों में सर्वश्रेष्ठ ऑल–राउंडर चुनी जाती है।

लांग स्ट्राइडर अवार्ड

लांग स्ट्राइडर अवार्ड, महाविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ अल्यूमनी को दिया जाता है जिसने गार्गी कॉलेज से स्नातक होने के बाद दस वर्षों में अपने संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट सराहनीय प्रदर्शन किया हो। यह पुरस्कार, इस अवधि में उम्मीदवार द्वारा की गई शोध की सामाजिक सार्थकता और क्षमता का अवलोकन करता है।

गार्गी पाथफाइंडर पुरस्कार

महाविद्यालय द्वारा स्थापित गार्गी पाथफाइंडर पुरस्कार, संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन के अंतर्गत छात्राओं द्वारा किए गए मूल शोध को प्रोत्साहित करता है। स्वयं या टीम में, प्रतियोगी मूल परियोजनाएं प्रस्तुत करता हैं।

इसकी बाहरी निर्णायकों की भागीदारी के माध्यम से गहन स्क्रीनिंग की जाती है। छात्राएं स्वयं महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों, नवीन व्यवसाय प्रस्तावों या नए वैज्ञानिक प्रयोगों पर शोध करती हैं। बाहरी निर्णायकों के एक पैनल के समक्ष अन्य मीडिया के माध्यम से शोध को प्रस्तुत किया जाता है, जैसे कि पावर प्वाइंट, फिल्म और कलात्मक उत्पादन। इसके बाद मौखिक परीक्षा और फिर परिणामों की घोषणा की जाती है। यह पुरस्कार प्रत्येक तीन विषयों में अर्थात् मानविकी, वाणिज्य और विज्ञान में दिया जाता है। यह पुरस्कार कॉलेज के सभी छात्रों के लिए खुला है।

शैक्षिक पुरस्कार

जो छात्र प्रत्येक कक्षा में उच्चतम अंक अर्जित करते हैं, उन्हें उनकी शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए प्रमाण पत्र और पुरस्कार दिए जाते हैं। इसके अलावा, कई विषय हैं जहां प्रतिभाशाली छात्रों के लिए शैक्षणिक पुरस्कार और मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की स्थापना की गई है।

एक्स्ट्रा–करिकुलर एक्टिविटीज़, स्पोर्ट्स, एन.एस.एस. और एन.सी.सी. में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार

एक्स्ट्रा–करिकुलर एक्टिविटीज़, स्पोर्ट्स, एन.एस.एस. और एन.सी.सी. में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार भी छात्राओं को उनकी विभिन्न उपलब्धियों के लिए साल भर दिए जाते हैं।

चौतरफा प्रगति के लिए ऑनलाइन पहल

1. जूलॉजी विभाग ने कोविड–19 की वर्तमान वैश्विक महामारी पर एक राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला की मेजबानी की।

   व्याख्यान 1 : सुनिए सीनियर्स, इस लॉकडाउन के दौरान और इसके बाद घर पर खुश और स्वस्थ रहें, डॉ प्रसून चटर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ जेरियाट्रिक मेडिसिन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), नई दिल्ली (संस्थापक अध्यक्ष हेल्दी एजिंग इंडिया), 01 मई 2020।

   व्याख्यान 2 : डॉ अनूप अग्रवाल, सलाहकार, ICMR, नई दिल्ली द्वारा 'कोविड–19 में इम्यूनोथेरेपी', 02 मई 2020।

   व्याख्यान 3 में : 'ये परीक्षा की घड़ी है', डॉ तरुण भटनागर, वैज्ञानिक ई, आईसीएमआर – नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी, चेन्नई, 05 मई 2020।

2. ऐड–ऑन कोर्स समिति, गार्गी कॉलेज ने 09 मई 2020 को कोविड–19 : चुनौतियों में संभावनाओं की तलाश पर एक वेबिनार की मेजबानी की जिसमें विशेषज्ञों की एक टीम सुश्री ईशा गुहा, वरिष्ठ वी पी, क्रिटिक कम्युनिकेशन (पी) लिमिटेड; श्री संजीव रंजन, संस्थापक AIIMBM; श्री उपकार जोशी, संस्थापक भागीदार, एसेंट कैपिटल और श्री वरुण सहाय, एवीपी, मार्केट इनसाइट्स, कडेंस इंटरनेशनल शामिल हुए।

3. वनस्पति विज्ञान विभाग, गार्गी कॉलेज ने 11 मई 2020 को डॉ अर्पिता कौल द्वारा 'वर्चुअल क्लासेस टूल्स : गूगल क्लास रूम, गूगल मीट एंड यूट्यूब' पर एक वेबिनार की मेजबानी की।

4. इजहार, मानसिक स्वास्थ्य पहल, मनोविज्ञान विभाग, गार्गी कॉलेज ने डॉ दिव्या पाराशर, नैदानिक और पुनर्वास मनोवैज्ञानिक द्वारा 13 मई 2020 को 'आशा का निर्माण और अनुकूलन, लॉकडाउन के बाद जीवन' पर एक वेबिनार की मेजबानी की।

5. मनोविज्ञान विभाग, गार्गी कॉलेज, ने कोविड–19 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य देखभाल पर वेबिनार की एक अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय श्रृंखला की मेजबानी की।

   व्याख्यान 1 : ''महामारी के दौरान चिंता और अनिश्चितता से निपटने के लिए रणनीति'' पर सुश्री नीता रामचंद्रन, साइकोथेरेपिस्ट (तर्क संगत इमोशन बिहेवियर), फाउंडर Alt Mind Shift, मुंबई द्वारा, 15 मई 2020।

   व्याख्यान 2 : 'कोविड–19 के समय में पारस्परिक जुड़ाव', डॉ अमित सेन, निदेशक, वरिष्ठ बाल एवं किशोर मनोचिकित्सक, चिल्ड्रन फर्स्ट, नईदिल्ली, 18 मई 2020।

   व्याख्यान 3 : 'हेल्पिंग पीपल मैटर : कोविड–19 युग में स्वास्थ्य सुधार रणनीतियाँ' , प्रो. इसहाक प्रिलिस्तेंस्की, इंस्टीट्यूशनल कल्चर के लिए प्रोवोस्ट, एरविन और बारबरा माउटनर चेयर कम्यूनिटी वेलिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी, यूएसए, 20 मई 2020।

6. गार्गी कॉलेज लाइब्रेरी ने 16 मई 2020 को 'संकाय और शोधकर्ताओं के अनुसंधान की गुणवत्ता सुधार और विस्तार' पर एक राष्ट्रीय वेबिनार की मेजबानी की, जिसमें प्रोफेसर रमेश सी.गौर, डीन और निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कलाकेंद्र, संस्कृति मंत्रालय और श्री राजेश सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय, शामिल हुए।

7. रसायन विज्ञान विभाग, गार्गी कॉलेज ने 21 मई 2020 को डॉ. रोहित भाटिया, संयुक्त सलाहकार, राष्ट्रीय संसाधन शिक्षा केंद्र, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान और प्रशासन द्वारा 'ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज' पर एक वेबिनार की मेजबानी की।

8. माइक्रोबायोलॉजी विभाग, गार्गी कॉलेज ने एक वेबिनार सीरीज की मेजबानी की :

व्याख्यान 1 : 'बौद्धिक संपदा अधिकार–एक बहुआयामी अवसर' पर डॉ. चित्रा अरविंद (लेक्सआईपी केयर, गुड़गांव में पार्टनर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंडरिसर्च) द्वारा, 23 मई 2020।

व्याख्यान 2 : 29 मई 2020 को डॉ तवप्रितेश सेठी (इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली में कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी के असिस्टेंट प्रोफेसर) द्वारा 'फाइटिंग पैंडेमिक थ्रू ऑर्टिफिशल इंटेलिजेन्स' पर वेबिनार की मेजबानी की।

9. राजनीति विज्ञान विभाग ने गार्गी कॉलेज ने 22 मई 2020 को 'भारत में महामारी, कानून और राज्य की प्रतिक्रियाएँ : एक नागरिक के परिप्रेक्ष्य में' पर एक वेबिनार की मेजबानी की जिसमें प्रो. उज्जवल कुमार सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय और प्रोफेसर अनुपमा रे, सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, जेएनयू शामिल हुए।

10. शारीरिक शिक्षा विभाग, गार्गी कॉलेज ने 'इस परीक्षा के समय में बिल्डिंग इम्युनिटी' के एक भाग के रूप में एक वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया जिसका विषय था 'स्टेइंग सेंटर्ड, स्टेइंग मोबाइल एंड स्टेइंग नरिशड'।

व्याख्यान 1 : 'ध्यान और प्राणायाम की मदद से डटे रहना', डॉ विक्रम सिंह, (जेएनयू) द्वारा, 23 मई 2020।

व्याख्यान 2 : 'जीवनशैली गत फेरबदल से सक्रिय रहना, डॉ सोनिया शालिनी (फिटनेस उत्साही और एसोसिएट प्रोफेसर, आईजीआई पी ईएस, दिल्ली) द्वारा, 25 मई 2020।

व्याख्यान 3 : 'सही आहार से पोषित रहना', डॉ सीमापुरी (पोषण विशेषज्ञ और एसोसिएट प्रोफेसर, खाद्य और पोषण विभाग, IHE), 29 मई 2020।

11. IQAC, गार्गी कॉलेज ने 17 और 18 जून, 2020 (चार सत्रों के तहत) 'प्रशासन के लिए संस्थागत गुणवत्ता उपाय' पर 2 दिवसीय वेबिनार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

12. IQAC के तत्वावधान में रसायन विज्ञान विभाग, गार्गी कॉलेज ने 21 जून, 2020 को सत्यम योग दर्शन सेवाश्रम के संस्थापक सचिव योगाचार्य मुकेश जी द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' पर एक वेबिनार आयोजित किया।

13. जूलॉजी विभाग, गार्गी कॉलेज ने 5 अगस्त, 2020 को पुणे के आईआईएसईआर के फैकल्टी डॉ. सत्यजीत रथ द्वारा 'कोविड–19 की इम्यूनोलॉजी' पर एक वेबिनार आयोजित किया।

14. वेबसाइट समिति और IQAC, गार्गी कॉलेज ने ऑनलाइन शिक्षण की प्रथाओं के प्रतिक्षमता निर्माण और प्रतिबिंब के लिए 17 से 21 अगस्त 2020 तक एक कार्यशाला का आयोजन किया, "गार्गी कॉलेज आभासी शिक्षा शास्त्र : उपकरण, तकनीक और वाद–विवाद, गार्गी कॉलेज के शिक्षकों के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यशाला"।

15. जूलॉजी विभाग, गार्गी कॉलेज ने 22 अगस्त, 2020 को डॉ धीरेंद्र सिंह यादव द्वारा 'आपराधिक जांच में कीट विज्ञान' पर एक वेबिनार आयोजित किया।

16. गणित विभाग, गार्गी कॉलेज ने 25 सितंबर, 2020 को अपराह्न 3:00 बजे 'सूचना : साजिश और ब्याज का खजाना' विषय पर एक वेबिनार की मेजबानी की। MATHEMA द्वारा IQAC के तत्वावधान में वेबिनार का आयोजन किया गया था।

17. संस्कृत विभाग, गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गाँधी–जयन्ती (02 अक्टूबर) के उपलक्ष्य में शनिवार, 03 अक्टूबर, 2020 को अपराह्न 3:00 बजे "गाँधी–दर्शन : विविध आयाम" विषयक एक अन्तरराष्ट्रीय वेब संगोष्ठी आयोजित की गई।

अध्यादेश XV–B	–	विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के बीच अनुशासन बनाए रखना
अध्यादेश XV–C	–	रैगिंग के लिए निषेध और दंड
अध्यादेश XV–D	–	कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न

आगे सूचना के लिए : दिल्ली विश्वविद्यालय का सूचना बुलेटिन 2019–20 देखें।

विवरण पत्रिका आयोग	:	सुश्री भारती आर. तलवार, डॉ. अंजना नीरा देव, डॉ. वीना शर्मा डॉ. जसविंदर कौर
चित्रांकन	:	श्री राजन, ईशान स्टूडियो, 9810044582

अकादमिक कैलेंडर (2020-21)

शैक्षणिक वर्ष 2020–21 के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए निम्नलिखित शैक्षणिक कैलेंडर का पालन किया जाना है।

सेमेस्टर III/V/VII

कक्षायें शुरू होंगी	10 अगस्त, 2020 (सोमवार)
कक्षाओं का समापन, तैयारी की छुट्टी और प्रैक्टिकल परीक्षा शुरू होंगे	28 नवंबर, 2020 (शनिवार)
थ्योरी एग्जाम शुरू होंगे	12 दिसंबर, 2020 (शनिवार)
सर्दियों की छुट्टी होंगी	29 दिसंबर, 2020 (मंगलवार) से 1 जनवरी, 2021 (शुक्रवार) तक

सेमेस्टर IV/VI/VIII

कक्षायें शुरू होंगी	2 जनवरी, 2021 (शनिवार)
मध्य सेमेस्टर ब्रेक शुरू होंगे	24 मार्च, 2021 (बुधवार) से 30 मार्च, 2021 (मंगलवार) तक नोट : 29.3.2021 को होली है।
मिड–सेमेस्टर ब्रेक के बाद कक्षाएं शुरू होंगी	31 मार्च, 2021 (बुधवार)
कक्षाओं का समापन, तैयारी की छुट्टी और प्रैक्टिकल परीक्षा शुरू होंगे	30 अप्रैल, 2021 (शुक्रवार)
थ्योरी एग्जाम शुरू होंगे	15 मई, 2021 (शनिवार)
गर्मी की छुट्टियाँ	29 मई, 2021 (शनिवार) से 19 जुलाई, 2021 (सोमवार) तक

DREAM
studentsuniongargi On 5th of September 2019, we at Gargi College celebrated Neon a seraphic bond...
studentsuniongargi The event came as a pleasant surprise for the students as well as the faculty of...
LETTERS FROM STRANGER

गार्गी कॉलेज

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

सिरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली –110049

फोन : +91–11–26494544 • फैक्स : +91–11–26494215

ई–मेल : gargicollege7@gmail.com

वेबसाइट : www.gargi.du.ac.in

IOIS

Photography Society
Gargi College

मानसी प्रिंटर्स : 9810125541